खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 21 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-317

TELANGANA PRAVASI SAMAJ WELFARE ORGANIZATION

TPSWO

TELANGANA PRAVASI SAMAJ WELFARE ORGANIZATION

For

NASHA MUKTH BHARAT

तेलंगाना प्रवासी समाज का नारा...!

नशामुक्त हो तेलंगाना हमारा...!

AWARENESS WALK FOR NASHA MUKT BHARAT

25-11-2026 TO 27-11-2026

PRAVASI MILAN

SUNDAY, 22 NOVEMBER 2026 | 3:00 PM

MAHBOOB COLLEGE (SVIT), AUDITORIUM
PATNY, SECUNDERABAD



CHIEF GUEST

SHRI G. KISHAN REDDY
Hon'ble Union Minister of Coal and Mines, Government of India



SUBHASH AGARWAL
Chief Convenor
Telangana Pravasi Samaj Welfare Organization

DON'T LET DRUGS DICTATE YOUR LIFE.

Anti-Narcotics Helpline: 1933 | De-Addiction Helpline: 14446

Say No to Drugs – Say Yes to Life!


Sanjay Singh | R.N. Gupta | Dr Ajai Kumar Agarwal | Narendra Kumar Sharma | Ramesh Kumar Bung | Uma Shankar Goenka | Dharmendra Kumar Goel | Dr Seema Jain | Sohanlal Dahima | Jasmat Patel | Sourabh Kulkarni | Pankaja Srinivasan Thattai | RR Mahapatra

Dr. Ashok Kedia | Subrata Ganguly | Geetesh Kate | Prabin Kumar Bardhan | Parasmal Ranka | Niranjan Chavda | Bablu Singh | Surendra Katgeri | Govind Das Shah | Mahesh Patel | DP Tiwari | Suresh Chand Sharma | Aloke Kumar Jha

Ghanshyam Patel | Uday Gupta | Mukesh Kataria | Sanjay Mohan Dolwani | K Dharampal Arya | Ridesh Jagirdar | Sunil Kulkarni | Naveen Patel | Sandeep Jayalwal | Luxy Manikandan | Budharam Choudhary | Dr Ashok Kumar Nedumudy | Keval Bhai Dewasi

Vinita Singh | Harikishan Ojha | B. Krishnam Raju | Manoj Mittal | Vinay Jain | Rajib Saikia | Jitender Tiwari | Umesh Sharma | Ajay Kumar | Debender Das | Laxmikant Sharma | C R Rajeev Acharya | Parag Vadavkar

R.P. Singh | Raj Bahadur | Shweta | Sumit Pal | Sushant Gogoi | T Vijay | V.R. Vijaya Rama Raju | Vijay Kumar Unnikrishnan | Vinod Yadav | Vijay Kushwaha | Samir Das | Nandu Mondal | Naval Jaju

तेलंगाना प्रवासी समाज का नारा...! नशामुक्त हो तेलंगाना हमारा...!



काठमांडू में सार्वजनिक शौचालयों को अनिवार्य बुनियादी सेवा के रूप में संचालित करने का निर्देश

काठमांडू

काठमांडू महानगरपालिका की कार्यवाहक मेयर सुनीता डंगोल ने सार्वजनिक शौचालयों का संचालन आवश्यक, बुनियादी और अनिवार्य सेवा के रूप में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

शहर में सार्वजनिक शौचालयों की मौजूदा स्थिति और उनके उचित संचालन की जरूरतों को लेकर शहरी योजना आयोग की अध्ययन रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए कार्यवाहक मेयर डंगोल ने शौचालयों को स्वच्छ, सुरक्षित, व्यवस्थित, समावेशी और सभी नागरिकों की पहुंच में लाने वाले कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

शहरी योजना आयोग ने हाल ही में महानगर क्षेत्र के 169 सार्वजनिक शौचालयों का अध्ययन किया था। इसमें उनकी मौजूदा स्थिति, संचालन प्रणाली, भौतिक संरचना, साफ-सफाई, पानी की उपलब्धता और दिव्यांगों के लिए पहुंच जैसी सुविधाओं का मूल्यांकन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि इन शौचालयों में सुधार की आवश्यकता है।

अध्ययन रिपोर्ट में नए शौचालयों की संख्या बढ़ाने के बजाय मौजूदा शौचालयों के बेहतर प्रबंधन, गुणवत्ता और उपयोगकर्ता अनुकूल सुविधाओं पर ध्यान देने का सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पहले से संचालित शौचालयों की सुविधाओं को नियमित रखरखाव, स्तरोन्नति और पुनर्निर्माण के माध्यम से बेहतर बनाया जा सकता है।

कार्यवाहक मेयर डंगोल ने महानगरपालिका के अनुरोध पर पेट्रोल पंप संचालकों की ओर से अपने यहां संचालित शौचालयों की साफ-सफाई में सुधार करने और उन्हें अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, हर सार्वजनिक शौचालय को महिलाओं, बच्चों के अनुकूल और सभी की पहुंच में होना चाहिए। आइए, इस जिम्मेदारी को ईमानदारी के साथ पूरा करें। अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आयोग के सदस्य दामोदर गिरी ने बताया कि महानगर क्षेत्र के कुल 169 सार्वजनिक शौचालयों में से 113 नियमित रूप से संचालित हैं। नौ आंशिक रूप से संचालित हैं, 10 निर्माणाधीन हैं, 14 बंद या उपयोग में नहीं हैं और दो पूरी तरह अनुपयोगी हैं। वहीं, 21 शौचालयों की संचालन स्थिति स्पष्ट नहीं है। अध्ययन में नए सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण के लिए स्थान चयन को लेकर भी सुझाव दिए गए हैं। इसके अनुसार, केवल जमीन की उपलब्धता को आधार बनाने के बजाय पैदल यात्रियों और वाहनों की पहुंच, पानी की उपलब्धता, जल निकासी व्यवस्था, उपयोगकर्ताओं की मांग और संचालन की व्यवहार्यता को भी ध्यान में रखना जरूरी है। साथ ही जमीन के स्वामित्व और निर्माण संबंधी पहलुओं का मूल्यांकन कर उपयुक्त स्थानों की पहचान करने की जरूरत बताई गई है। काठमांडू महानगरपालिका ने अध्ययन से प्राप्त सुझावों को तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालीन कार्यों में वर्गीकृत कर कार्ययोजना के माध्यम से सुधार प्रक्रिया शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के पूर्व मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी



काठमांडू। नेपाल के पूर्व मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल के खिलाफ मलेशिया जाने वाले नेपाली प्रवासी श्रमिकों से कथित ठगी के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। यह गिरफ्तारी वारंट नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) की जांच रिपोर्ट के आधार पर काठमांडू जिला अदालत ने जारी किया है। सीआईबी प्रमुख एवं अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) उमा चतुर्वेदी ने इसकी पुष्टि की है। इस मामले में सीआईबी ने दो पूर्व मंत्रियों सहित सरकार के छह वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व श्रम मंत्री शेरबहादुर कुँवर और रामेश्वर राय यादव, तत्कालीन सचिव विनोद केसी, सहसचिव राजीव पोखरेल और उमेश ढुंगाना तथा उपसचिव निर्मला गुरुङ शामिल हैं। इससे पहले इसी मामले में कारोबारी कैलाश खड़का सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बताया गया है कि गिरफ्तारी वारंट जारी होने से एक दिन पहले अर्याल दिल्ली के लिए उड़ान भर चुके हैं। एआईजी चतुर्वेदी ने बताया कि गिरफ्तारी वारंट से पहले मंत्रालय से कुछ कागजात मांगे गए थे। हो सकता है मंत्रालय के किसी व्यक्ति ने उनको इस बात की सूचना दी हो। उन्होंने कहा कि हवाईअड्डा इमिग्रेशन से पता चला है कि वो दिल्ली के विमान में सवार होकर वो फरार हो गए हैं ।

कर्स्टन ए. डेविस अमेरिका की राष्ट्रीय साइबर निदेशक नियुक्त



वाशिंगटन (अमेरिका)। व्हाइट हाउस ने कर्स्टन ए. डेविस को नया राष्ट्रीय साइबर निदेशक नियुक्त किया है। उन्होंने शान केर्नक्रास की जगह ली। हाल के दिनों में अमेरिका के हवाई यातायात, बैंकिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणालियों में बड़े पैमाने पर आई तकनीकी रुकावटों के बाद प्रशासन को आलोचना का सामना करना पड़ा। इसके बाद पूर्व साइबर प्रमुख शान केर्नक्रास को पद से हटाया गया। स्थायी रूप से इस पद पर नियुक्ति के लिए सीनेट की मंजूरी आवश्यक होती है। इस वजह से डेविस फिलहाल कार्यवाहक के रूप में आफिस आफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर (ओएनसीडी) का नेतृत्व करेंगी। कर्स्टन डेविस अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की मुख्य सूचना अधिकारी रह चुकी हैं। निजी क्षेत्र में भी उनके पास साइबर सुरक्षा का करीब दो दशक का अनुभव है। वह साइबर सुरक्षा से संबंधित वैश्विक कंपनियों यूनिलीवर, एस्टी लाडर, बार्कलेज और सीमेंस में शीर्ष अधिकारी रही हैं। एक्सिओस की रिपोर्ट में इस बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टीम में बदलाव कर रहे हैं। इसी क्रम में, व्हाइट हाउस ने कर्स्टन ए. डेविस को नया राष्ट्रीय साइबर नियुक्त किया। उनके पास अपने पूर्ववर्ती शान केर्नक्रास की तुलना में इस क्षेत्र का अधिक अनुभव है। व्हाइट हाउस के दो अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के नए चीफ आफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने इस बदलाव की जरूरत जोर दिया। इसके बाद उन्होंने केर्नक्रास को हटा दिया । आफिस आफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर पूरी संघीय सरकार (फेडरल गवर्नमेंट) में साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति के बीच समन्वय का काम करता है। इस पद के लिए सीनेट की मंजूरी जरूरी है। इससे पहले रक्षा विभाग की चीफ इनफार्मेशन आफिसर के रूप में डेविस को सीनेट से मंजूरी मिल चुकी है। डेविस पेंटागन में रक्षा सचिव (डिफेंस सेक्रेटरी) पीट हेगसेथ की मुख्य सलाहकार रह चुकी हैं।

कनाडा की मोस्ट वांटेड सूची में गोल्डी बराड़ नंबर-1 पर , सूचना देने वाले को 2.5 लाख कनाडाई डालर तक का मिलेगा इनाम

टोरंटो। कनाडा की जांच एजेंसियों ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की तलाश तेज कर दी है। कनाडा के बोलो प्रोग्राम की नई टाप-25 मोस्ट वांटेड अपराधियों की सूची में गोल्डी बराड़ को पहले स्थान पर रखा गया है। उसकी गिरफ्तारी या उसके बारे में जानकारी देने वाले को 2.5 लाख कनाडाई डालर तक का इनाम देने की घोषणा की गई है। यह इनाम 2 नवंबर 2027 तक उपलब्ध रहेगा। गोल्डी बराड़ का नाम भारत और अमेरिका के बाद अब कनाडा की जांच एजेंसियों की प्राथमिकता वाली सूची में भी शामिल हो गया है। कनाडाई एजेंसियों के अनुसार, गोल्डी बराड़ का संबंध कई गंभीर आपराधिक मामलों से जोड़ा गया है। उस पर विन्निपेग में सुखदूल सिंह गिल की हत्या का भी आरोप है। पुलिस के अनुसार, 20 सितंबर 2023 को सुबह करीब 10 बजे हेजलटन ड्राइव स्थित एक घर में गोलीबारी की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची विन्निपेग पुलिस को 39 वर्षीय सुखदूल सिंह गिल मृत मिला था। जांच के बाद गोल्डी बराड़ और करनबीर सिंह के खिलाफ कार्रवाई आगे बढ़ी। 23 फरवरी 2026 को दोनों के खिलाफ फर्स्ट-डिग्री मर्डर और हत्या की साजिश के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए। गोल्डी बराड़ की तलाश अमेरिका में भी की जा रही है। 7 जुलाई 2026 को अमेरिकी अटार्नी कार्यालय ने आपरेशन हार्ड बाल के नतीजों की घोषणा करते हुए उसे लारेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह में कथित भूमिका के मामले में आरोपी बनाया था।

नासा का अंतरिक्ष यान वायजर-1 पृथ्वी से करीब 26 अरब किलोमीटर दूर पहुंचा

सितंबर 1977 में अंतरिक्ष में भेजा था, तब से इसने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की

वाशिंगटन

नासा का अंतरिक्ष यान वायजर-1 पृथ्वी से करीब 26 अरब किलोमीटर दूर पहुंच गया है। इसने एक लाइट-डे यानी प्रकाश की एक दिन में तय होने वाली दूरी पूरी कर ली है। एक लाइट-डे का मतलब है वह दूरी, जिसे प्रकाश 24 घंटे में तय करता है। प्रकाश की रफ्तार करीब 3 लाख किलोमीटर प्रति सेकंड है। इस हिसाब से एक लाइट-डे करीब 16 अरब मील यानी 25.9 अरब किलोमीटर के बराबर होता है। अब पृथ्वी से भेजे गए रेडियो सिग्नल को वायजर-1 तक पहुंचने में करीब 24 घंटे लगेंगे। वहां से जवाब आने में भी इतना ही समय लगेगा यानी इससे बातचीत करने में करीब दो दिन लग सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वायजर-1 ने 1998 में नासा के ही दूसरे अंतरिक्ष यान पायनियर-10 को पीछे छोड़कर सबसे दूर पहुंचने वाली इंसान की बनाई वस्तु का रिकार्ड अपने नाम किया था। तब से यह लगातार अंतरिक्ष में आगे बढ़ रहा है। वायजर-1 को सितंबर 1977 में अंतरिक्ष में भेजा गया था। तब से इसने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। वायजर-1 का जुड़वां अंतरिक्ष यान वायजर-2 भी है, जिसे 16 दिन पहले लान्च किया गया था। हालांकि, पहले लान्च होने के बावजूद वायजर-2 पीछे रह गया। इसकी वजह दोनों के लिए चुने गए अलग-अलग रास्ते थे। वायजर-1 को छोटा और तेज रास्ता दिया गया था, ताकि वह बृहस्पति और शनि तक जल्दी पहुंच सके। वहीं, वायजर-2 का रास्ता इस तरह तय किया गया था कि वह बृहस्पति और शनि के बाद यूरेनस और नेपच्यून तक भी जा सके।

शुरुआत में दोनों यानों को सिर्फ पांच साल तक काम करने के लिए बनाया गया था। इनका मुख्य काम बृहस्पति और शनि ग्रहों की खोज करना था, लेकिन दोनों यान उम्मीद से करीब 10 गुना ज्यादा समय तक काम कर चुके हैं। वायजर-1 के मुकाबले उसका जुड़वां यान वायजर-2 अभी पृथ्वी से करीब 4.22 अरब किलोमीटर कम दूरी तय कर पाया है। दोनों अलग-अलग दिशाओं में अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे हैं। वायजर-1 और वायजर-2 अब इंटरस्टेलर स्पेस यानी तारों के बीच मौजूद अंतरिक्ष का अध्ययन कर रहे हैं। दोनों यान सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र से बनी एक विशाल सुरक्षा परत हेलियोस्फीयर को पार कर चुके हैं। वायजर-1 ने 2012 में और वायजर-2 ने 2018 में इस सीमा को पार किया था। इन यानों को असल में ग्रहों की खोज के लिए बनाया गया था, लेकिन अब इनसे तारों के बीच मौजूद अंतरिक्ष के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वैज्ञानिकों को अब यह समझना पड़ रहा है कि इन पुरानी मशीनों से ऐसा काम कैसे कराया जाए, जिसके लिए इन्हें मूल रूप से तैयार ही नहीं किया गया था। वायजर-1 को चलाने के लिए नासा की करीब 10 लोगों की टीम काम कर रही है। मिशन वैज्ञानिक लिंडा स्पिलकर के मुताबिक टीम में 25 साल का युवा कम्युनिकेशन इंजीनियर भी है। उनके माता-पिता का जन्म भी वायजर-1 के लान्च होने के बाद हुआ था।



चीन अंतरिक्ष में तैनात करेगा 40 रीयूजेबल स्पेसप्लेन, 2.5 मिनट में कहीं भी अटैक संभव, डीआईए रिपोर्ट से खुलासा, चीन की बढ़ती सैन्य महत्वाकांक्षाओं को लेकर दुनिया चिंतित

बीजिंग। अमेरिकी डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) द्वारा जारी एक खुफिया रिपोर्ट और उसके बाद एक चीनी विश्वविद्यालय के शोध अध्ययन ने अंतरिक्ष में चीन की बढ़ती सैन्य महत्वाकांक्षाओं को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट में चीन के एक रहस्यमय रीयूजेबल स्पेसप्लेन शेनलान्ग की दुर्लभ तस्वीर सामने आई है, जिसकी क्षमता को लेकर अब विस्तार से चर्चा हो रही है। एक कंप्यूटर सिमुलेशन अध्ययन ने चौंकाने वाला दावा किया है कि यदि चीन ऐसे 40 स्पेसप्लेन अंतरिक्ष में तैनात करता है, तो वे धरती पर किसी भी लक्ष्य तक ढाई मिनट के भीतर हमला शुरू कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एक्स-37बी स्पेसप्लेन के समान माने जाने वाले शेनलान्ग ने 2020 से कई प्रायोगिक मिशन पूरे किए हैं। डीआईए की रिपोर्ट में दिखी इस अकेले अंतरिक्षयान की तस्वीर, जिसके पेलोड बे के दरवाजे खुले थे, ने विशेषज्ञों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर ऐसे वाहनों का पूरा बेड़ा तैयार हो जाए तो उनकी मारक क्षमता कितनी भयावह हो सकती है। शीआन स्थित नार्थवेस्टर्न पालीटेक्निकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं, डू चोंगरुई और उनकी टीम ने एक्टा एरोनाटिका एट एस्ट्रोनाटिका सिनिका जर्नल में प्रकाशित अपने अध्ययन में इस सवाल का जवाब दिया है।

पाकिस्तान के चार प्रांतों को बांटकर 14 बनाने की तैयारी



इस्लामाबाद

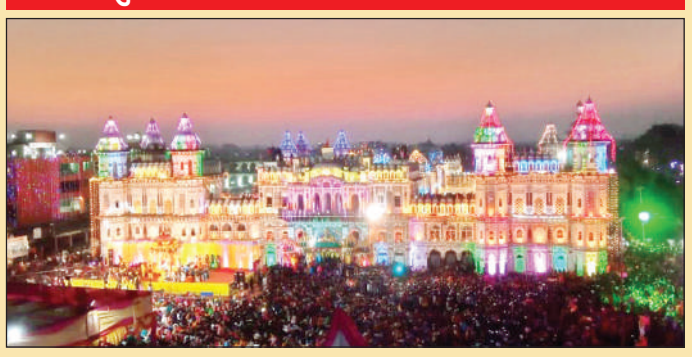
पाकिस्तान में नए प्रांतों के गठन की योजना को लेकर सियासी घमासान तेज हुआ है। देश के चार मौजूदा प्रांतों पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा को बांटकर 14 प्रांत बनाने के प्रस्ताव पर सत्ताधारी गठबंधन में ही मतभेद बढ़ गए हैं। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने चेतावनी दी है कि अगर सिंध का जबरन बंटवारा किया गया, तब कराची की सड़कों पर खून बह सकता है।

यह विवाद गृह मंत्री मोहसिन नकवी के जनमत संग्रह के सुझाव के बाद आया है। गृहमंत्री नकवी ने जुलाई में प्रशासनिक व्यवस्था को कमजोर बताकर नए प्रांत बनाने की जरूरत जाहिर की थी। 12 नवंबर को उन्होंने इस मुद्दे पर जनमत संग्रह कराने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद 18 नवंबर को योजना मंत्री अहसन इकबाल ने कहा कि चारों प्रांतों को बांटकर 14 प्रांत बनाने की योजना पर चर्चा हो रही है। प्रस्ताव के मुताबिक पंजाब और सिंध में चार-चार, जबकि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में तीन-तीन प्रांत बनाए जा सकते हैं। इस्लामाबाद को भी अलग प्रांत बनाने का विकल्प चर्चा में है।

बिलावल भुट्टो ने कहा कि सिंध का जबरन विभाजन सामाजिक तनाव और हिंसा को बढ़ावा देगा। इसका असर कराची के अलावा हैदराबाद, मीरपुरखास, टंडो अल्लाहयार और नवाबशाह तक पहुंच सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी नए प्रांतों के गठन के पूरी तरह खिलाफ नहीं है, लेकिन इस संबंध में फैसला जनता की सहमति और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत होना चाहिए। उनका आरोप है कि इस मुद्दे पर न उनसे और न ही राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से सलाह ली गई।

पीपीपी की चिंता की बड़ी वजह सिंध में उसका राजनीतिक आधार भी है। पार्टी 2008 से प्रांत में सत्ता में है। कराची पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र है और देश की जीडीपी में करीब 20 फीसदी योगदान देता है। यहां अलग-अलग भाषाई और जातीय समुदायों की बड़ी आबादी रहती है। अतीत में इस क्षेत्र में सांप्रदायिक और जातीय हिंसा की घटनाएं भी हो चुकी हैं। पाकिस्तान में प्रांतों के पुनर्गठन का इतिहास भी विवादों से भरा रहा है। 1955 की वन यूनिट योजना के तहत पश्चिमी पाकिस्तान को एक प्रांत बनाया गया था, जिसका सिंधी, पठान और बलोच समुदायों ने विरोध किया था। यह व्यवस्था 1970 में समाप्त हुई। अब नए प्रांत बनाने की पहल पर संवैधानिक संशोधन, राजनीतिक सहमति और प्रशासनिक खर्च को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

जनकपुरधाम में विवाह पंचमी महोत्सव की तैयारियां तेज



काठमांडू। जनकपुरधाम में आगामी 9 दिसंबर से शुरू होने वाले सप्ताहिक श्रीराम-जानकी विवाह पंचमी महामहोत्सव की तैयारियां तेज हैं। महोत्सव को भव्य, व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से जानकी मंदिर ने शांति-सुरक्षा, प्रचार-प्रसार, बाजार प्रबंधन, रंगभूमि मैदान एवं प्रवेश द्वार की व्यवस्था, पंडाल निर्माण, यातायात, पेयजल और बिजली प्रबंधन सहित विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग समितियां बनाई हैं। मंदिर परिसर में आयोजित सर्वपक्षीय बैठक में समितियों के गठन और उनके बीच जिम्मेदारियों के बंटवारे का निर्णय लिया गया। इस वर्ष के महोत्सव को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक व्यवस्थित एवं भव्य बनाने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई । बैठक जानकी मंदिर के महंत रामतपेश्वर दास वैष्णव के नेतृत्व तथा उत्तराधिकारी महंत रामरोशन दास वैष्णव के संयोजन में हुई। महंत दास ने बताया कि महोत्सव को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि महोत्सव को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए स्थानीय प्रशासन, सुरक्षा निकायों, स्थानीय तहों (निकायों) और संबंधित सभी पक्षों के बीच प्रभावी समन्वय एवं सहयोग जरूरी है। विवाहपंचमी महोत्सव में शामिल होने के लिए नेपाल के विभिन्न जिलों के साथ-साथ भारत के अयोध्या सहित अन्य स्थानों से हजारों साधु-संत और श्रद्धालु जनकपुरधाम पहुंचेंगे।

बांग्लादेश में अवामी लीग के पूर्व सांसद अताउल हक डोलन गिरफ्तार, अभिनेता टोमल महबूब हिरासत में

ढाका (बांग्लादेश)

बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी के नेताओं और समर्थकों की धरपकड़ तेज हो गई है। हसीना के दिसंबर में स्वदेश लौटने की घोषणा पर सरकार के नकारात्मक रुख से देश में गृह युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए। गोपालगंज से लेकर ढाका तक तनाव है। बिगड़े हालात के बीच ढाका में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सतखीरा-4 से अवामी लीग के पूर्व सांसद एसएम अताउल हक डोलन को गिरफ्तार कर लिया। उधर, अभिनेता टोमल महबूब को देररात हिरासत में ले लिया।

द डेली स्टार और ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, स्पेशल रिस्पान्स बटालियन (एसआरबी) ने राजधानी के बारीधारा इलाके से डोलन को गिरफ्तार किया। एसआरबी के लीगल एंड मीडिया विंग के निदेशक, विंग कमांडर एमजेडएम इंतखाब चौधरी ने बताया कि हमारी टीम ने कार्रवाई करते हुए रात करीब 11:20 बजे उन्हें गिरफ्तार किया। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) को सौंपा जाएगा। एसआरबी ने यह नहीं बताया कि डोलन को किस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

इस बीच, ढाका मेट्रोपालिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच ने राजधानी से अभिनेता टोमल महबूब को हिरासत में लिया। डीबी प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने उनकी हिरासत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अभिनेता पर भड़काऊ गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। अभिनेता टोमल महबूब को फिलहाल उनके मिंटू रोड स्थित कार्यालय में रखा गया है। उन्हें डोलन की गिरफ्तारी से कुछ समय पहले राजधानी के अजीमपुर इलाके में ईरानी मठ के पास से हिरासत में लिया गया। शफीकुल इस्लाम ने उन्हें हिरासत में लेने का कारण बताने से इनकार कर दिया।

इस समय देश के 64 जिलों में से कम से कम 28 अशांत हैं। शेख हसीना ने अपनी मौत की सजा सुनाए जाने की पहली बरसी के आसपास दिसंबर में बांग्लादेश लौटने का इरादा जताया है। उन्होंने नए पासपोर्ट और पहचान पत्र के लिए आवेदन भी किया, जिसे वर्तमान सरकार ने खारिज कर दिया है। सड़कों पर उतरे अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के समर्थकों के बीच हिंसक झड़पें हो रही हैं।



उपद्रवियों ने चटगांव में पूर्व अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस के पैतृक आवास में भी आगजनी की है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार ने अकेले राजधानी ढाका में बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के 3,000 जवानों (96 प्लाटून) को तैनात किया है। अवामी लीग के दर्जनों समर्थकों को गिरफ्तार किया गयाहै। बांग्लादेश राजनीतिक अस्थिरता के साथ गंभीर आर्थिक संकट से भी जूझ रहा है। देश में महंगाई दर 8 फीसद से ऊपर बनी हुई है। ऊर्जा संकट गहरा गया है। विश्व बैंक ने देश की विकास दर के अनुमान को घटाकर 3.4 प्रतिशत कर दिया है।

नेपाल में डायलिसिस फ्लूड की कमी से 400 से अधिक किडनी मरीजों का इलाज प्रभावित

काठमांडू

नेपाल में पेरिटोनियल डायलिसिस (पीडी) कराने वाले 400 से अधिक किडनी मरीज जरूरी डायलिसिस फ्लूड की कमी के कारण अपना इलाज जारी रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पेट में कैथेटर डालकर घर पर ही की जाने वाली इस उपचार पद्धति के लिए आवश्यक फ्लूड की नियमित आपूर्ति नहीं होने से मरीजों का इलाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

नेपाल में इस फ्लूड की आपूर्ति करने वाली एकमात्र कंपनी से पिछले तीन महीनों से मरीजों को नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में फ्लूड नहीं मिल पा रहा है। इसके कारण जीवन बचाने के लिए पीडी पर निर्भर मरीजों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

काठमांडू के कालीमाटी स्थित फ्लूड वितरण केंद्र पर 20 से अधिक किडनी मरीज जरूरी फ्लूड लेने के लिए पहुंचे। इन्हीं मरीजों में 45 वर्षीय किरण थापा भी शामिल थीं। नियमित डायलिसिस नहीं हो पाने के कारण उनके शरीर में सूजन आ गई है। उन्हें सांस लेने और बोलने में भी परेशानी हो रही है।

सानेपा में रहने वाली थापा पिछले 12 वर्षों से किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं। शुरुआत में अस्पतालों में उनकी हीमोडायलिसिस की जाती थी, लेकिन हाथ में फिस्टुला (डायलिसिस के लिए रक्त वाहिका तक पहुंच बनाने की प्रक्रिया) खराब होने और डाक्टरों को दूसरी उपयुक्त नस नहीं मिलने के कारण उन्हें पेरिटोनियल डायलिसिस शुरू करना पड़ा।

पीडी के जरिए उन्हें बार-बार अस्पताल जाने के बजाय घर पर ही



इलाज कराने की सुविधा मिली। इस प्रक्रिया में पेट में लगाए गए कैथेटर के माध्यम से विशेष फ्लूड डाला जाता है, जो शरीर से अपशिष्ट पदार्थ और अतिरिक्त तरल पदार्थ बाहर निकालने में मदद करता है। लेकिन अब फ्लूड की कमी ने उनका इलाज मुश्किल बना दिया है।

थापा ने बताया कि उनके पैरों में सूजन आ गई है और सांस लेने में भी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा, मेरे पैर सूज गए हैं। रात में जब मैं लेटती हूं तो ऐसा लगता है कि तरल पदार्थ मुंह तक पहुंच रहा है। मुझे सांस लेने और यहां तक कि बोलने में भी कठिनाई होती है।

थापा को दिन में चार बार डायलिसिस की जरूरत होती है, लेकिन पर्याप्त फ्लूड नहीं मिलने के कारण उन्हें दो से तीन दिनों तक बिना डायलिसिस के रहना पड़ा। उन्होंने भावुक होते हुए बताया, पिछले तीन महीनों से मुझे नियमित रूप से फ्लूड मिलने में परेशानी हो रही है। मैं रोजाना यहां आती हूं और एक-दो बैग फ्लूड से किसी तरह काम चलाती हूं।

थापा के लिए अब दोबारा हीमोडायलिसिस कराना भी आसान नहीं है, क्योंकि डाक्टरों को उनके हाथों में नया फिस्टुला बनाने के लिए उपयुक्त नसें नहीं मिल रही हैं। उन्होंने कहा, अब मेरे लिए दूसरा फिस्टुला बनवाने की संभावना भी नहीं है। अगर मुझे फ्लूड नहीं मिला तो मैं क्या करूंगी मैं यहां समस्या समझने के लिए आई हूं। थापा अकेली ऐसी मरीज नहीं हैं। पेरिटोनियल डायलिसिस कराने वाले 400 से अधिक मरीज इसी तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं। दक्षिणकाली नगरपालिका के 35 वर्षीय अकबीर तामांग भी पीडी पर निर्भर हैं। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह फ्लूड की कमी के कारण लगातार दो दिनों तक उनका डायलिसिस नहीं हो पाया। नियमित डायलिसिस छूटने के बाद उनके शरीर में सूजन आ गई, सांस लेने में परेशानी होने लगी और रक्तचाप बढ़ गया। उनकी हालत इतनी बिगड़ गई कि घर पर ही वह बेहद कमजोर हो गए।

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 21 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-317

वसुधैव कुटुंबकम्

SCO मंच से मोदी का शांति मंत्र

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि साम्राज्यों ने दुनिया के नक्शे बदले हैं, लेकिन सभ्यताओं के बीच संवाद ने दुनिया के विचारों को बदला और उन्हें समृद्ध किया है। इसलिए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का सभ्यतागत संवाद मंच केवल औपचारिक आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे ऐसा प्रभावी मंच बनना चाहिए, जो दुनिया को नई दिशा देने में सक्षम हो।



प्रधानमंत्री ने भारत की सांस्कृतिक विचारधारा वसुधैव कुटुंबकम का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने की सीख देती है। व्यक्ति के कल्याण की कामना भी व्यापक रूप से पूरी दुनिया की भलाई की भावना से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत आपसी सद्भाव को वैश्विक कल्याण का आधार मानता है। इसके साथ ही उन्होंने देशों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

साझी विरासत बचाने की अपील

प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ देशों की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां के संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अभिलेखागार में हजारों साल पुरानी धरोहर सुरक्षित है। इनमें प्राचीन पांडुलिपियां, दुर्लभ पुस्तकें, ऐतिहासिक दस्तावेज और कलाकृतियां शामिल हैं। ये धरोहरें विभिन्न देशों के बीच पुराने संबंधों की कहानी भी बयां करती हैं।

उन्होंने कहा कि तकनीक की मदद से इस विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है। इसके लिए एससीओ देश प्राचीन ग्रंथों को डिजिटल रूप में सुरक्षित करने और उनका विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। साझा इतिहास के नए पहलुओं को सामने लाने के लिए संयुक्त शोध परियोजनाएं भी शुरू की जा सकती हैं।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को इस प्रयास की अहम कड़ी बताते हुए कहा कि आने वाले दशकों में युवा ही सभ्यताओं के बीच संवाद को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। आज की युवा पीढ़ी तकनीक से जुड़ी है और दुनिया को बेहतर तरीके से समझना चाहती है। इसलिए उसे दूसरे देशों की भाषा, साहित्य और संस्कृति को जानने के अधिक अवसर मिलने चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवा कलाकार, लेखक और फिल्म निर्माता डिजिटल माध्यमों के जरिए साझा विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचा सकते हैं। इस कार्य में स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को भी शामिल करना जरूरी है।

सांस्कृतिक जुड़ाव में तकनीक की अहम भूमिका

प्रधानमंत्री ने सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाने में 21वीं सदी की तकनीक की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जिन रास्तों से हमारे पूर्वजों को यात्रा करने में महीनों लग जाते थे, आज तकनीक के माध्यम से विभिन्न देशों के लोगों को कुछ ही सेकंड में जोड़ा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल मंचों ने ज्ञान साझा करने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री ने एससीओ सदस्य देशों से इन नए अवसरों का पूरा लाभ उठाने की अपील की। उनके अनुसार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान विचारों को समृद्ध करने के साथ ही दुनिया का साझा दृष्टिकोण विकसित करने में भी मददगार साबित हो सकता है।

भाजपा को राम-राम

राजस्थान पंचायत चुनावों में कांग्रेस की वापसी

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)।



राजस्थान के पंचायती राज चुनावों में कांग्रेस ने शानदार जीत दर्ज करते हुए जोरदार वापसी की है, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को करारा झटका लगा है। जिला परिषद और पंचायत समिति, दोनों चुनावों में कांग्रेस ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए बढ़त हासिल की है। इन चुनावों में हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और राजकुमार रोत की भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) जैसे छोटे दलों ने भी दमदार प्रदर्शन कर राजनीतिक समीकरणों को दिलचस्प बना दिया है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित केंद्र और राज्य सरकार के कई दिग्गज मंत्रियों के क्षेत्रों में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है।

भाजपा के गढ़ में कांग्रेस की सेंध

राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों के करीब दो करोड़ 48 लाख मतदाताओं ने अपने जनादेश से भाजपा को बड़ा झटका दिया है। मेवाड़ और मारवाड़, दोनों क्षेत्रों में कांग्रेस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और भीलवाड़ा जैसे बड़े जिलों में कांग्रेस ने जिला प्रमुख की सीटों पर शानदार वापसी की है। अजमेर की सीट भाजपा के खाते में गई, जबकि उदयपुर में पार्टी किसी तरह अपनी स्थिति बचाने में सफल रही। इसके अलावा चित्तौड़गढ़, सिरोही, राजसमंद और जालौर जैसे भाजपा के मजबूत गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की है। इसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

जिला परिषद में कांग्रेस को 25 सीटें

राजस्थान के 37 जिलों के 475 जिला परिषद सदस्यों और 419 पंचायत समितियों के 7,543 वार्डों के परिणाम घोषित किए गए हैं। वहीं, चार जिलों के परिणाम फिलहाल रोक दिए गए हैं, जिन्हें दिसंबर में होने वाले पंचायत चुनावों के नतीजों के साथ जारी किया जाएगा। जिला परिषद की 37 सीटों में से कांग्रेस ने 25, भाजपा ने 8 और निर्दलीय एवं अन्य ने 3 सीटों पर बढ़त हासिल की है। पिछली बार राजस्थान में 29 जिला परिषदों के चुनाव हुए थे, जिनमें भाजपा ने 16 और कांग्रेस ने 10 पर कब्जा जमाया था। इस बार कांग्रेस ने दमदार वापसी करते हुए भाजपा को करारी मात दी है।पंचायत समिति की कुल 419 सीटों में कांग्रेस ने 213, भाजपा ने 85 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 56 पंचायत समितियों में जीत का परचम लहराया है।

यूजीसी विवाद ने बिगाड़ा भाजपा का गणित

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, पंचायत चुनावों में कांग्रेस ने अपने परंपरागत मतदाता वर्ग अनुसूचित जाति, जाट, गुर्जर और मीणा समुदाय के साथ-साथ भाजपा का परंपरागत माना जाने वाला राजपूत मतदाता वर्ग ▶10पर

4 राफेल लापता!

ब्रिटिश मैग्जिन का फर्जी दावा

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।



भारत के चार राफेल लड़ाकू विमान लापता हैं और भारतीय वायुसेना के पास अब केवल 32 विमान ही सक्रिय हैं। ब्रिटिश विमानन पत्रिका फ्लाइटग्लोबल की ताजा रिपोर्ट में किए गए इस दावे ने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना को हुए कथित नुकसान को लेकर बहस छेड़ दी है।

हालांकि, रिपोर्ट में राफेल विमानों के नष्ट होने या लापता होने का कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। पूर्व वायुसेना उप प्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने भी इस दावे को खारिज करते हुए पत्रिका के सूचना स्रोतों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं।

पूर्व वायुसेना उप प्रमुख ने उठाए सवाल

एयर मार्शल तिवारी ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर कहा कि फ्लाइटग्लोबल को अपने सूचना स्रोतों का दोबारा मूल्यांकन करना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि इन्हीं स्रोतों ने पहले उन राफेल विमानों के टेल नंबर बताए थे, जिन्हें पिछले साल पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान मार गिराने का दावा किया गया था। जबकि उन्हीं टेल नंबर वाले विमानों ने बाद में अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यासों में हिस्सा लिया था। उन्होंने भारतीय वायुसेना की पहली महिला राफेल पायलट स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह को युद्धबंदी बनाए जाने की खबरों का भी जिक्र किया। पाकिस्तान की ओर से किए गए इन दावों को भारतीय वायुसेना ने खारिज कर दिया था। बाद में अंबाला एयरबेस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ शिवांगी सिंह की तस्वीर सामने आई थी।

फ्लाइटग्लोबल का क्या है दावा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाइटग्लोबल ने अपनी वार्षिक सैन्य विमान निर्देशिका में भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की सक्रिय संख्या 32 बताई है। भारत ने फ्रांस से कुल 36 राफेल विमान खरीदे थे, जिनमें 28 एक सीट वाले और आठ दो सीट वाले विमान शामिल हैं। हालांकि, सक्रिय विमानों की संख्या कम होने का अर्थ यह नहीं है कि शेष विमान युद्ध में नष्ट हो गए हैं। ▶10पर

गुड न्यूज़ हैं बड़ी

कोर सेक्टर 13 महीने के टॉप पर

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।



भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक साथ कई महत्वपूर्ण खबरें सामने आई हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर 2026 में भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों यानी कोर सेक्टर की वृद्धि दर 13 महीने के उच्चतम स्तर 10.9 प्रतिशत पर पहुंच गई है। बिजली, कोयला और लौह अयस्क के उत्पादन में तेजी इसका प्रमुख कारण रही।

दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट के बीच जेफरीज के वैश्विक इक्विटी रणनीति प्रमुख क्रिस्टोफर वुड ने अपने निवेश पोर्टफोलियो में ताइवान की हिस्सेदारी घटाकर भारत का भार बढ़ा दिया है। वहीं, घरेलू शेयर बाजार में निफ्टी बैंक ने 64,008 का नया सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ है।

हालांकि, इन सकारात्मक संकेतों के बीच गोल्डमैन सैक्स ने अपनी ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि 2027 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर 7.2 प्रतिशत रह सकती है। महंगाई बढ़ने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को रेपो दर में भी बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है।

कोर सेक्टर की वृद्धि 10.9% पर पहुंची

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने 20 नवंबर को कोर सेक्टर के अनंतिम आंकड़े जारी किए। इनके अनुसार, भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अक्टूबर 2026 में बढ़कर 13 महीने के उच्चतम स्तर 10.9 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह सितंबर में 8.2 प्रतिशत और अक्टूबर 2025 में महज 0.8 प्रतिशत थी।

इस तेजी की प्रमुख वजह लौह अयस्क के उत्पादन में 26.4 प्रतिशत, कोयले में 23.1 प्रतिशत, बिजली में 21.6 प्रतिशत, सीमेंट में 15.4 प्रतिशत और इस्पात उत्पादन में 7.3 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि रही।

हालांकि, इस सुधार का लाभ सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं दिखाई दिया। अक्टूबर में उर्वरक उत्पादन में 12.2 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस में 7.6 प्रतिशत और कच्चे तेल के उत्पादन में 4.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, रिफाइनरी उत्पादों की वृद्धि दर धीमी होकर 3.4 प्रतिशत रह गई।

अप्रैल से अक्टूबर 2026 की सात महीने की अवधि में संचयी कोर सेक्टर वृद्धि दर 6 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 2.3 प्रतिशत थी।

जेफरीज ने भारत पर बढ़ाया भरोसा

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े शेयरों में भारी बिकवाली के बीच जेफरीज के वैश्विक इक्विटी रणनीति प्रमुख क्रिस्टोफर वुड ने भारतीय शेयर बाजारों पर अपना भरोसा और मजबूत किया है। वुड ने अपने 'एशिया पैसिफिक एक्स-जापान रिलेटिव रिटर्न' पोर्टफोलियो में ताइवान का भार एक प्रतिशत घटाकर भारत का भार एक प्रतिशत बढ़ा दिया है। इसके साथ ही भारतीय बाजार का हिस्सा बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है। पिछले तीन सप्ताह में यह दूसरी बार है, जब उन्होंने भारत का भार बढ़ाया है। अपने साप्ताहिक निवेशक नोट ग्रीड एंड फियर में वुड ने कहा कि वित्तीय बाजार ऐसा व्यवहार कर रहे हैं, मानो एआई पूंजीगत व्यय चक्र अपने चरम पर पहुंच गया हो। ▶10पर

आत्मनिर्णय का अधिकार

भारत विरोध के बावजूद पाक प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।



संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति ने भारत के विरोध के बावजूद गुरुवार को आम सहमति से पाकिस्तान का एक प्रस्ताव पारित कर दिया। इस प्रस्ताव में लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार को सुनिश्चित करने की बात कही गई है। विशेष रूप से उन लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन किया गया है, जो उपनिवेशवाद, विदेशी प्रभुत्व और विदेशी शक्तियों के कब्जे में रह रहे हैं।

'लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार की सार्वभौमिक प्राप्ति' नामक इस प्रस्ताव को 62 देशों ने सह-प्रायोजित किया। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि सैयद हैदर शाह ने इस प्रस्ताव को पेश किया। इस दौरान उन्होंने फिलिस्तीन और कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कब्जे में रहने वाले लोगों को सैन्य अत्याचार, बल प्रयोग, गैरकानूनी हत्याओं, मनमानी हिरासत, बुनियादी स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध और जनसांख्यिकीय बदलाव की कोशिशों का सामना करना पड़ रहा है।

भारत ने प्रस्ताव के दुरुपयोग पर जताई आपत्ति

भारत ने पाकिस्तान द्वारा अपने घरेलू राजनीतिक उद्देश्यों के लिए आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग किए जाने पर सवाल उठाया है। भारत ने स्पष्ट किया कि देशों की क्षेत्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने के लिए इस अवधारणा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने गुरुवार को कहा, यह स्वीकार्य नहीं है कि संयुक्त राष्ट्र और अन्य जगहों पर चार्टर के बुनियादी सिद्धांतों 'आत्मनिर्णय' को फिर से परिभाषित करने और उन्हें संकीर्ण या घरेलू राजनीतिक उद्देश्यों के लिए चुनिंदा रूप से लागू करने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 19^0

हत्या की साज़िश मामले में गुप्ता को सज़ा

आतंकी पन्नू जीता!

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।



अमेरिका में खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को बड़ा झटका लगा है। न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को उसे 235 महीने यानी 19 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई।

55 वर्षीय निखिल गुप्ता ने इसी वर्ष अदालत में हत्या के लिए सुपारी देने, इसकी साजिश रचने और धनशोधन की साजिश से जुड़े आरोपों को स्वीकार कर लिया था।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, यह कथित साजिश न्यूयॉर्क में रहने वाले खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को निशाना बनाकर रची गई थी। पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा, दोनों देशों की नागरिकता है।

अभियोजन पक्ष ने मांगी थी साल की सजा

न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले की संघीय अदालत में जिला न्यायाधीश विक्टर मारेरो ने निखिल गुप्ता को 235 महीने की सजा सुनाई। हालांकि, अमेरिकी अभियोजन पक्ष इससे भी अधिक कठोर सजा चाहता था।

दरअसल, पिछले सप्ताह अमेरिकी सरकार ने अदालत में दाखिल अपने 20 पन्नों के दस्तावेज में निखिल गुप्ता के लिए 293 महीने यानी करीब 24 साल से अधिक की जेल की मांग की थी। अमेरिकी अटॉर्नी जेम्स मैकडोनाल्ड ने अदालत से कहा था कि निखिल गुप्ता की भूमिका खतरनाक थी। अभियोजन पक्ष ने अपनी दलील में कहा था कि गुप्ता अमेरिका की धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की कथित विदेशी साजिश का अहम हिस्सा था। अभियोजन पक्ष के ▶10पर

योगी को मातृ शोक

आज हरिद्वार में अंतिम संस्कार

लखनऊ, 20 नवंबर (एजेंसियां)।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। मां के निधन की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड पहुंचे और घर जाकर उनके अंतिम दर्शन किए। शनिवार को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

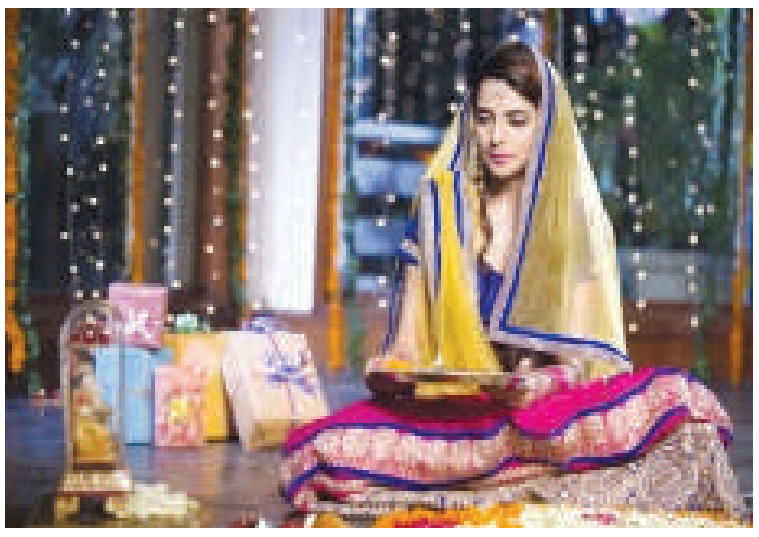
सावित्री देवी पंचूर गांव में रहती थीं। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पैतृक गांव है और उनका बचपन भी यहीं बीता था। मां के निधन की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री उत्तराखंड पहुंचे और परिवार के सदस्यों के साथ रहकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पैतृक गांव से जुड़ी हैं बचपन की यादें

पंचूर गांव उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक में स्थित है। योगी आदित्यनाथ का जन्म भी इसी क्षेत्र में हुआ था। बचपन के शुरुआती वर्ष उन्होंने यहीं बिताए थे। बाद में वह गोरखपुर चले गए। मई 2022 में योगी आदित्यनाथ लंबे समय बाद अपने पैतृक गांव पहुंचे थे।

▶10पर

कैसे करनी चाहिए आरती

पूजा के अन्त में आरती की जाती है। पूजन में जो त्रुटि रह जाती है, आरती से उसकी पूर्ति होती है। पूजन मन्त्रहीन और क्रियाहीन होने पर भी आरती कर लेने से उसमें सारी पूर्णता आ जाती है । आरती करने का ही नहीं, आरती देखने का भी बडा पुण्य होता है। जो धूप और आरती को देखता है और दोनों हाथों से आरती लेता है, वह भगवान् विष्णु के परमपत को प्राप्त होता है।



साधारणत: पाँच बत्तीयों से आरती की जाती है, इसे ' पंचप्रदिप' भी कहते है। एक सात या उससे भी अधिक बत्तीयों से भी आरती की जाती है। कपूर से भी आरती होती है। कुमकुम, अगर, कपूर धुत और चन्दन, पाँच बत्तीयों अथवा दीए की (रुई और घी की) बत्तियाँ बनाकर शंख, घंटा आदि बजाते हुआ आरती करनी चाहिए। आरती उतारते समय सवर्प्रथम भगवान् की प्रतिमा के चरणों में उसे चार बार घुमाएँ, दो बार नाभिदेश में, एक बार मुखमण्डल पर और सात बार समस्त अंगों पर घुमाए। यथार्थ में आरती, पूजन के अन्त में इष्ट देवता की प्रसन्नता हेतु की जाती है। इसमें इष्टदेव को दीपक दिखाने के साथ ही उनका स्तवन तथा गुणगान किया जाता है।

संध्या वंदन

संध्या वंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। संधिकाल में ही संध्या वंदन की जाती है। वैसे संधि 5 वक्त (समय) की होती है, लेकिन प्रातःकाल और संध्याकाल- उक्त दो समय की संधि प्रमुख है अर्थात सूर्य उदय और अस्त के समय। वेदों के अनुसार इस समय मंदिरमें आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 5 प्रकार हैं- (1) प्रार्थना, (2) ध्यान, (3) कीर्तन, (4) यज्ञ और (5) पूजा-आरती। व्यक्ति की जिस में जैसी श्रद्धा है वह वैसा करता है। लेकिन इन पांचों में किसका ज्यादा महत्व है, यह भी जानना जरूरी है।

एकादशी का व्रत बहुत ही फलदायी

समस्त कामों में सफलता मिलती है

हिंदू धर्म में एकादशी का बहुत अधिक महत्व है। शास्त्रों के के अनुसार माना जाता है कि इस दिन व्रत करने से कई गुना अधिक फल मिलता है। इसी तरह इस माह वरुथिनी एकादशी है जिसके बारें में माना जाता है कि सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है।



हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का बहुत अधिक महत्व है। हर एकादशी का अपना विशिष्ठ नाम व महत्व धर्म ग्रंथों में लिखा है। इसी क्रम में वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस एकादशी का फल सभी एकादशियों से बढकर है। इस दिन जो उपवास रखते हैं, उन्हें 10 हजार वर्षों की तपस्या के बराबर फल प्राप्त होता है व उनके सारे पापों का नाश हो जाता है। जीवन सुख-सौभाग्य से भर जाता है। मनुष्य को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, मृत्यु के बाद उसे मोक्ष भी प्राप्त हो जाता है। इस व्रत की विधि इस प्रकार है-

व्रत विधि वरुथिनी एकादशी की सुबह स्नान आदि करने के बाद शुद्ध होकर संयमपूर्वक उपवास करना चाहिए। रात्रि जागरण करते हुए भगवान मधुसूदन यानी श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा भी पूरी विधि के साथ करते हुए विष्णु सहस्त्रनाम का जाप और उनकी कथा सुननी चाहिए। व्रत के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि को व्रती (व्रत करने वाला) को एक बार हविष्यान्न (यज्ञ में अर्पित अन्न) का भोजन करना फलदायी होता है। व्रत के अगले दिन यानी द्वादशी को ब्राहमणों को भोजन करवाना चाहिए। उसके बाद स्वयं भोजन करना चाहिए।

ये है वरुथिनी एकादशी व्रत की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा नदी के किनारे राजा मांधाता राज करते थे। एक बार वे जंगल में तपस्या कर रहे थे, उसी समय एक भालू आया और उनके पैर खाने लगा। मांधाता तपस्या करते रहे। उन्होंने भालू पर न तो क्रोध किया और न ही हिंसा का सहारा लिया। पीडा असहनीय होने पर उन्होंने भगवान विष्णु को स्मरण किया। तब भगवान विष्णु ने वहां उपस्थित हो उनकी रक्षा की। पर भालू द्वारा अपने पैर खा लिए जाने से राजा को बहुत दु:ख हुआ। भगवान ने उससे कहा- हे वत्स दु:खी मत हो। भालू ने जो तुम्हें काटा था, वह तुम्हारे पूर्व जन्म के बुरे कर्मों का फल था। तुम मथुरा जाओ और वहां जाकर वरुथिनी एकादशी का व्रत रखो। तुम्हारे पैर फिर से वैसे ही हो जाएंगे। राजा ने आज्ञा का पालन किया और पुन: सुंदर अंगों वाला हो गया। इस एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। वह इस दिन प्रात: स्नान करके भगवान को स्मरण करते हुए विधि के साथ पूजा करें और उनकी आरती करनी चाहिए साथ ही उन्हें भोग लगाना चाहिए। इस दिन भगवान नारायण की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही ब्राहमणों तथा गरीबों को भोजन या फिर दान देना चाहिए। यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है। इस व्रत को करने से समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है।

सीता का समर्पण:

श्रीरामचरित मानस में एक प्रसंग है। जब श्रीराम और सीता ने विवाह के बाद पहली बार बात की तो राम ने सीता को वचन दिया कि वे जीवनभर उन के प्रति निष्ठावान रहेंगे। उनके जीवन में कभी कोई दूसरी स्त्री नहीं आएगी। सीता ने भी वचन दिया कि हर सुख और दुख में वे साथ रहेंगी। श्रीराम और सीता ने पहली बातचीत में भरोसे और समर्पण का वादा किया।

श्रीराम का वनवास गमन:

जब श्रीराम को वनवास जा रहे थे तब वह चाहते थे सीता जी मां कौशल्या के पास ही रुक जाएं। जबकि सीता श्रीराम के साथ वनवास जाना चाहती थीं। कौशल्या भी चाहती थीं कि सीता वनवास न जाए। इस विषय पर सीता की इच्छा और श्रीराम, कौशल्या की इच्छा अलग-अलग थी। आज के समय में सास, बहू और बेटा, इन तीनों के बीच मतभेद होते हैं तो परिवार में तनाव बढ जाता है, लेकिन रामायण में श्रीराम के धैर्य, सीताजी और कौशल्याजी की समझ से सभी मतभेद दूर हो गए।

ऐसे समझी राम के मन की बात:

केवट की नाव में जब सीता ने श्रीराम के चेहरे पर संकोच के भाव देखे तो सीता ने तुरंत ही अपनी अंगूठी उतारकर उस केवट को भेंट में देनी चाही, लेकिन केवट ने अंगूठी नहीं ली। केवट ने कहा कि वनवास पूरा करने के बाद लौटते समय आप मुझे जो भी उपहार देंगे मैं उसे प्रसाद समझकर स्वीकार कर लूंगा।

सूर्य रेखा व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है

सूर्य रेखा को अपोलो रेखा, सफलता की रेखा या बुद्धिमत्ता की रेखा के नाम से भी जाना जाता है। यह रेखा कलाई के पास चंद्र पर्वत से निकलकर अनामिका तक जाती है। यह रेखा व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है। सूर्य की रेखा को अपोलो रेखा, सफलता रेखा या प्रतिभा रेखा से भी जाना जा सकता है एवं यह हाथ के आकार पर निर्भर करता है ।



सूर्य रेखा द्वारा व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी की जा सकती है। सूर्य रेखा का उदय, जीवन रेखा, हदय रेखा, चंद्र पर्वत, मंगल स्थान या मष्तिष्क रेखा से होता है । सूर्य की रेखा का आकार, सफलता की सीमा का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और ख्याति बनाए रखने में स्थिरता और उत्पन्न बाधाओं को बताता है । सूर्य रेखा के साथ मष्तिष्क रेखा अगर ढलती हुई जाती हैं तो इससे ज्ञात होता है कि व्यक्ति की सफलता कलात्मक क्षेत्र जैसे कविता, कला, साहित्य, कल्पनाशील पर आधारित क्षेत्र मे होती है।

सूर्य रेखा के साथ कई महीन रेखाए ये दर्शाती है कि व्यक्ति कलात्मकता युक्त होता है परन्तु बहुविचारो के कारण वह किसी एक क्षेत्र मे सफलता नही प्राप्त कर पाता । सूर्य रेखा यदि स्पष्ट है तो व्यक्ति संवेदनशील, दयालु और उदार है इसका परिणाम उसे लोकप्रिय बनाता है । सूर्य की रेखा यदि असाधारण रुप से सीधी है तो व्यक्ति अपार धन का स्वामी, सामाजिक शक्ति प्राप्त करता है। इस रेखा पर यदि तारा हो तो व्यक्ति प्रतिभावान होता है और उसकी स्थायी सफलता निश्चित है । सूर्य रेखा पर यदि वर्ग बना हो तो व्यक्ति अपने नाम और सामाजिक स्थिति के कारण दुश्मन के हमले से सुरक्षित होता है । कर्संदर्भ में दुश्मन के हमले के खिलाफसंरक्षण के संकेत सूर्य रेखा पर एक द्वीप की स्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की निंदा होती है अंतत: एक लोकापवाद के रुप मे सामने आती है । एक प्रतिभाशाली और कलात्मक हाथ पर सूर्य की रेखा की अनुपस्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की कडी मेहनत के बावजूद ख्याति प्राप्त करने मे मुश्किल आती है ।

यदि सूर्य रेखा बिखरी हुई भाग्य रेखा के साथ हो तो व्यक्ति निरंतर विफलताओं और निराशाओं के बावजूद सदैव खुश दिखाई देगा । यदि सूर्य रेखा के साथ भाग्य रेखा भी समानांतर चल रही हो साथ मे मष्तिष्क रेखा भी स्पष्ट हो तो यह एक अत्यंत शुभ संकेत है, और ऐसा व्यक्ति अपार धन का स्वामी, व्यवहारिक और भाग्यशाली होता है । यदि सूर्य की रेखा हाथ मे सपष्ट दिखाई दे और कुछ समय बाद लुप्त हो जाए तो ऐसा व्यक्ति प्राय: दुखी रहता है लेकिन जब सूर्य की रेखा स्पष्ट होती है वो समय उसके लिये सुखमय होता है ।

यदि एक खोखले हाथ पर सूर्य रेखा विध्यामान हो तो ऐसा व्यक्ति निरंतर दुर्भाग्य होने के बावजूद सदेव आशावादी एव तेजस्वी प्रतीत होता है।

सीता जी से सीखिए गृहस्थी का मैनेजमेंट



त्रेतायुग में श्रीराम और सीता का चरित्र सबसे उत्तम और आदर्श माना गया है। जिसका संपूर्ण उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता है। जिसका अनुसरण यदि वर्तमान में भी किया जाए तो हरेक व्यक्ति का दांपत्य जीवन सुखमय हो सकता है।

ऐसे में सीता जी की इन 6 बातों को यदि जिंदगी में शामिल किया जाए, तो दांपत्य जीवन सुंदर बनाया जा सकता है।

चेहरे पर संकोच :

श्रीराम के चेहरे पर संकोच के के भाव देखते ही समझ सीता जी समझ गईं कि राम, केवट को कुछ भेंट देना चाहते हैं, लेकिन उनके पास देने के लिए कुछ नहीं था। यह बात समझते ही सीता ने अपनी अंगूठी उतारकर केवट को देने के लिए आगे कर दी।

श्रीरामचरितमानस के इस प्रसंग में उल्लेखित है कि पति और पत्नी के बीच ठीक इसी प्रकार की समझ होनी चाहिए। वैवाहिक जीवन में दोनों की आपसी समझ जितनी मजबूत होगी, वैवाहिक जीवन उतना ही ताजगीभरा और आनंददायक बना रहेगा।

वन में रहे साथ :

सीता जी और राम जी वन में साथ रहे उनकी यह बात इंगित करती है कि पति-पत्नी गृहस्थी की धुरी होते हैं। इनकी सफल गृहस्थी ही सुखी परिवार का आधार होती है। अगर पति-पत्नी के रिश्ते में थोडा भी दुराव या अलगाव है तो फिर परिवार कभी खुश नहीं रह सकता। परिवार का सुख, गृहस्थी की सफलता पर निर्भर करता है।

सीता में थे ये सभी गुण:

स्त्री में ऐसे कई श्रेष्ठ गुण होते हैं जो पुरुष को अपना लेना चाहिए। प्रेम, सेवा, उदारता, समर्पण और क्षमा की भावना स्त्रियों में ऐसे गुण हैं, जो उन्हें देवी के समान सम्मान और गौरव प्रदान करते हैं।

ये शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है



पारद शिवलिंग पूजन विधि एवं साधना घर में पारद शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है। दुकान, ऑफिस व फैक्टरी में व्यापारी को बढाने के लिए पारद शिवलिंग का पूजन एक अचूक उपाय है। शिवलिंग के मात्र दर्शन ही सौभाग्यशाली होता है। इसके लिए किसी प्राणप्रतिष्ठा की आवश्कता नहीं हैं। पर इसके ज्यादा लाभ उठाने के लिए पूजन विधिक्त की जानी चाहिए। सर्वप्रथम शिवलिंग को सफेद कपडे पर आसन पर रखें। स्वयं पूर्व-उत्तर दिशा की ओर मुँह करके बैठ जाए। अपने आसपास जल, गंगाजल, रोली, मोली, चावल, दूध और हल्दी, चन्दन रख लें। सबसे पहले पारद शिवलिंग के दाहिनी तरफदीपक जला कर रखो। थोडा सा जल हाथ में लेकर तीन बार निम्न मन्त्र का उच्चारण करके पी लें। प्रथम बार ऊँ मृत्युभजाय नम: दूसरी बार ऊ नीलकण्ठाय: नम: तीसरी बार ऊँ रूद्राय नम: चौथी बार ऊँ शिवाय नम: हाथ में फूल और चावल लेकर शिवजी का ध्यान करें और मन में ऊँ नम: शिवायवक्क का 5 बार स्मरण करें और चावल और फूल को शिवलिंग पर चढा दें। इसके बाद ऊँ नम: शिवाय का निरन्तर उच्चारण करते रहे। फिर हाथ में चावल और पुष्प लेकर ऊँ पार्वत्यै नम:वक्कमंत्र का उच्चारण कर माता पार्वती का ध्यान कर चावल पारा शिवलिंग पर चढा दें। इसके बाद ऊँ नम: शिवाय का निरन्तर उच्चारण करें। फिर मोली को और इसके बाद बनेऊ को पारद शिवलिंग पर चढा दें।

इसके पश्चात हल्दी और चन्दन का तिलक लगा दे। चावल अर्पण करे इसके बाद पुष्प चढा दें। मीठे का भोग लगा दे। भांग, धतूरा और बेलपत्र शिवलिंग पर चढा दें। फिर अन्तिम में शिव की आरती करे और प्रसाद आदि ले लो। जो व्यक्ति इस प्रकार से पारद शिवलिंग का पूजन करता है इसे शिव की कृपा से सुख समृद्धि आदि की प्राप्ति होती है। भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की और मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बैंठें, बल्कि उत्तर को ही बैंठें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पम्न होता है। शुक्रवार के दिन किसी स्वच्छ पात्र में पारद-पारस गुटिका स्थापित कर दें, फिर एक सौ आठ कमल के ताजे पुष्प पहले से ही मंगा कर पास रख लें फिर एक कमल का पुष्प हाथ में लें और निम्न मंत्र का ग्यारह बार उच्चारण कर, कमल का पुष्प पारद-पारस गुटिका पर चढा दें। प्रयोग सम्पन्न होने पर उन कमल की पंखुडियों को पूरे घर में बिखरे दें। अभाववश कमल के पुष्प की जगह गुलाब का पुष्प भी प्रयोग में लाया जा सकता है। मंत्र इस प्रकार है - ऊँ ऐं ऐं श्रीं श्रीं हीं हीं ऊँ इस प्रकार श्रावणमास में यह प्रयोग सात दिन तक करने पर व्यापार में आश्चर्यजनक वृद्धि होने लगती है और जीवन में आकस्मिक एवं अतुलनीय धन प्राप्त होता है। इस अभिषेक से प्राप्त जल अनेक बीमारियों को नष्ट करने वाला होता।

भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की और मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बैंठें, बल्कि उत्तर को ही बैंठें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पम्न होता है।

घर सजाते समय मत कीजिए ये गलतियां

घर को सजाने की चाह में कई बार रचनात्मकता अपना कमाल दिखाती है मगर कभी-कभी गलतियां भी हो जाती हैं। फ्लैट छोटा हो और फर्नीचर बड़ा, पेंडेंट लाइट्स ज़्यादा ऊपर हों, रग्स का सही चुनाव न किया जाए तो घर बेमेल सा नजर आने लगता है। थोड़ी समझदारी बरतें तो इन गलतियों से बचा जा सकता है या इन्हें सुधारा जा सकता है।

परदे

डेकोरेशन का नियम कहता है कि पर्दे फ्लोर लेंथ से लगभग एक इंच कम हों। कई बार ये या तो फर्श को छूने लगते हैं या फिर कुछ ज्यादा ही छोटे हो जाते हैं। डेकोर की यह आम समस्या है।

टिप

बेहतर होगा कि पहले दरवाजे या खिड़कियों की नाप सही ढंग से लें। अगर फैब्रिक सिल्क का नहीं है तो हाइट थोड़ी ज्यादा रखें क्योंकि कई बार कॉटन फैब्रिक धोने के बाद सिकुड़ जाता है। वैसे इस समस्या से बचने के लिए इन्हें ड्राईक्लीन कराएं या फिर घर में धोने के बाद अच्छी तरह इस्तरी करें।

फोटो फ्रेम्स

कई बार फैमिली फोटो फ्रेम्स या पेंटिंग्स की हाइट इतनी ऊंची हो जाती है कि उनकी डिटेलिंग समझ नहीं आती। ग्रुप में लगे फ्रेम्स अच्छे जरूर



लगते हैं लेकिन इतने भी नहीं कि पूरी दीवार पर यही नजर आने लगें।

टिप

अगर घर में आर्ट गैलरी न खोलना चाहती हों तो फ्रेम्स को ज्यादा हाइट पर न लगाएं। इन्हें फर्नीचर से 10-12 इंच या फ्लोर से लगभग 5 फिट ऊपर लगाएं ताकि ये आसानी से नजर आ सकें। व्यावहारिक सुझाव यह है कि फ्रेम्स इतने ऊपर हों कि सामान्य हाइट वाला व्यक्ति भी इन्हें देख सके और लोगों को अपनी गर्दन को स्ट्रेच करके इन्हें न देखना पड़े।

कार्बन कॉपी

सभी लोग किसी न किसी इंटीरियर थीम से प्रेरित होते हैं। दोस्तों, कलीग्स के घरों के अलावा फिल्मों-टीवी सीरियल्स और पत्रिकाओं में प्रकाशित घर भी उन्हें प्रेरित करते हैं। कई बार वे वैसी ही सजावट अपने घर में चाहते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि अपने घर को दूसरे के घरों की कार्बन कॉपी बना दें। घर में अपनी निजी पसंद, शौक, व्यक्तित्व, प्रोफेशन और स्टाइल की झलक भी मिलनी चाहिए।

टिप

किसी से प्रेरित होने से पहले सोचें कि क्या वह खास पैटर्न, फर्नीचर, फैब्रिक या वॉल कलर आपके घर के साइज, जरूरतों और उसमें रहने वालों की पसंद के अनुरूप है? घर में अपने व्यक्तित्व और रचनात्मकता की छाप होनी चाहिए। यह बात जरूर ध्यान में रखें कि घर रहने के लिए होता है। उसे इतना न सजाएं कि वह फाइव स्टार होटल में तब्दील हो जाए।

लाइटिंग

अमूमन घरों में सीलिंग या ओवरहेड लाइटिंग की व्यवस्था होती है। यूं भी फ्लैट सिस्टम में बिल्डर जितना देता है, उतने में ही संतुष्ट होना पड़ता है मगर कई बार लाइटिंग की अपर्याप्त व्यवस्था घर को नीरस या उदासीन बना देती है। इसलिए सीलिंग लाइट्स के अलावा भी घर में लाइटिंग की उचित व्यवस्था करें।

टिप

थोड़ा सा मेकओवर घर को जीवंत और ऊर्जा से भरा हुआ बना सकता है। घर की लाइटिंग में फेरबदल करें। फॉल्स सीलिंग के अलावा फ्लोर लैंप्स, पेंडेंट लाइट्स, टास्क लाइटिंग और ओवरहेड लाइटिंग लगवाएं। जिन आर्ट पीसेज या पेंटिंग्स को हाइलाइट करना चाहते हैं, उनमें हाइलाइटर लगवाएं।

दीवार से सटे फर्नीचर

स्पेस मैनेजमेंट कहें या सजावट का पारंपरिक तरीका, अमूमन घरों में फर्नीचर को दीवार से सटाने का नियम चला आ रहा है। कई घरों में तो सेंटर टेबल भी सेंटर के बजाय दीवार से सटा कर रखी जाती है। इस फ्लोर प्लैन में थोड़ा सा बदलाव जरूरी है।

टिप

भले ही घर छोटा हो, अपने सारे फर्नीचर्स दीवार से सटा कर न रखें। दीवार से 2-3 इंच दूरी पर सामान रखेंगे तो न सिर्फ जगह ज्यादा खुली दिखेगी बल्कि फर्नीचर और दीवार की खूबसूरती भी निखर कर आएगी।

ड्रॉइंग रूम

अमूमन घरों में लिविंग स्पेस या ड्रॉइंग रूम के डेकोर पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। कारण यह है कि मेहमानों का स्वागत यहीं होता है। इस कारण कई बार ड्रॉइंग रूम में सारी सुंदर कलाकृतियां, देश-विदेश से खरीदी गई पेंटिंग्स या आर्ट पीसेज, कार्पेट्स, रग्स, लैंप्स, अवॉर्ड्स गिफ्ट्स सजा दिए जाते हैं। छोटे से स्पेस में इतने फोकल पॉइंट्स न तैयार करें कि नजर कहीं भी ठहर न पाए।

सखी टिप

जरूरी नहीं कि सारे फोटो फ्रेम्स ड्रॉइंग रूम में लगा दें, सीढ़ियों के नीचे या पैसेज में भी इन्हें लगवा सकते हैं। अवॉर्ड्स को शोकेस करना चाहते हैं तो बार को डाइनिंग एरिया या कमरे के किसी दूसरे कॉर्नर पर शिफ्ट करें।

अपने डॉग से सीख सकते हैं ये अच्छी आदतें...

ब्रीड कोई भी हो, डॉगीज की आदतें लगभग समान ही होती हैं। इस शानदार साथी के साथ सबसे बड़ी बात तो यह होती है कि आप कभी भी डल महसूस नहीं करते हैं। अच्छा महसूस कराने के अलावा और भी कई बातें हैं जो आप अपने डॉगी से सीख सकते हैं...

माफ करने की कला

तनाव के क्षणों में आप अक्सर उसके प्यार को इग्नोर कर देते हैं लेकिन वो कभी भी आपसे शिकायत नहीं करता। आप तो गुस्से में उसे डांट भी देते हैं पर याद नहीं होगा कि वो कब आप पर भौंका था। डॉगी से सीखा जाना चाहिए कि माफ करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

रोज वर्कआउट

बारिश हो रही हो या तेज धूप चुभ रही हो, वो कभी भी बाहर घूमने का कोई मौका नहीं छोड़ता। उसे एक्सरसाइज का डेली डोज चाहिए ही! इसे हासिल करने से उसे कोई रोक नहीं सकता। काश! यह उत्साह हममें भी वर्कआउट को लेकर हो।

खुश हो तो दिखाओ भी

खुश रहने से और भी खुशी मिलती है। जब आप अपने डॉगी को खुशी से पूंछ हिलाता देखते हैं तो जाहिर है आप भी प्रसन्न होते होंगे। इसलिए जानिए कि सिर्फ खुश रहना ही काफी नहीं है, दिखाना भी जरूरी है। जिंदगी में घट रही हर अच्छी चीज का जश्न मनाना आना चाहिए।

जो मिले उसी में खुश

सादा दूध हो या दही-चावल या फिर डॉग बिस्किट... उसे हर चीज बड़े चाव से खाना है। उसे सबसे बड़ी खुशी इस बात की ही है कि वो कुछ खा रहा है, यह परवाह जरा नहीं कि क्या नहीं मिल रहा है। वो नखरे नहीं करता और शिकायत तो जरा नहीं। हम जैसे फूडी कब इतने महान हो पाएंगे... पर कोशिश तो की ही जा सकती है।



जानने की बेताबी

जिस लम्हा उसे कुछ नई चीज दिखती है, वो उत्साह से भर जाता है। वो उसे देखता है, सूंघता है और जानने के लिए उससे खेलने लग जाता है। कोई यह सोच सकता है कि वो आज्ञाकारी नहीं है, लेकिन उसे पता है कि जानने की बेताबी का मतलब ही सीखते रहना है। यह बेताबी हम भी सीख लें तो जिंदगी के हर मो? पर इसका फायदा मिल सकता है।

दोस्त बनाना

लोग अक्सर डॉगी को पार्क में ले जाने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वहां मिलने वाले दूसरे डॉगीज को देखकर पता नहीं ये कैसे रिएक्ट करेगा। लेकिन एक बार हिम्मत करके वे अपने डॉगी को पार्क के जाते हैं तो उन्हें समझ आ जाता है कि यह बेहद दोस्ताना मिजाज के होते हैं। वो बिना किसी पूर्वधारणा के दोस्त बना लेते हैं। वे आकार-ब्रीड के फर्क को भी नजरअंदाज कर देते हैं। ये भी नहीं सोचते कि दोस्ती फायदे की है या नुकसान की! क्या हम यह कर पाते हैं! यह अंदाज हम भी अपना कर तो देखें।

सबको बराबर प्यार

यह वाकई आश्चर्यजनक है कि वो प्यार और लगाव का जवाब सबको एक जैसा ही देता है। फिर यह कोई भी प्रकट कर रहा हो, उसे जरा भी फर्क नहीं पड़ता। कई बार तो आपको जलन भी हो जाती है कि वो मेहमान को भी उतने ही प्यार से ट्रीट करता है जैसे आपको। आपको यह लग सकता है कि खास प्यार आपके लिए होना चाहिए लेकिन वो सिखाता है कि प्यार करने वालों के साथ एक जैसा ही बर्ताव होना चाहिए।

प्रेग्नेंसी में टहलने के ये फायदे आपको हैरत में डाल देंगे



प्रेग्नेंसी के दौरान एक महिला को सबसे ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। इस दौरान हर छोटी से छोटी बात का ख्याल रखना होता है। प्रेग्नेंसी में फीजिकल हेल्थ के साथ ही मेंटल हेल्थ का भी पूरा ध्यान रखना होता है।

सेहतमंद रहने के लिए जितना जरूरी समय से दवा लेना है, उतना ही जरूरी सही खानपान भी है। दूसरी ओर डॉक्टर के बताए व्यायाम और फिजिकल एक्सरसाइज करना भी बहुत जरूरी है।

गर्भावस्था में हेवी-वेट एक्सरसाइज करने से बचना चाहिए। इस दौरान टहलना सबसे अच्छा रहता है। डॉक्टर भी गर्भावस्था में टहलने की सलाह देते हैं।

आइए जानते हैं गर्भावस्था में टहलने के फायदे

1. तनाव कम करने में मददगार

प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादातर महिलाओं को तनाव की शिकायत हो जाती है। इस दौरान मूड स्विंग होना भी बहुत ही सामान्य परेशानी है। टहलना एक तरह की एक्सरसाइज तो है ही साथ ही इससे तनाव भी कम होता है।

2. कब्ज की दिक्कत को दूर करना

प्रेग्नेंसी में दवाइयों की वजह से और दूसरे कारणों के चलते कब्ज की शिकायत हो जाती है। ऐसे में हर समय थकान बनी रहती है। रोजाना 15 से 20 मिनट की वॉक भी आपको इस समस्या से दूर रखेगी।

3. स्फूर्ति के लिए

रोजाना टहलने से शरीर तरोताजा बना रहता है। कुछ लोगों को लगता है कि गर्भवती महिला को सिर्फ आराम करना चाहिए लेकिन ऐसा करना न तो मां के लिए अच्छा है और न ही गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए।

4. ब्लड प्रेशर कम करने के लिए

सामान्य तौर पर प्रेग्नेंसी में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। ब्लड प्रेशर का बढ़ा हुआ होना मां और बच्चे दोनो के लिए खतरनाक होता है। रोजाना टहलने से ब्लड प्रेशर सामान्य बना रहता है।

5. अच्छी नींद

रोजाना कुछ देर टहलने से सोते समय नींद अच्छी आती है।

दिव्य औषधीय गुणों से भरपूर है करेला

लेटिन में मोर्डिका तथा अंग्रेजी में बिटर गॉर्ड के नाम से पुकारा जाने वाला करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होते हैं। यह अपने स्वाद के कारण काफी प्रसिद्ध है। इसका स्वाद बहुत कड़ुवा होता है इसलिए प्राय: कड़ुवे (बुरे) स्वभाव वाले व्यक्ति की तुलना करेले से कर दी जाती है।

एक अच्छी सब्जी होने के साथ-साथ करेले में दिव्य औषधीय गुण भी होते हैं। यह दो प्रकार का होता है बड़ा तथा छोटा करेला। बड़ा करेला गर्मियों के मौसम में पैदा होता है जबकि छोटा करेला बरसात के मौसम में। चूंकि इसका स्वाद बहुत कड़ुवा होता है इसलिए अधिकांश लोग इसकी सब्जी को पसंद नहीं करते। इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए इसे नमक लगाकर कुछ समय तक रखा जाता है।

करेले की तासीर ठंडी होती है। यह पचने में हल्का होता है। यह शरीर में वायु को बढ़ाकर पाचन क्रिया को प्रदीप्त कर, पेट साफ करता है। प्रति 100 ग्राम करेले में लगभग 92 ग्राम नमी होती है। साथ ही इसमें लगभग 4 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 1.5 ग्राम प्रोटीन, 20 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फास्फोरस, 1.8 मिलीग्राम आयरन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में वसा भी होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन सी भी होता है जिनकी मात्रा प्रति 100 ग्राम में क्रमश: 126 मिलीग्राम तथा 88 मिलीग्राम होती है।

नमी अधिक तथा वसा कम मात्रा में होने के कारण यह गर्मियों के लिए बहुत अच्छा है। इसके प्रयोग से त्वचा साफ होती है और किसी प्रकार के फोड़े-फुन्सी नहीं होते। यह भूख बढ़ाता है, मल को शरीर से बाहर निकालता है। मूत्र मार्ग को भी यह साफ रखता है। इसमें विटामिन ए अधिक होने के कारण यह आखों की रोशनी के लिए बहुत अच्छा होता है। रतौंधी होने पर इसके पत्तों के रस का लेप थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर लगाना चाहिए। इस रोग के कारण रोगी को रात में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। विटामिन सी की अधिकता के कारण यह शरीर में नमी बनाए रखता है और बुखार होने की स्थित मिं बहुत लाभकारी होता है। करेले की सब्जी खाने से कभी कब्ज नहीं होती यदि किसी व्यक्ति को पहले से कब्ज हो तो वह भी दूर ही जाती है। इससे एसीडिटी, छाती में जलन और खट्टी डकारों की शिकायत भी दूर हो जाती है।

बढ़े हुए यकृत, प्लीहा तथा मलेरिया बुखार में यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होता है। इसके लिए रोगी को करेले के पत्तों या कच्चे करेले को पीसकर पानी में मिलाकर पिलाया जाता है। यह इस दिन में कम से कम तीन बार पिलाना चाहिए। कच्चा करेला पीसकर पिलाने से पीलिया भी ठीक हो जाता है। रस निकालने से पहले पत्तों या करेले को ठीक से रगड़कर धोना जरूरी होता है क्योंकि आजकल फल सब्जियों को रोगों तथा कीड़ों से बचाने के लिए अनेक रसायन छिड़के जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं।

जोड़ों के दर्द तथा गठिया रोग में करेले की सब्जी बिना कडुवापन दूर किए दिन में तीनों समय अर्थात सुबह नाश्ते में और फिर दोपहर तथा रात्रि के भोजन में खाई जानी चाहिए। फोड़े-फुन्सी तथा रक्त विकार में करेले का रस लाभकारी होता है। इन पर करेले के पत्तों का लेप भी किया जा सकता है। करेले का रस निकालते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा पतला न हो और उसे साफ बर्तन में निकाला जाए। त्वचीय रोग, कुष्ठ रोग तथा बवासीर में करेले को मिक्सी में पीसकर प्रभावित स्थान पर हल्के-हल्के हाथों से लेप लगाना चाहिए। यह लेप नियमित रूप से रात को सोने से पहले लगाएं। जब तक इच्छित लाभ न हो लेप लगाना जारी रखना चाहिए। करेले के रस की एक चम्मच मात्रा में शक्कर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है। यह शरीर में उत्पन्न टॉकसिन्स तथा उपस्थित अनावश्यक वसा को दूर करता है अत: यह मोटापा दूर करने में भी विशेष रूप से सहायक होता है। जिस स्त्री को मासिक स्राव बहुत कठिन तथा दर्द भरा हो तो उसे भी करेले के रस का सेवन करना चाहिए। इसका सेवन गर्भवती स्त्रियों में दूध की मात्रा भी बढ़ाता है।

छोटे मकानों में लोग कर रहे हैं इन्वेस्ट, जानिए फायदे

कॉम्पैक्ट लिविंग यानी छोटे घरों में रहना आजकल लोगों को काफी ट्रेंड में रहा है। बीते कुछ सालों में लोग बड़े मकान के बजाय छोटे पर वेल-ऑर्गनाइज्ड मकानों में इन्वेस्ट करना पसंद कर रहे हैं। छोटे मकानों में रहने का फैसला करने से पहले हमें किन बातों का राना चाहिए ध्यान, आइए जानते हैं

तेजी से बढ़ते शहर, महंगी प्रॉपर्टी और कम होती जमीन के चलते जहां एक मिडल-क्लास इंसान के लिए बड़ा मकान बना पाना आज के वक्त में काफी मुश्किल हो गया है वहीं कई लोगों ने इसे पॉजिटिवली लेते हुए अब छोटे घर बनाने का ट्रेंड फॉलो कर लिया है और यह ट्रेंड काफी तेजी से ग्रो कर रहा है। जानते हैं इससे जुड़े कुछ जरूरी फैक्ट्स...

मेंटेनेंस होता है आसान

जो लोग जमीन सहित मकान खरीदते हैं वे किचन, बाथ स्पेस और लिविंग स्पेस ग्राउंड लोर पर रखते हैं जबकि बेडरूम ऊपर के लोर पर बनाते हैं। अगर लैट छोटा है तो सबकुछ आपस में कनेक्टेड रहता है।

छोटा घर खरीदने या बनाने का ट्रेंड इसलिए भी बढ़ रहा है क्योंकि इसके कई फायदे हैं। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आपको इसके मेंटेनेंस पर ज्यादा पैसा नहीं खर्च करना पड़ता।

आप अपने छोटे घर की डेकोरेशन, साफ-सफाई और रेनोवेशन ज्यादा आसानी से और कम खर्च में करा सकते हैं। आजकल लोगों में एन्वॉयरमेंट को लेकर अवेयरनेस भी काफी देखने को मिलती है। छोटे मकान काफी इको-फ्रेंडली होते हैं, ऐसे में लोग ऐसे घरों को चुनते हैं।

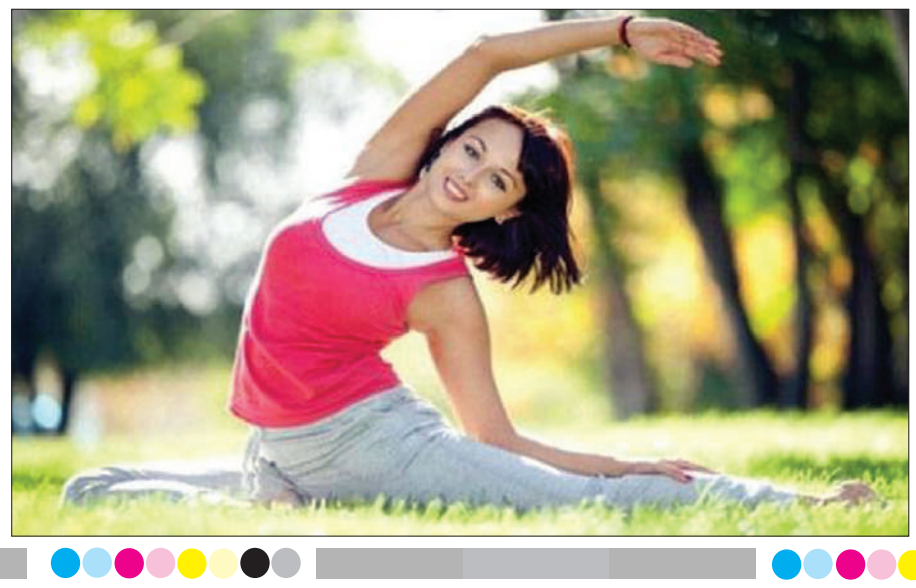


जरूरत के मुताबिक ही करें कोई फैसला

हालांकि, सिर्फ ट्रेंड को देखते हुए ही किसी को यह फैसला नहीं करना चाहिए कि उसे बड़े घर में रहना है या छोटे घर में। आप अपनी जरूरत को देखते हुए अगर यह फैसला लेते हैं तो फिर आपको आगे चलकर पछताना नहीं पड़ेगा।

अगर आप कोई छोटा मकान खरीदना या बनाना चाहते हैं तो पहले कुछ दिन उसी साइज के किसी मकान पर किराए पर रहकर यह समझ सकते हैं कि आप उस साइज के अपने मकान में आसानी से एडजस्ट हो पाएंगे या नहीं। हो सकता है कि आपको अपना कुछ सामान भी कम करना पड़ जाए क्योंकि छोटे मकानों में स्टोरेज कैपेसिटी कम होती है।

नई साल में व्यायाम से करे शुरुआत



मनुष्य जीवन के अंतिम पड़ाव तक सेहतमंद रहना चाहता है पर उसके लिए अपने खान-पान पर नियंत्रण रखना अति आवश्यक होता है। यदि हम स्वस्थ और चुस्त दुरूस्त रहना चाहते हैं तो हमें नये साल में स्वयं से कुछ वायदे करने होंगे और उनको सख्ती से निभाने का प्रयास करना होगा। यदि हम अपने वायदों पर अडिग बने रहेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। बस जरूरत है अपनी जीवन शैली और दिनचर्या को बदलने की। प्रतिदिन कुछ समय सैर और व्यायाम हेतु अवश्य निकालें। दिन में तीन मुख्य आहार का सेवन समय पर करें। इस बात का ध्यान रखें कि भोजन संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। भूख लगने पर ही भोजन का सेवन करें। शीतल पेय की जगह अधिक से अधिक नींबू पानी या ताजे फलों का रस पियें।

खाते समय अधिक बातें, टी.वी. देखना और किताबें नहीं पढनी चाहिए। खाने की मेज़ पर अचार, पापड़, मक्खन, सॉस व चीज़ न रखें। आवश्यकता होने पर थोड़ी मात्रा में निकाल कर रखें।अपने भोजन में नमक, चीनी और मसालों का सेवन कम से कम करें।ऊपरी मंजिल जाने हेतु लिफ्ट की बजाए सीढ़ियों का प्रयोग करें।भोजन धीरे धीरे चबा कर मज़ा लेते हुए खायें। जल्दी में भोजन न खायें।क्रेश डायटिंग के स्थान पर तले भोजन और फास्ट फूड को त्यागें। थोड़ी दूरी पर जाने हेतु रिक्शा पर निर्भर न रहें। पैदल उस स्थान पर जाने का प्रयास करें।शाम के हैवी स्नैक्स के स्थान पर, अंकुरित दालें, घर पर बनें फैटलेस नमकीन बना कर खायें और खिलाएं। सुबह चाय की जगह गुनगुने पानी में नींबू, शहद मिला कर पियें जो स्वादिष्ट भी होगा और स्वास्थ्य हेतु अच्छा भी। प्रतिदिन भोजन में हरी सब्जियां दालें और ताजे फलों को महत्त्वपूर्ण स्थान दें।

संपादकीय

ईरान युद्ध का तीसरा चरण

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंरप और ईरान के नेता-कमांडर मानें अथवा न मानें, घोषित करें या ऐसे ही हमले विनाश करते रहें, लेकिन हकीकत यह है कि ईरान युद्ध का तीसरा चरण शुरू हो चुका है। अमरीकी सेना बीते 3-4 दिन से होर्मुज, केश्म द्वीप, सिरिक, बंदर लेंघे पोर्ट आदि जगहों पर हवाई हमले कर रही है। युद्ध के दौरान ही अमरीका ने 'मिनटमैन-3' मिसाइल का परीक्षण किया है, जो 7000 किलोमीटर की दूरी तक हमला कर सकेगी। बी-94 परमाणुमय बम का उल्लेख भी सीनेट समिति में किया गया है। क्या अमरीका परमाणु सम्मत हथियार से ईरान पर हमला कर सकता है? यह सवाल फिलहाल संभावनाओं में है। बहरहाल ईरान के करीब समंदर में अमरीका के विशालकाय विमानवाहक पोत तैनात हैं। उन पर लड़ाकू विमान, मिसाइलें और हजारों मरीन कमांडो टाइप सैनिक मौजूद हैं। अमरीका ईरान के दक्षिणी तटीय इलाकों में हवाई हमले कर रहा है, नतीजतन आईआरजीसी के मिसाइल बेस, मिसाइल लॉन्चर्स, संचार-रडार प्रणाली तबाह हुए हैं। आईआरजीसी के हथियार-भंडार को दहलाया गया है, जिसमें 6 सैनिक भी हताहत हुए हैं।

> अमरीकी सेना बीते 3-4 दिन से होर्मुज, केश्म द्वीप, सिरिक, बंदर लेंघे पोर्ट आदि जगहों पर हवाई हमले कर रही है। युद्ध के दौरान ही अमरीका ने 'मिनटमैन-3' मिसाइल का परीक्षण किया है, जो 7000 किलोमीटर की दूरी तक हमला कर सकेगी। बी-94 परमाणुमय बम का उल्लेख भी सीनेट समिति में किया गया है। क्या अमरीका परमाणु सम्मत हथियार से ईरान पर हमला कर सकता है? यह सवाल फिलहाल संभावनाओं में है। बहरहाल ईरान के करीब समंदर में अमरीका के विशालकाय विमानवाहक पोत तैनात हैं। उन पर लड़ाकू विमान, मिसाइलें और हजारों मरीन कमांडो टाइप सैनिक मौजूद हैं। अमरीका ईरान के दक्षिणी तटीय इलाकों में हवाई हमले कर रहा है, नतीजतन आईआरजीसी के मिसाइल बेस, मिसाइल लॉन्चर्स, संचार-रडार प्रणाली तबाह हुए हैं। आईआरजीसी के हथियार-भंडार को दहलाया गया है, जिसमें 6 सैनिक भी हताहत हुए हैं। बीते दो दिनों में ईरान ने अमरीका के पैट्रियॉट सिस्टम और चार एमक्यू ड्रोन मार गिराए हैं। ईरान ने ऐसा पलटवार किया है कि अमरीका के कई मंत्रियों और अधिकारियों को सेना के सुरक्षित बंकरों में भेजना पड़ा है। अधिकतर यूरोपीय देशों-जर्मनी, स्पेन, इटली, फ्रांस, ब्रिटेन, पुर्तगाल, यूनान आदि-को आतंकी हमले का अलर्ट जारी करना पड़ा है। ईरान बार-बार कह रहा है कि इस बार हमले पश्चिम एशिया के बाहर भी किए जाएंगे। यूरोपीय देश ईरानी मिसाइलों के निशाने पर हैं। साइबर हमलों के भी अलर्ट जारी किए गए हैं। यूरोप की सबसे बड़ी गैस सप्लाई कंपनी 'इक्विनोर' पर साइबर हमला कर उसके आईटी सिस्टम को हैक कर लिया गया है। फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है कि यह साइबर हमला ईरान ने किया है अथवा किसी अन्य ताकत ने किया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि 50 से अधिक 'ईरानी एजेंट' यूरोप में सक्रिय हैं। उन्हें ही 'स्लीपर सेल' कहा जाता है। वे साइबर, हाईब्रिड हमले करने में प्रशिक्षित और सक्षम हैं। धमकियां दी जा रही हैं कि राजनीतिक चेहरों, रणनीतिक ठिकानों और ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया जा सकता है। कथित डर्टी बम, रासायनिक बम के इस्तेमाल की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। फिलहाल ईरान ने बहरीन, कुवैत, कतर में स्थित अमरीकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं पर हमले किए हैं। बहरीन पर 6 दिन में 4 विध्वंसक मिसाइल हमले किए गए हैं। ईरान की सुरक्षा परिषद के सदस्य थानी ने अमरीका पर परमाणु हमले की भी चेतावनी दी है। क्या ईरान ने परमाणु बम बना लिया है? गौरतलब यह है कि ईरान का भूमिगत 'मिसाइल शहर' अब भी जिंदा और सक्रिय है। ईरान 2500 मिसाइलों की ताकत के साथ युद्ध के तीसरे चरण में उतरा है। उधर इजरायल में दो 'आयरन डोम' तैनात किए गए हैं। अचानक सेना की हलचलें बढ़ गई हैं। अजीब विडंबना और विरोधाभास है कि चीन के शेनझेन शहर में पहली बार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंरप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच 'महामुलाकात' हुई है। युद्ध भी एजेंडे पर हैं। एक तरफ संवाद है और दूसरी तरफ विध्वंसक युद्ध (ईरान और यूक्रेन) जारी हैं। तात्कालिक युद्धविराम भी नहीं हो सके। आखिर युद्धों की नियति क्या होगी? ईरान युद्ध ने तेल-गैस के वैश्विक संकट बो दिए हैं। कभी अपनी सम्पन्नता पर इतराने वाला यूरोप आज इन संकटों के कारण हाहाकार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने मार्च, 2026 में 40 करोड़ बैरल तेल जारी किया था। इसके अलावा, अक्तूबर 2026 में 10 करोड़ बैरल तेल और डीजल 'आपातकालीन' जारी करने का फैसला सामने आया था। अमरीका जैसे देश में 1982 के बाद रणनीतिक तेल भंडार सबसे निचले स्तर पर आ गया है। सिर्फ ईरान की 25 फीसदी अर्थव्यवस्था ही नहीं घटी, बल्कि अमरीका का सैन्य खर्च 47.1 अरब डॉलर (करीब 4.4 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच चुका है। कुछ ऐसे आकलन भी सामने आए हैं कि अमरीका के कई विमान और ड्रोन नष्ट किए जा चुके हैं। क्या ट्रंरप सोचेंगे कि युद्ध क्यों जारी है।

> अपराध की गंभीरता को कम करना न्याय नहीं है, लेकिन अपराधी को हमेशा अपराध की पहचान से बांध देना भी न्याय की पूर्ण अवधारणा नहीं हो सकती। सजा आवश्यक है, किंतु सजा का अंतिम उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, सुधार, नवनिर्माण और समाज की सुरक्षा होना चाहिए। इसी मानवीय दृष्टि से अब समय आ गया है कि भारत की जेल व्यवस्था को एक नई सोच, नई भाषा और नई कार्यप्रणाली दी जाए। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य की सभी जेलों में 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेलों की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों की निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मबोध और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था।

व्यवस्था तब बदलती है जब उसके पीछे की सोच बदलती है

जेलें मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केन्द्र बने

किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपराधियों को कितनी कठोर सजा देता है, बल्कि इससे होती है कि वह अपराध करने वाले मनुष्य को सुधारने के कितने अवसर देता है। अपराध की गंभीरता को कम करना न्याय नहीं है, लेकिन अपराधी को हमेशा अपराध की पहचान से बांध देना भी न्याय की पूर्ण अवधारणा नहीं हो सकती। सजा आवश्यक है, किंतु सजा का अंतिम उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, सुधार, नवनिर्माण और समाज की सुरक्षा होना चाहिए। इसी मानवीय दृष्टि से अब समय आ गया है कि भारत की जेल व्यवस्था को एक नई सोच, नई भाषा और नई कार्यप्रणाली दी जाए। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य की सभी जेलों में 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेलों की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों की निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मबोध और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था है। जेलों की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों की निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मबोध और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था। जेल शब्द ही हमारी मानसिकता का दर्पण है। 'जेल' सुनते ही हमारे मन में बंद दीवारें, सलाखें, अपराध, सजा और भय की तस्वीर उभरती है। क्या हम इस संस्थान को ऐसी भाषा दे सकते हैं, जो सुधार की संभावना को सामने रखे? 'सुधारगृह', 'पुनर्वास केंद्र', 'मानव पुनर्निर्माण केंद्र', 'नवजीवन केंद्र' अथवा 'मानव सुधार एवं पुनर्वास गृह' जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। नाम बदलना मात्र प्रतीकात्मक कार्य नहीं होगा, यदि उसके साथ कार्यसंस्कृति भी बदले। दीवारों पर लिखे शब्द बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। व्यवस्था तब बदलती है जब उसके पीछे की सोच बदलती है। भारत की जेल व्यवस्था आज अनेक चुनौतियों से घिरी है। क्षमता से अधिक बंदी,



बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी, कर्मचारियों की कमी, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, अपर्याप्त पुनर्वास व्यवस्था तथा कभी-कभी भेदभाव और दुर्व्यवहार की शिकायतें यह बताती हैं कि केवल कारागार भवनों का विस्तार पर्याप्त नहीं है। हमें 'अपराध प्रबंधन' से आगे बढ़कर 'मानव पुनर्निर्माण' की व्यवस्था विकसित करनी होगी। जेल में बंद व्यक्ति अपराध कर सकता है, लेकिन वह केवल अपराध नहीं है। उसके भीतर एक मनुष्य भी है-जिसमें विचार बदलने, पश्चात्ताप करने, सीखने और नया जीवन शुरू करने की क्षमता हो सकती है। न्याय व्यवस्था उसके अपराध का निर्धारण करती है, लेकिन सुधार व्यवस्था उसके भविष्य की संभावना तलाश सकती है। इसलिए जेल प्रशासन को सुरक्षा और अनुशासन के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी सक्रिय होना चाहिए। यहीं से 'सुधारगृह' की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रत्येक जेल में अच्छी पुस्तकालय व्यवस्था हो, नियमित खेलकूद हों, योग और ध्यान की गतिविधियां हों, प्रेरक व्याख्यान हों, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण हो, संगीत, कला, लेखन और हस्तशिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियां हों। कैदियों के लिए व्यक्तित्व विकास, क्रोध-प्रबंधन, नशामुक्ति, पारिवारिक संबंध, नैतिक शिक्षा और जीवन-कौशल की कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्हें केवल यह न बताया जाए कि उन्होंने क्या गलत किया, बल्कि यह भी सिखाया जाए कि अब उन्हें सही दिशा में कैसे आगे बढ़ना है। इस संदर्भ में भारत के अणुव्रत आंदोलन का अनुभव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आचार्य तुलसी के नेतृत्व में अणुव्रत आंदोलन ने प्रारंभ से ही व्यक्ति के भीतर नैतिक चेतना जगाने को परिवर्तन का आधार माना। जेलों में भी अणुव्रत के माध्यम से नैतिक जागरण, आत्मचिंतन, ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जुड़े कार्यक्रम चलाए गए। इसका मूल संदेश था कि मनुष्य को केवल उसके अतीत से नहीं, उसके परिवर्तन की संभावना से भी देखा जाना चाहिए। यह अनुभव आज की जेल सुधार नीति के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा बन सकता है। अपराध से लड़ने का एक रास्ता कठोरता है, लेकिन उससे अधिक स्थायी रास्ता चेतना का परिवर्तन है। जिस व्यक्ति को पुस्तक पढ़ने, किसी विद्वान को सुनने, ध्यान करने, योग सीखने, कोई हुनर विकसित करने और अपने जीवन पर विचार करने का अवसर मिलता है, उसके भीतर परिवर्तन के द्वार खुल सकते हैं। जेल में बंद व्यक्ति को समाज से काटकर रखना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उसे मानवीय समाज से पूरी तरह विमुख कर देना आवश्यक नहीं है। 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' की नई व्यवस्था को भी इसी व्यापक दृष्टि से जोड़ा जाना चाहिए। बोर्ड केवल निरीक्षण करने वाला निकाय न हो, बल्कि जेल सुधार का संवेदनशील प्रहरी बने। वह बंदियों से सीधे संवाद करे, उनकी शिकायतें सुने, स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति देखे, कानूनी सहायता की उपलब्धता जांचे और पुनर्वास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करे। उसकी रिपोर्टों के आधार पर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किए जाएं। यदि संभव हो तो नागरिक समाज, शिक्षा, मनोविज्ञान, चिकित्सा, विधि, खेल, योग, आध्यात्म और सामाजिक सेवा से जुड़े विशेषज्ञों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए। साथ ही, विचाराधीन बंदियों की समस्या को अलग प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जिसका अपराध अभी सिद्ध ही नहीं हुआ, उसके लंबे कारावास को न्याय के व्यापक उद्देश्य के संदर्भ में देखना होगा। त्वरित न्याय, प्रभावी कानूनी सहायता, जमानत व्यवस्था और वैकल्पिक उपायों को मजबूत किए बिना जेलों की भीड़ कम करना कठिन होगा। सरकार को अब राष्ट्रीय 'जेल सुधारगृह कार्ययोजना' जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक जेल के लिए सुधार का वार्षिक लक्ष्य तय हो। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, योग, ध्यान, खेल, पुस्तकालय, परिवार से संवाद और रिहाई के बाद पुनर्वास-इन सभी को एकीकृत योजना का हिस्सा बनाया जाए। जेल से बाहर आने वाले व्यक्ति को रोजगार, कौशल और सामाजिक पुनर्स्थापन से जोड़ने की व्यवस्था भी हो, ताकि वह पुनः अपराध की दुनिया में न लौटे। हरियाणा की पहल इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह जेल को केवल प्रशासनिक नियंत्रण के स्थान के रूप में देखने के बजाय उसके भीतर मानवीय जवाबदेही को मजबूत करने का अवसर देती है। अब जरूरत इस बात की है कि 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' को एक जीवंत सुधार-तंत्र बनाया जाए और इसके साथ जेलों के नाम, स्वरूप और कार्यदर्शन-तीनों में परिवर्तन की शुरुआत हो। जेल की ऊंची दीवारें मनुष्य को समाज से दूर कर सकती हैं, लेकिन विचारों के द्वार बंद नहीं कर सकतीं।

देश दुनिया से

नशे के ज़हर से देश को मुक्त करने का वक्त

भारत में नशे के फैलते जाल को समयबद्ध और प्रतिबद्ध ढंग से समाप्त करने की तैयारी हो गई है। इसके वर्तमान स्वरूप को समझकर इसकी सप्लाई लाइन को ढूंढ़कर, नशे के व्यापारियों और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों पर शिकंजे कसकर और गुप्तचर नेटवर्क को बढ़ाकर सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। अब इसमें समय-सीमा तय कर दी गई है। हाल ही में गृहमंत्री ने अपने बयान में कहा कि ड्रग के कारोबार और इस्तेमाल को दिसंबर, 2031 तक पूरी तरह से नियंत्रित कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार के साथ विभिन्न राज्यों की एजेंसियों ने भी कड़े कदम उठाए हैं। अब इस पर संगठित तथा प्रभावी तरीके से और जोर दिया जा रहा है, ताकि ड्रग सिंडिकेटों और नशे का सामान बेचने वाले नेटवर्क को पूरी तरह से नष्ट किया जा सके। नशीले पदार्थों और ड्रग माफिया तथा उनके सप्लायरों के विरुद्ध इसी नवंबर महीने के शुरू में एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए एक बहुत बड़े अंतर्राष्ट्रीय माफिया सलीम इस्माइल डोला को भारत लाने तथा गिरफ्तार करने में सफलता पाई। उसने 438 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ मेफेड्रोन की स्मगलिंग की थी। वहीं, एजेंसियों ने देश की राजधानी दिल्ली में नशीली दवा बनाने की एक फैक्टरी पकड़ी और वहां से 148 किलो अल्प्राजोलम बरामद किया। साथ ही 1,046 किलो कच्चा माल भी बरामद किया। इस कार्रवाई में एजेंसियों तथा असम राइफल्स ने भी इस दौरान बड़ा काम किया। कछार सीमा पर उन्होंने एक ट्रक पकड़ा, जिसमें 20 किलो मेथा बरामद किया गया। यह एक



शक्तिशाली नशीला पदार्थ है, जिसकी अमेरिका और यूरोप में बड़ी मांग है। भारत में आकर नशीले पदार्थों का धंधा करने वाले विदेशी नागरिकों को भी बख्शा नहीं जा रहा है। 17 नवंबर को एजेंसियों ने दीव में तीन विदेशियों को पकड़ा और लगभग 11 करोड़ रुपये का कोकीन तथा मेफेड्रोन जब्त किया। इसी साल अक्तूबर में एनसीबी की टीमों ने असम, मिजोरम और मणिपुर के 38 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की। इस ऑपरेशन का नाम ट्राइडेंट यानी त्रिशूल रखा गया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट में एनसीबी को बहुत बड़ी सफलता मिली और उसने हवाला कारोबार के जरिये भेजे जा रहे 100 करोड़ रुपये का पता लगाया तथा 1,424 बैंक खातों को बंद कर दिया और करीब 18 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर दी। इन अपराधियों के संबंध म्यांमार, भारत और बांग्लादेश में थे और ये बड़े पैमाने पर ड्रग तस्करी करने की तैयारी में थे। विदेशों में बैठे तस्करों के खिलाफ मुहिम ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत चलाई जा रही है, जिसमें सफलता मिल रही है। इंटरपोल से संपर्क बनाए रखने के लिए भारतपोल नाम का संगठन तैयार किया गया है, ताकि तस्करों के खिलाफ द्रुत गति से कार्रवाई की जा सके। इससे विदेशों में बैठे अपराधियों के बारे में काफी सूचनाएं मिल रही हैं। नशामुक्त भारत अभियान के तहत भारतीय एजेंसियों ने तुर्की से अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी नवप्रीत सिंह को भारत लाने में सफलता पाई। यह नशा तस्कर अफगानिस्तान से भारत में मेथा और हेरोइन जैसे ड्रग की तस्करी करवाता था। इसी तरह मुंद्रा पोर्ट पर 182 करोड़ रुपये के ड्रग बरामद करके ड्रग नेटवर्क को भारी चोट पहुंचाई गई थी। दरअसल, ड्रग के पैसे से ही आतंकियों को हथियार खरीदने के लिए पैसे मिलते हैं। गृह मंत्रालय इस तरह के गठजोड़ पर पूरी तरह नजर रखे हुए है। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई इस तरह के नापाक काम को अंजाम देने के लिए काम करती रहती है। उसका गठजोड़ उन तस्करों से है, जो ड्रग बेचकर भारत में टेरर फंडिंग करते हैं। इस समय पंजाब से नशे से संबंधित कई दुखद घटनाओं और अपराधों की खबरें आ रही हैं। नशे के कारोबार का विरोध करने पर वहां लोगों को गोली मारी जा रही है। पिछले दिनों इसी बात पर तीन लोगों की हत्याएं कर दी गईं। गृहमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार नशामुक्त पंजाब और नशामुक्त भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। पंजाब को नशामुक्त करने के लिए गृह मंत्रालय ने छह जिलों—अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन, लुधियाना, फिरोजपुर और फाजिल्का—को अतिसंवेदनशील ड्रग जोन में डाल दिया है। इनमें से पांच जिले पाकिस्तान की सीमा से लगते हैं, जहां से ड्रग आता है। पाकिस्तानी तस्कर इन दिनों इंसानों की बजाय ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। बीएसएफ सहित केंद्र सरकार इन्हें पकड़ने के लिए काफी सक्रिय है। एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी का यहां इस्तेमाल किया जा रहा है। अगले साल तक वहां आधुनिक निगरानी व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी। इन दिनों तस्कर संचार के आधुनिक साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे डार्कनेट से लेकर कूट भाषा तक का इस्तेमाल कर रहे हैं और इनसे निपटने के लिए केंद्रीय एजेंसियां दिन-रात काम कर रही हैं। इसके अलावा, पंजाब में सरकार ने नशामुक्ति केंद्रों की संख्या 334 से बढ़ाकर 1,751 करने का लक्ष्य रखा है, ताकि वे नौजवान, जो नशे के आदी होकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं, इससे दूर हो जाएं। उल्लेखनीय है कि गृहमंत्री ने नशे से मुक्ति के लिए तीन साल (2026-2029) का विजन डॉक्यूमेंट भी पेश किया है। ड्रग का मुद्दा सिर्फ कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि जनस्वास्थ्य का मुद्दा भी है। यह राष्ट्र की सुरक्षा से भी सीधे जुड़ा हुआ है।

आप का नज़रिया

मौत के किरदार में परिवहन

एक गहरे सदमे में छह बच्चों की मौत का खुलासा, हिमाचल की व्यवस्था को रौंद गया। चार नाबालिगों समेत में छह युवा अपनी राहों में जन्नत खोजने निकले, लेकिन जिंदगी मनोरंजन से दूर मातम के दरबार में उतर गई। मंडी के लडभड़ोल का यह हादसा पूरे प्रदेश के आस्तीन में सांप देख रहा है। कैसे हमने परिवहन को मौत का किरदार बना दिया। कमोबेश हर दिन और रात के सफर में सडक़ दुर्घटनाओं की चीखों में हजारों कारण सिसकते हैं, लेकिन परिवहन को अनुशासित करने के लिए कहीं कोई व्यवस्था परिवर्तन नहीं। एक मिनट के लिए हम भूल जाएं कि वाहन तीव्र गति के उन्माद में मंजिलों पर जख्म देखते हैं या ड्राइविंग का शिष्टाचार हम सीख ही नहीं पाए, फिर भी कुछ इंतजाम ऐसे भी हो सकते हैं जो सब पर नजर रखें। मरने वाले बच्चों में सबसे बड़ा अगर उन्नीस साल का रहा, तो वाहन चालन की वांछित परिपक्वता पर सवाल उठते हैं। प्रश्नों की अर्थियों में जब ये बच्चे ढोए जाएंगे, तो अभिभावकों को भी अफसोस होगा कि मौत के पथ पर क्यों कम उम्र के बच्चों को स्टेयरिंग थमा दिया गया। रात के सन्नाटे में बच्चों के गुम होने की वजह कहीं तो इनके ही परिवार से पूछी जाएगी। अफसोस यह कि दुर्घटना के घंटों बाद यातायात या क्राइम रिपोर्टिंग का तंत्र जागता है। दुर्घटना स्थल तक बचाव के रास्ते इतने कठोर और कायर कैसे हो सकते हैं कि मौत से पहले सारी चीखें गुमनाम हो गईं। हम वर्षों से मांग कर रहे हैं कि हिमाचल की सडक़ों पर डे एंड नाइट पैट्रोलिंग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। बेशक हर जिला में यांत्रिक दृष्टि से सुसज्जित पुलिस के वाहन दौड़ रहे हैं, लेकिन दुर्घटना के मौके पर इत्तिला क्यों सुन्न हो जाती है। आश्चर्य यह कि भीड़ से गुजरते काफिले आम जनता को अकेला कर जाते हैं, लेकिन जनता के करीब व्यवस्था के खंडहर रह जाते हैं। न पीडब्ल्यूडी को खबर होती है कि सडक़ पर मौत के गड्ढे और मोड़ कहां-कहां हैं और न ही किसी एजेंसी को मालूम होता है कि दौड़ते वाहनों में कितने प्राण बचे हैं। कोविड के बाद हिमाचल में अनावश्यक वाहनों की भीड़ बढ़ी है। सडक़ों पर अन्य राज्यों से खारिज हुए पुराने वाहनों की तादाद में मौत के ताबूत दौड़ रहे हैं, लेकिन परिवहन विभाग का निरीक्षण कहीं आफिस में सोया रहता है। दरअसल परिवहन प्रबंधन को बेहतर अधोसंरचना, यातायात संचालन और परिवहन दबाव में समझना होगा। सडक़ों के किनारे बसों के ठहराव तथा पार्किंग के कारण, ड्राइविंग खुद एक द्वंद्व बन रहा है। ट्रैफिक नियंत्रण की सारी परिपाटी वीआईपी होने के कारण बाकी दिन इम्तिहान में गुजर जाते हैं। कम से कम शहरों में तो शिमला की तरह ट्रैफिक पुलिस की जगह-जगह नफरी चाहिए। इसी तरह ग्रामीण से शहर तक के चौक-चौराहों को यातायात के अनुरूप बनाना होगा। खास तौर पर फोरलेन मार्गों पर चढ़ते व उतरते यातायात को व्यवस्थित करने के लिए पुराने व नए चौराहों को मजबूत करना होगा। शहरी यातायात व्यवस्था को अलग पैमाने पर सुदृढ़ करना होगा। अब जरूरत यह भी है कि व्यक्तिगत सहूलियत में सार्वजनिक परिवहन को ज्यादा फायदेमंद बनाया जाए। खास तौर पर भीड़भाड़ वाले स्थलों, बाजारों तथा शहर के गंतव्यों को सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न विकल्पों से जोड़ा जाए। जीवन की गहमागहमी तथा बढ़ती सामाजिक गतिविधियों के अनुरूप ट्रैफिक प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है। पर्यटन गंतव्यों तक पहुंचने की मारामारी का हश्र प्रायः दुर्घटनाओं में हो रहा है, तो प्रमुख पर्यटक स्थलों से दस-पंद्रह किलोमीटर पहले ही वाहनों के संचालन पर विराम लगा कर आगे का सफर रज्जु मार्गों या ऐसे अन्य विकल्पों के माध्यम से करवाना ही पड़ेगा। बहरहाल लडभड़ोल की सडक़ दुर्घटना ने एक बार फिर सारे कारणों को लहूलुहान किया है। मानवीय संवेदना के अक्स में यह किसी मानवीय त्रासदी से कम नहीं।

> चार नाबालिगों समेत में छह युवा अपनी राहों में जन्नत खोजने निकले, लेकिन जिंदगी मनोरंजन से दूर मातम के दरबार में उतर गई। मंडी के लडभड़ोल का यह हादसा पूरे प्रदेश के आस्तीन में सांप देख रहा है। कैसे हमने परिवहन को मौत का किरदार बना दिया। कमोबेश हर दिन और रात के सफर में सडक़ दुर्घटनाओं की चीखों में हजारों कारण सिसकते हैं, लेकिन परिवहन को अनुशासित करने के लिए कहीं कोई व्यवस्था परिवर्तन नहीं। एक मिनट के लिए हम भूल जाएं कि वाहन तीव्र गति के उन्माद में मंजिलों पर जख्म देखते हैं या ड्राइविंग का शिष्टाचार हम सीख ही नहीं पाए, फिर भी कुछ इंतजाम ऐसे भी हो सकते हैं जो सब पर नजर रखें। मरने वाले बच्चों में सबसे बड़ा अगर उन्नीस साल का रहा, तो वाहन चालन की वांछित परिपक्वता पर सवाल उठते हैं। प्रश्नों की अर्थियों में जब ये बच्चे ढोए जाएंगे, तो अभिभावकों को भी अफसोस होगा कि मौत के पथ पर क्यों कम उम्र के बच्चों को स्टेयरिंग थमा दिया गया। रात के सन्नाटे में बच्चों के गुम होने की वजह कहीं तो इनके ही परिवार से पूछी जाएगी। अफसोस यह कि दुर्घटना के घंटों बाद यातायात या क्राइम रिपोर्टिंग का तंत्र जागता है। दुर्घटना स्थल तक बचाव के रास्ते इतने कठोर और कायर कैसे हो सकते हैं कि मौत से पहले सारी चीखें गुमनाम हो गईं। हम वर्षों से मांग कर रहे हैं कि हिमाचल की सडक़ों पर डे एंड नाइट पैट्रोलिंग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। बेशक हर जिला में यांत्रिक दृष्टि से सुसज्जित पुलिस के वाहन दौड़ रहे हैं, लेकिन दुर्घटना के मौके पर इत्तिला क्यों सुन्न हो जाती है।

कुछ अलग

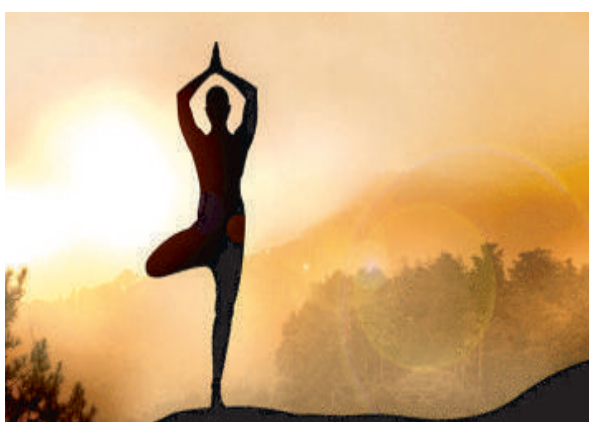
किस्सा रिश्वतखोर अफसर का...

मुझे यह तो पला चल गया था कि यह अफसर रिश्वत धड़ल्ले से खाता है, परंतु साथ ही यह भी पला चला था कि वह रिश्वत कार में खाता है। दफ्तर अथवा घर में वह रिश्वत के हाथ भी नहीं लगाता। मेरे सामने कठिनाई यह थी कि अफसर को कार में कैसे बिठाऊं? पर भगवान बड़ा दयालु है। यह समस्या अपने आप हल हो गई। कार खुद अफसर के पास थी। उसके एक मातहत कर्मचारी ने साहब के लंच पर जाने के बहाने मुझे उसकी कार में पीछे बैठा दिया। कार चल दी, काफी देर तक चलने के बाद सिगार का धुआं छोड़ते हुए अफसर बोला- 'चुपचाप माल सीटों के नीचे घुसेड़ दो।' अंधे को क्या चाहिए दो नैन, वह मिल गए। मैंने ब्रीफकेस खोलकर सौ के नोटों की दस गड्डियां ठिकाने लगा दी। कार किसी भी जगह लंच लेने नहीं रुकी। वापस हो गई। मुझे एक जगह उतार दिया और पता नहीं अफसर कहां चला गया। इस घटना के एक माह बाद मैं हैरान रह गया।

दृष्टि कोण

योग से स्वास्थ्य ही नहीं, चिकित्सा भी है

मन को शांत रखते हुए, हृदय की रक्त संचार व फेफड़ों की श्वास प्रणाली को साधते हुए, ऊर्जा तन्त्र का प्रयोग करते हुए हड्डियों व मांसपेशियों को मजबूत बनाने की क्रियाएं हजारों साल पहले हमारे पूर्वजों ने विकसित कर ली थी। जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ती थी, जिसे हम योग के नाम से जानते हैं। इस ज्ञान को सबसे पहले महादेव ने माता पार्वती को सुनाया। फिर गुरु-शिष्य परंपरा से विभिन्न ऋषि मुनियों ने इसे जन साधारण तक पहुंचाया। योग के द्वारा शरीर से लेकर मन तक की बीमारियों का सफल इलाज संभव है। हम प्राचीन मर्म चिकित्सा के बारे में जब पढ़ते हैं तो वहां भी शरीर के मर्म बिंदुओं पर विभिन्न योगासनों के माध्यम से ही दबाव देकर असाध्य रोगों को ठीक किया जाता है। अढ़ाई दशक पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृतियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ लाभ नहीं मिल सकता है। यम और



नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इ

नेपाल 26 रन पर ढेर, भारत की 306 रन से ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली । राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2026 के अपने शुरुआती मुकाबले में इंडिया-ए ने नेपाल को 306 रनों के विशाल अंतर से करारी शिकस्त देकर टूर्नामेंट में धमाकेदार आगाज किया। इस एकतरफा और ऐतिहासिक जीत के साथ भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। मुकाबले में नेपाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जो अंततः उसकी टीम पर भारी पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया-ए ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 332 रन बनाए। जवाब में भारतीय गेंदबाजों ने नेपाली टीम को महज 26 रनों पर समेट दिया।

नेपाल का टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला शुरुआती ओवरों में सही साबित होता दिखाई दिया। भारत ने महज 42 रनों के स्कोर पर अपने तीन प्रमुख विकेट गंवा दिए। वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और आयुष बडोनी सस्ते में पवेलियन लौट गए, जिससे भारतीय टीम दबाव में आ गई। इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र ने मोर्चा संभालते हुए चौथे विकेट के लिए 206 रनों की शानदार साझेदारी की और मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। कुशाग्र ने 102 गेंदों पर 117 रनों की बेहतरीन पारी



खेली, जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 113 गेंदों का सामना करते हुए 107 रन बनाए।पारी के अंतिम ओवरों में युवा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे ने महज 14 गेंदों पर 36 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को शानदार फिनिशिंग टच दिया। उनकी इस आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत इंडिया-ए 50 ओवरों में 9 विकेट पर 332 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करने में सफल रही। 333 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की शुरुआत किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने नेपाली बल्लेबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। नेपाल ने महज एक रन के स्कोर पर अपने शुरुआती चार विकेट गंवा दिए। इस शुरुआती झटके से नेपाली टीम अंत तक उबर नहीं सकी और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। परिणामस्वरूप पूरी टीम महज 26 रनों पर ऑलआउट हो गई।

मुकाबले की दूसरी पारी में भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और प्रिंस यादव का पूरी तरह दबदबा देखने को मिला। दोनों गेंदबाज मैदान पर ऐसे आक्रामक अंदाज में उतरे, मानो जल्द से जल्द मुकाबला समाप्त कर होटल लौटने की जल्दी में हों।

हर्षित और प्रिंस की धारदार गेंदबाजी के सामने नेपाली बल्लेबाजों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। एक छोर से हर्षित राणा और दूसरे छोर से प्रिंस यादव ने विकेटों की झड़ी लगा दी। दोनों तेज गेंदबाजों के बीच अधिक से अधिक विकेट हासिल करने की होड़ दिखाई दी। उनकी शानदार गेंदबाजी ने नेपाल के पूरे बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया और इंडिया-ए को 306 रनों की यादगार जीत दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

सीएसके में कोई धोनी के स्तर तक नहीं पहुंच पायेगा : इरफान पठान



चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को अब महेन्द्र सिंह धोनी जैसा कोई क्रिकेटर नहीं मिलेगा। इरफान के अनुसार कोई भी क्रिकेटर उस स्तर को हासिल नहीं कर पायेगा जो धोनी ने किया है। पठान ने धोनी की इसी विरासत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने जो कुछ किया, जिस तरह का प्रदर्शन किया और मैच को जिस प्रकार से आखिरी तक ले जाकर उसे समाप्त किया वह मुझे नहीं लगता कि सीएसके में कभी कोई कर पाएगा। पठान ने यह भी जोड़ा कि धोनी की मेंटरशिप टीम के लिए अहम होगी पर एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी विरासत को पीछे छोड़ना बहुत कठिन होगा। गौरतलब है कि धोनी ने चेन्नई के लिए 272 मैच खेले, जो फ्रेंचाइजी के इतिहास में सबसे अधिक हैं। उन्होंने 5,314 रन बनाए और अपनी कप्तानी में सीएसके को पांच आईपीएल खिताब दिलाए। करीबी मैचों को आखिरी ओवर तक ले जाकर खत्म करने की उनकी खूबी उनकी पहचान बनी है। पठान ने धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम में बिताए समय को याद करते हुए बताया कि वह कप्तान रहते हुए भी हमेशा युवा खिलाड़ियों को मेंटर करते थे।

पीसीबी ने पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डिट्ज को बनाया महिला टीम का नया कोच



लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी महिला टीम के लगातार खराब प्रदर्शन को देखते हुए उसके लिए एक नया कोच नियुक्त किया है। पीसीबी ने आस्ट्रेलिया के अनुभवी पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को टीम का का नया मुख्य कोच बनाया है। यह नियुक्ति टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उसे मजबूत बनाने का प्रयास माना जा रहा है। डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी द्विपक्षीय सीरीज से अपना कार्यभार संभालेंगे। डिट्ज की राह आसान नहीं है। उन पर शुरुआत से ही टीम को जीत की पटरी पर लाने का दबाव रहेगा। इसी बीच अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए डिट्ज ने कहा कि वह पाकिस्तान महिला टीम का कोच बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। डिट्ज ने पीसीबी द्वारा जारी बयान में भविष्य की योजनाओं और टीम के लक्ष्यों पर भी प्रकाश डाला, जो उनके दूरदर्शी रुख को दिखाता है। उन्होंने स्पष्ट किया, 2028 में हम टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे। हमारा लक्ष्य समर्थकों को घरेलू मैदान पर उत्साहित होने का अवसर देना है। विश्व कप में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए हमें बहुत सुधार करना है और हम सभी को खिलाड़ियों और स्टाफ के तौर पर विश्व स्तरीय प्रदर्शन देने के लिए विकसित होना होगा। डिट्ज ने पाकिस्तान के प्रति अपने गहरे लगाव को भी व्यक्त किया, मैं पहले तीन बार पाकिस्तान का दौरा कर चुका हूं।

हेड की कमी पूरी करने किसी अच्छे बल्लेबाज को शामिल करेंगे : कोच विटोरी



मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा है आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड के नहीं होने के कारण फ्रैंचाइजी अगले माह होने वाली नीलामी में किसी अच्छे बल्लेबाज को शामिल करने का प्रयास करेगी। कोच के अनुसार टीम ऐसे बल्लेबाजों की तलाश करेगी जो टीम की मौजूदा रणनीति के अनुकूल हों और विशेषकर हैदराबाद की परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने साथ ही कहा कि हर टीम अपने दल की कमियों को दूर करने की कोशिश करती है और सनराइजर्स भी दूसरी टीमों से रिलीज हुए खिलाड़ियों पर नजर रखेगी, खासकर उन पर जो घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, जहां बल्लेबाजी करना शानदार होता है। विटोरी ने यह भी स्पष्ट किया कि मिनी नीलामी में पूरी टीम में बड़े बदलाव करने की जगह पर अपने मौजूदा मजबूत कोर को बरकरार रखते हुए कुछ आवश्यक खिलाड़ियों को जोड़ना चाहेगी। उनका मानना है कि टीम के पास पहले से ही एक मजबूत दल और अच्छी अंतिम ग्यारह है, और ऐसे में नीलामी में उन्हें एक या दो ऐसे खिलाड़ी चाहिय जो टीम को और अधिक मजबूत बनाने में योगदान दे सकें। उनका मानना है कि यह रणनीति टीम को स्थिरता प्रदान करेगी और अचानक बड़े फेरबदल के जोखिम से बचाएगी।वहीं कोच ने हेड को रिलीज करने के फ्रेंचाइजी के फैसले का कारण बताते हुए कहा कि इस बारे में क्रिकेटर ने ही अनुरोध किया था। विटोरी ने बताया कि हैड ने आस्ट्रेलिया के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल को देखते हुए अपने को लीग के लिए अनुपलब्ध रखने का निर्णय लिया था, इसी कारण उन्हें रिटेन नहीं किया गया।विटोरी ने हेड के टीम में न होने पर दुख व्यक्त किया और कहा कि पिछले तीन वर्षों में उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार भी जताया।

वेलिंगटन टेस्ट दूसरा दिन : जायसवाल-राहुल ने भारत को दिलाई मजबूत शुरुआत, 1 विकेट पर बनाए 159 रन

जायसवाल 85 रन बनाकर आउट; राहुल ने जड़ा अर्धशतक

न्यूजीलैंड ने निकोल्स के नाबाद 175 और फिलिप्स के 118 रन की बदौलत पहली पारी में बनाए 368 रन

वेलिंगटन

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के बीच हुई 130 रन की शानदार साझेदारी की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मजबूत शुरुआत की है। न्यूजीलैंड की पहली पारी के 368 रन के जवाब में भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट के नुकसान पर 159 रन बना लिए हैं। इस तरह भारत अब न्यूजीलैंड से 209 रन पीछे है, जबकि उसके नौ विकेट सुरक्षित हैं। दिन का खेल समाप्त होने पर केएल राहुल 52 रन बनाकर नाबाद थे, जबकि देवदत्त पडिक्कल 15 रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे।

भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 85 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्होंने 89 गेंदों का सामना किया और 16 चौके लगाए। हालांकि, वह अपना शतक पूरा करने से चूक गए। दूसरी ओर, राहुल ने संयम और आक्रामकता का अच्छा संतुलन बनाते हुए नाबाद अर्धशतक पूरा किया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय पारी को शानदार शुरुआत दिलाई और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया।

जायसवाल और राहुल ने संभाली भारतीय पारी - न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रन पर समाप्त होने के बाद भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने सावधानी के साथ पारी की शुरुआत की। भारत ने दूसरे दिन के अंतिम सत्र में अपनी पारी आगे बढ़ाई। उस समय टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 16 रन था।



जायसवाल 11 और राहुल पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन ने अपनी सटीक लाइन-लेंथ और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की कोशिश की। भारतीय सलामी जोड़ी ने हालांकि धैर्य बनाए रखा और धीरे-धीरे रन गति बढ़ानी शुरू की। जायसवाल ने हेनरी की गेंदों पर दो चौके लगाकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए, जबकि राहुल ने जैकब डफी के खिलाफ आकर्षक शाट लगाकर रन बटोरे।

भारत ने 13.4 ओवर में 50 रन पूरे किए। इसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। शुरुआती 10 ओवर में भारत ने 23 रन बनाए थे, लेकिन अगले 10 ओवर में 56 रन जोड़कर अपनी रन गति में उल्लेखनीय सुधार किया। 20 ओवर की समाप्ति पर भारत का स्कोर बिना किसी नुकसान के 79 रन था। उस समय जायसवाल 43 और राहुल 34 रन बनाकर खेल रहे थे।

जायसवाल ने जैकब डफी के 22वें ओवर में तीन शानदार चौके लगाए। इनमें उनका स्ट्रेट ड्राइव विशेष रूप से आकर्षक रहा। उन्होंने 66 गेंदों में आठ चौकों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद नाथन स्मिथ की गेंद पर चौका लगाकर भारत ने 23.4 ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया।

जायसवाल ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और विकेटकीपर के ऊपर से शानदार रैंप शाट खेलकर गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। हालांकि, उनकी शानदार पारी का अंत मैट हेनरी ने किया। हेनरी की गेंद पर जायसवाल ने विकेट के पीछे टाम ब्लंडेल को कैच थमा दिया। न्यूजीलैंड ने रिव्यू लिया, जिसमें फैसला गेंदबाज के पक्ष में गया। इस तरह भारत को 27.5 ओवर में 130 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। जायसवाल 85 गेंदों में 85 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 16 चौके शामिल रहे।

पहला विकेट गिरने के बाद केएल राहुल ने देवदत्त पडिक्कल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। राहुल ने जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने दिन के शेष ओवरों में कोई और विकेट नहीं गिरने दिया। भारत ने 37वें ओवर में 150 रन पूरे किए और दिन का खेल समाप्त होने तक अपना स्कोर एक विकेट पर 159 रन पहुंचा दिया।

निकोल्स और फिलिप्स के शतकों से न्यूजीलैंड ने बनाए 368 रन - इससे पहले न्यूजीलैंड ने हेनरी निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स के शानदार शतकों की बदौलत अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए। भारतीय तेज गेंदबाजों ने मैच की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को महज 70 रन पर पांच झटके देकर मुश्किल में डाल दिया था। हालांकि, इसके बाद निकोल्स और फिलिप्स ने छठे विकेट के लिए 216 रन की बेहतरीन साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाल दिया।

दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने अपनी पारी छह विकेट पर 317 रन से आगे बढ़ाई। हेनरी निकोल्स 146 और नाथन स्मिथ 13 रन बनाकर नाबाद थे। दिन के शुरुआती सत्र में निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स ने भारतीय गेंदबाजों के सामने मजबूती से बल्लेबाजी की। फिलिप्स ने 216 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 118 रन बनाए। यह भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला शतक था। आकाश दीप ने 94वें ओवर में फिलिप्स को 286 रन के स्कोर पर आउट कर भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इसके साथ ही निकोल्स के साथ उनकी 216 रन की साझेदारी समाप्त हुई। फिलिप्स के आउट होने के बाद भी निकोल्स ने एक छोर संभाले रखा और अपनी शानदार पारी जारी रखी। निकोल्स ने दूसरे दिन की शुरुआत 113 रन से की थी। उन्होंने सुबह के सत्र में 33 रन जोड़कर अपना स्कोर 146 तक पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने 175 गेंदों में 150 रन पूरे किए। दूसरे सत्र में भी उन्होंने अपनी बल्लेबाजी जारी रखी और नाबाद 175 रन बनाकर पवेलियन लौटे बिना न्यूजीलैंड की पारी का अंत देखा। उनकी 335 गेंदों की पारी में 21 चौके शामिल रहे। यह उनके टेस्ट करियर का 12वां शतक भी रहा। भारतीय गेंदबाजों ने अंतिम सत्र में समेटी न्यूजीलैंड की पारी दूसरे सत्र में भारत ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को जल्दी समेटने की कोशिश की।

बार्टी और शिंगो साल 2027 हाल आफ फेम के लिए नामांकित किये गये



सेन डियागो

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी और चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो कुनिदा को साल 2027 में दिये जाने वाले इंटरनेशनल टेनिस हाल आफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। ये अवार्ड 26 से 28 अगस्त 2027 के बीच न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड में होने वाले इंडक्शन समारोह में प्रदान किये जाएंगे।

इस अवार्ड के लिए बार्टी को प्रतिष्ठित खिलाड़ी श्रेणी में चुना गया है, जबकि कुनिदा को व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी में यह सम्मान मिलेगा। यह श्रेणी उन खिलाड़ियों को जगह देती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकार्ड रहा हो। बार्टी, एक तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं, जिन्होंने 2019 में रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन), 2021 में विंबलडन और 2022 में आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी हासिल किया था। 2019 में विश्व नंबर 1 बनीं, उन्होंने कुल 121 हफ्तों तक शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाए रखा, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल थे। वह 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक ईयर-एंड नंबर 1 भी रहीं।आस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के तुरंत बाद, जब वह अपनी सर्वोच्च रैंकिंग पर थीं, उन्होंने खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। वह इंटरनेशनल टेनिस हाल आफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी होंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली पहली आस्ट्रेलियाई महिला बनेंगी। इस सम्मान पर खुशी व्यक्त करते हुए बार्टी ने कहा, मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे आस्ट्रेलिया के उन महान खिलाड़ियों को देखने का मौका मिला, जिन्होंने इस खेल को नई दिशा दी और बहुत गर्व के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरा नाम लिया जाना एक अद्भुत अहसास है। मेरा करियर एक सामूहिक प्रयास था, इसलिए यह सम्मान मेरे परिवार, मेरे कोचों और उन सभी लोगों का भी है, जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की। वहीं, शिंगो कुनिदा इंटरनेशनल टेनिस हाल आफ फेम में शामिल होने वाले जापान के पहले खिलाड़ी होंगे। वह इतिहास के सबसे सफल पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं, जिनके नाम रिकार्ड 28 मेजर सिंगल्स खिताब और कुल 50 मेजर खिताब दर्ज हैं।

रोहित-कोहली को साल 2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम में बनाये रखें : मदन लाल



नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल का मानना है अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरुरत भारतीय टीम को साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में पड़ेगी। इसलिए इन दोनो को विश्वकप के लिए टीम में बनाये रखना चाहिये। साल 1983 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे मदनलाल के अनुसार जितना अनुभव इन दोनो को है उतना अभी किसी अन्य खिलाड़ी के पास नहीं है। विश्व स्तर के मैचो में दबाव के क्षणों में ऐसे खिलाड़ियों का होनो जरुरी रहता है इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मेरा मानना है कि रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए बने रहना चाहिए। टीम के लिए उनका प्रदर्शन बहुत अहम होगा। बड़े टूर्नामेंटों में टीम को उनके जैसे अनुभवी और बेहतरीन खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें होती हैं। मुझे भरोसा है कि वे दोनों भी संन्यास से पहले एक दिवसीय विश्व कप जीतना चाहेंगे , पिछली बार खिताब के करीब पहुंचकर भी वे इसे हासिल नहीं कर पाये थे। इसी वजह से मुझे लगता है कि उन्हें विश्व कप अभियान का हिस्सा होना चाहिए। पूर्व आलराउंडर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर, इन जैसे अनुभवी खिलाड़ी दबाव को संभालने और महत्वपूर्ण क्षणों में टीम को जीत दिलाने की क्षमता रखते हैं।

टोटल चेस फाइनल में गिरी ने बनाई बढ़त, कार्लसन ने शानदार वापसी से जीता मुकाबला

बुडापेस्ट

नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी ने टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फाइनल के पहले दिन ईरान के अलीरेजा फिरोजा को 11-9 से हराकर बढ़त बना ली। खेले गए मुकाबले में गिरी की ब्लिट्ज में बेहतर प्रदर्शन निर्णायक साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों के बीच रैपिड मुकाबलों में एक-एक जीत हुई, जबकि फास्ट क्लासिकल गेम ड्रा रहा।

गिरी को खिताब जीतने के लिए केवल जीत या ड्रा की जरूरत है। वहीं, फिरोजा को मुकाबला बराबर कर टाईब्रेक तक पहुंचाने के लिए दूसरे दिन जीत दर्ज करनी होगी। दोनों दिनों के अंक अलग-अलग रखे जाएंगे। यदि दोनों खिलाड़ी एक-एक दिन जीतते हैं या दोनों दिन ड्रा रहते हैं तो आर्मागेडन टाईब्रेक से विजेता का फैसला होगा।

नाकआउट के प्रत्येक दिन सात मुकाबले खेले जाते हैं, जिनमें चार ब्लिट्ज, दो रैपिड और एक फास्ट क्लासिकल गेम शामिल है। ब्लिट्ज में जीत पर एक, रैपिड में चार और फास्ट क्लासिकल में आठ अंक मिलते हैं। ड्रा होने पर दोनों खिलाड़ियों को आधे अंक दिए जाते हैं।

कारुआना ने भी बनाई बढ़त - तीसरे स्थान के लिए खेले जा रहे मुकाबले में अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को पहले दिन 11-9 से हराया। कारुआना ने शुरुआती दोनों ब्लिट्ज गेम जीते। उन्होंने एक जीत सफेद और दूसरी काले मोहरों से दर्ज की। इसके बाद बाकी पांचों गेम ड्रा रहे। कारुआना को तीसरा स्थान हासिल करने के लिए जीत या ड्रा की जरूरत है।

कार्लसन की शानदार वापसी - दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने 17वें स्थान के मुकाबले में व्लादिस्लाव आर्टेमिएव को 11-9 से हराकर दिन का अंत जीत के साथ किया। कार्लसन एक समय 3-9 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने चार में से तीन ब्लिट्ज गेम जीते थे, लेकिन रैपिड के दोनों मुकाबले गंवा दिए। इसके बाद फास्ट क्लासिकल गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज कर उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस प्रतियोगिता में फास्ट क्लासिकल प्रारूप में कार्लसन की यह पहली जीत रही।

पांचवें स्थान के मुकाबले में हंस मोके नीमन ने जान-क्रिजिस्तोफ डूडा



को 13.5-6.5 से हराया। नीमन सातों गेम में अपराजित रहे। उन्होंने शुरुआती तीन ब्लिट्ज गेम और पहला रैपिड गेम जीता। वहीं, 13वें स्थान के मुकाबले में वेस्ली सो ने लेवोन एरोनियन को 12.5-7.5 से शिकस्त दी।

मेजबान देश के रिचर्ड रापोर्ट ने 11वें स्थान के मुकाबले में जोरडेन वान फारेस्ट को 11-9 से हराया। रापोर्ट ने ब्लिट्ज और रैपिड मुकाबलों के बाद 11-1 की अजेय बढ़त बना ली थी। इसके बाद उन्होंने फास्ट क्लासिकल गेम छोड़ दिया, जिससे दिन का अंतिम स्कोर 11-9 रहा।

भारतीय खिलाड़ियों का मिला-जुला प्रदर्शन - भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने 21वें स्थान के मुकाबले में अभिमन्यु मिश्रा को 12-8 से हराकर अच्छी शुरुआत की। ब्लिट्ज मुकाबले 2-2 से बराबर रहे। इसके बाद प्रज्ञानानंद ने पहला रैपिड गेम जीता और बाकी दोनों मुकाबले ड्रा कराए। वहीं, नौवें स्थान के मुकाबले में अर्जुन एरिगैसी को अर्मेनिया के हाइक मार्टिरोस्यान के खिलाफ 5.5-14.5 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जुन ने शुरुआती तीन ब्लिट्ज गेम जीते और चौथा ड्रा कराया था। हालांकि, मार्टिरोस्यान ने रैपिड में एक जीत और एक ड्रा के साथ वापसी की। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से फास्ट क्लासिकल गेम जीतकर दिन का मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को 23वें स्थान के मुकाबले में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ 4-16 से हार झेलनी पड़ी।

आस्ट्रेलिया के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करेंगे सैम हार्पर, इंग्लैंड के खिलाफ मिलेगा मौका

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज सैम हार्पर इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने इसकी पुष्टि की। हार्पर अपने घरेलू मैदान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर आस्ट्रेलिया के लिए पहला मैच खेलेंगे।

हार्पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर स्काट बोलैंड के बाद पदार्पण करने वाले पहले विक्टोरियाई खिलाड़ी होंगे। बोलैंड ने 2021 में बाक्सिंग डे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए एक पारी में सात विकेट लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि, बोलैंड इससे पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके थे, जबकि हार्पर का यह आस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम के लिए पहला मुकाबला होगा।

29 वर्षीय हार्पर को नियमित विकेटकीपर जोश इंग्लिस की गैरमौजूदगी में मौका मिला है। इंग्लिस न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए पांच मैचों की टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे।

सैम हार्पर ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से बातचीत में कहा, एक विक्टोरियाई खिलाड़ी होने के नाते मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं।

उन्होंने अपने करियर में आए बदलाव और मानसिकता के बारे में कहा, कुछ साल पहले मैंने खुद से एक वादा किया था कि चाहे मुझे एक और बिग बैश लीग खेलनी पड़े, दो और सत्र खेलने पड़ें या फिर बेल्जियम और श्रीलंका में क्रिकेट खेलना पड़े, मैं हर जगह अपने स्वाभाविक अंदाज में खेलूंगा। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा, खेल का आनंद लूंगा और उसी तरह क्रिकेट खेलूंगा, जैसे अंडर-11 के दिनों में



खेला करता था।।

पिछले 12 से 18 महीनों में बेल्जियम, श्रीलंका और फिर दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट टीम के साथ रहने तक मैंने हमेशा मुस्कुराते हुए क्रिकेट खेला है। मुझे लगता है कि अब मैंने खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालने के बजाय अपनी क्षमता के मुताबिक स्वाभाविक खेल दिखाना शुरू कर दिया है।

हार्पर पिछले सत्र में बिग बैश लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्होंने टूर्नामेंट में 54 की औसत से 381 रन बनाए थे। इसके अलावा श्रीलंका प्रीमियर लीग में गाल गैलेंट्स की ओर से खेलते हुए 425 रन बनाकर टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

उनके प्रदर्शन का असर राष्ट्रीय चयन में भी दिखा। आस्ट्रेलिया ए की ओर से पदार्पण पर शतक लगाने के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में जगह मिली थी। अब वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों के सामने टीम संयोजन की चुनौती - आस्ट्रेलिया की टीम को इस सीरीज में कई प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरना होगा। जोश इंग्लिस के अलावा ट्रेविस हेड, मैथ्यू रेनशा, कैमरन ग्रीन और कूपर कोनोली भी न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी चार टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी में जुटेंगे। कैमरन ग्रीन फिलहाल कन्कशन प्रोटोकाल में हैं।

दूसरी ओर, इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक की टीम भी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलेगी। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन और सन्नी बेकर को एकदिवसीय सीरीज के बाद आराम दिया गया है। ब्रूक और विकेटकीपर जार्डन काक्स सिडनी में चौथे टी20 मुकाबले के बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए रवाना होंगे।

ब्रूक ने कहा कि उनकी टीम टी20 क्रिकेट में शानदार लय में है और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम का लक्ष्य आस्ट्रेलिया में सीरीज जीतना है। उन्होंने यह भी कहा कि टीम में कुछ युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इनमें 18 वर्षीय थामस रेव के अलावा युवा गेंदबाज एडी जैक और हेनरी क्राम्ब शामिल हैं।



सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, 2,570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार से पड़ रहे दबाव की वजह से घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख लगातार जारी है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान जोरदार कमजोरी दर्ज की गई है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,350 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी दर्ज की गई है। यह चमकीली धातु लगातार दूसरे दिन 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है।

कीमत में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,30,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,30,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,30,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,30,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,19,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,30,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सेबी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के हस्तांतरण को दी मंजूरी



नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा (पीएमएस) कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। यह अधिग्रहण आईसीआईसीआई समूह के भीतर परिसंपत्ति प्रबंधन सेवाओं के पुनर्गठन का हिस्सा है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी ने हाल ही में शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि उसे आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज से एक ईमेल प्राप्त हुआ है। इस ईमेल में जानकारी दी गई है कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को सेबी से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उसके पीएमएस कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी गई है। यह अधिग्रहण चालू स्थिति में एकमुश्त बिक्री के आधार पर किया जाएगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के निदेशक मंडल ने पहले ही 10 अगस्त को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद दोनों कंपनियों ने इस सौदे के लिए एक कारोबार हस्तांतरण समझौता किया था। इस सौदे को पूरा करने के लिए आवश्यक नियामकीय मंजूरियां मिलना जरूरी था, जो अब सेबी से प्राप्त हो गई हैं, जिससे इस पुनर्गठन का रास्ता साफ हो गया है।

मारीशस निवेशक के एमएफ यूनिट बिक्री पर भारत में टैक्स नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मारीशस स्थित निवेशकों के लिए इक्विटी



म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुए मुनाफे पर भारत में टैक्स नहीं लगाने का स्पष्टीकरण दिया है। यह फैसला इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स को 593.48 करोड़ रुपए के टैक्स विवाद में बड़ी राहत देता है, जिससे भारत-मारीशस दोहरे कराधान से बचाव समझौते (डीटीएए) के तहत कर छूट के दावे को बल मिला है। अदालत ने आयकर विभाग की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुई कमाई को अंतर्निहित भारतीय कंपनियों के शेयरों की बिक्री से प्राप्त लाभ माना जा रहा था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निवेशक केवल म्यूचुअल फंड की यूनिट का मालिक होता है, न कि फंड के जरिए खरीदे गए शेयरों का। इसलिए यूनिटधारक सीधे तौर पर किसी कंपनी का शेयरधारक नहीं होता। यह मामला मारीशस स्थित इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स से संबंधित था, जिसने आकलन वर्ष 2022-23 में इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट बेचकर 593.48 करोड़ रुपए का पूंजीगत लाभ कमाया था। आयकर विभाग का तर्क था कि फंड की 65 फीसदी से अधिक संपत्ति भारतीय शेयरों में निवेशित थी, इसलिए पूरी कमाई भारत में कर योग्य होनी चाहिए। विवाद समाधान पैनल ने भी इस तर्क का समर्थन किया था। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट ने निचले न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखते हुए निवेशकों के पक्ष में निर्णय दिया।

टूआरई ओरियाना पावर पांच सीबीजी संयंत्रों में 750 करोड़ का निवेश करेगी, यूपी, एमपी और गुजरात में लगेंगे 110 टन प्रतिदिन क्षमता वाले संयंत्र

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी टूआरई ओरियाना पावर लिमिटेड ने जैव ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है। कंपनी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में 750 करोड़ रुपये के निवेश से पांच नए कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इन संयंत्रों की संयुक्त उत्पादन क्षमता 110 टन प्रतिदिन होगी और इनके अगले दो वर्षों के भीतर चालू होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं को सरकार की गोबर-धन पहल के तहत पंजीकृत और अनुमोदित किया गया है। यह निवेश टूआरई ओरियाना के सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण से आगे बढ़कर वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में कदम रखने का प्रतीक है। कंपनी का यह कदम भारत के ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने, घरेलू ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्य में भी योगदान देगा। टूआरई ओरियाना पावर के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी हरित हाइड्रोजन, अमोनिया और सीबीजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को उच्च क्षमता वाले उभरते अवसरों के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि इन पांच संयंत्रों की स्थापना हरित ईंधन में एक मजबूत फुटहोल्ड बनाने की उनकी रणनीति का हिस्सा है, और भविष्य में कंपनी अपनी कुल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए रणनीतिक निवेश जारी रखेगी।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से बेहद कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान भारी बिकवाली के दबाव में तेजी से नीचे बंद हुए। सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान चौतरफा बिकवाली का माहौल रहा, जहां सभी प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी भारी दबाव देखा जा रहा है और सभी प्रमुख सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी भी सुबह कमजोरी के साथ काम कर रहा है।



अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट पर तेज गिरावट दर्ज की गई। एंथ्रोपिक के बड़े आईपीओ की लिस्टिंग भी स्टाक मार्केट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर फीके पड़े जोश को वापस लाने में नाकाम रही। एंथ्रोपिक के शेयर 111.50 डालर पर खुले और जल्द ही 115 डालर प्रति शेयर तक पहुंच गए, जो आफर प्राइस से 38.6 प्रतिशत ज्यादा था। हालांकि कारोबार के अंत तक यह बढ़त घट कर 17.1 प्रतिशत रह गई। इस दबाव के कारण डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1,101.11 अंक यानी 2.19 प्रतिशत टूट कर 49,097.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने भी 147.80 अंक यानी 2.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,175.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स ने भी भारी गिरावट दर्ज की और यह 550.68 अंक यानी 2.25 प्रतिशत लुढ़क कर 23,879.20 अंक के स्तर पर आ गया। सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 1.86 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 49,095.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का जोर बना रहा। जर्मनी के डीएएक्स इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई और यह सूचकांक 272.43 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,463.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह ब्रिटेन का एफटीएसई इंडेक्स 98.49 अंक यानी 0.94 प्रतिशत टूट कर 10,452.68 अंक के स्तर पर आ गया। इसके अलावा फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 66.09 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की गिरावट दर्ज करते हुए 8,080.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

ग्लोबल मार्केट के इन बेहद कमजोर संकेतों के बीच एशियाई बाजार में भी चौतरफा बिकवाली हावी नजर आ रही है। एशिया के सभी नौ प्रमुख बाजार के सूचकांक दबाव के कारण लाल निशान में काम कर रहे हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी सुबह 120.50 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,429.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जो घरेलू बाजार के लिए कमजोर शुरुआत के संकेत हैं।

ताइवान स्टाक एक्सचेंज पर सबसे भारी गिरावट देखी जा रही है, जहां ताइवान वेटेड इंडेक्स 2,272.33 अंक यानी 5.91 प्रतिशत लुढ़क कर 36,154.56 अंक के स्तर पर आ गया है। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स भी 222.00 अंक यानी 4.32 प्रतिशत टूट कर 4,915.89 अंक के स्तर पर फिसल गया है। इसी तरह जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 2,511.21 अंक यानी 4.22 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 56,933 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। हान्गकान्ग के शेयर बाजार में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। पिछले सत्र के कारोबार के मुकाबले हैंगसेंग इंडेक्स फिलहाल 410.62 अंक यानी 1.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,431 अंक के स्तर पर आ गया है। थाईलैंड का सेट कंपोजिट इंडेक्स भी 24.18 अंक यानी 1.64 प्रतिशत टूट कर 1,448.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा चीन के शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में भी 56.22 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है और यह 3,521.40 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

इंडोनेशिया के बाजार में भी कमजोरी का माहौल है, जहां जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 48.67 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,145.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी 21.21 अंक यानी 0.42 प्रतिशत फिसल कर 4,981.90 अंक के स्तर पर काम कर रहा है।

गैलेक्सी टैब ए11प्लस की कीमत में इजाफा



नई दिल्ली

अपने बजट फ्रेंडली गैलेक्सी टैब ए11प्लस की कीमत में सैमसंग ने इजाफा कर दिया है। यह टैबलेट अब लान्च प्राइस से हजारों रुपये तक महंगे में मिलेगा। पहले भी इस टैबलेट की प्राइस में इजाफा किया जा चुका है। कंपनी ने इसके वायफाय और सेल्युलर दोनों वेरिएंट्स की कीमत बढ़ा दी है। अब इसकी कीमत 3,000 रुपये तक बढ़ी है। सैमसंग ने इस टैबलेट को 22,999 रुपये की शुरुआती कीमत में लान्च किया था। अभी यह 33,999 रुपये की शुरुआती कीमत में मिल रहा है। इससे पहले इसकी शुरुआती कीमत 30,999 रुपये थी। इस तरह से इसकी कीमत में कुल 11,000 रुपये तक का इजाफा किया जा चुका है। सैमसंग ने हाल ही में गैलेक्सी एस26 सीरीज की कीमत में 25,000 रुपये तक के इजाफे की घोषणा की है। सैमसंग का यह टैबलेट दो स्टोरेज आप्शन - 6जीबी रैम प्लस 128जीबी और 8जीबी रैम प्लस 128जीबी में आता है। इसे दो कनेक्टिविटी वेरिएंट्स- वायफाय और सेलुलर में खरीदा जा सकता है। इसके वायफाय वेरिएंट की शुरुआती लान्च प्राइस 22,999 रुपये है। वहीं, इसका टाप वेरिएंट 28,999 रुपये में लान्च हुआ था। प्राइस हाइक के बाद यह अब 33,999 रुपये की शुरुआती कीमत में मिलेगा। वहीं, इसका टाप वेरिएंट 41,999 रुपये में मिल रहा है।

गैलेक्सी टैब ए11प्लस के सेल्युलर वेरिएंट को 26,999 रुपये की शुरुआती कीमत में लान्च किया गया था। अब यह 37,999 रुपये की शुरुआती कीमत में मिलेगा। वहीं, इसका टाप वेरिएंट 32,999 रुपये में लान्च हुआ था, जो अब 46,999 रुपये की कीमत में मिलेगा। कंपनी ने इस टैबलेट की कीमत में 14,000 रुपये तक का इजाफा लान्च से कर दिया है। सैमसंग का यह टैबलेट 11 इंच के टीएफटी एलसीडी डिस्प्ले के साथ आता है। इस टैबलेट में कंपनी ने 90एचझेड रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले दिया है। दक्षिण कोरियाई कंपनी के इस टैबलेट में कंपनी ने मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 चिपसेट दिया है। यह 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज के साथ आता है। यह टैबलेट आईपी52 रेटेड है, जिसकी वजह से पानी के छींटों और भींगने पर खराब नहीं होगा। इसमें यूजर्स को एंड्राएड 16 पर बेस्ड वनयूआई 8 मिलेगा।

जेएसडब्ल्यू मोटर्स ने लान्च की अपनी आधिकारिक वेबसाइट



नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू ग्रुप की नई वाहन कंपनी जेएसडब्ल्यू मोटर्स ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट लान्च कर दी है। जेएसडब्ल्यू मोटर्स ने अपनी पहली एसयूवी, जेएसडब्ल्यू काम्बैट के लिए पंजीकरण लेना भी शुरू कर दिया है। हालांकि यह अभी वाहन की बुकिंग नहीं मानी जाएगी। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह केवल रुचि पंजीकरण की प्रक्रिया है और बुकिंग शुरू होने पर इच्छुक ग्राहकों से संपर्क किया जाएगा। जेएसडब्ल्यू काम्बैट का अनावरण 4 दिसंबर 2026 को किया जाएगा। इसकी कीमत, बुकिंग राशि, डिलीवरी की समयसीमा और भारतीय बाजार में उपलब्ध होने वाली अंतिम तकनीकी खूबियों का खुलासा अभी नहीं किया गया है। जेएसडब्ल्यू मोटर्स भारतीय कार बाजार में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया से एक अलग यात्री वाहन कंपनी के रूप में काम करेगी। यह कंपनी एमजी ब्रांड के तहत वाहन बेचने के बजाय अपने जेएसडब्ल्यू ब्रांड नाम से गाड़ियां पेश करेगी। कंपनी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक नया विनिर्माण संयंत्र तैयार कर रही है, जहां अगली पीढ़ी के यात्री वाहनों के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से जुड़े वाहनों का उत्पादन करने की योजना है।

200 एमपी का लोफिक कैमरा मिलेगा आनर मैजिक सीरीज में

नई दिल्ली

स्मार्ट फोन निर्माता कंपनी आनर की मैजिक सीरीज में अब 200 एमपी का लोफिक कैमरा मिलेगा। चीनी कंपनी का यह अपकमिंग फोन मैजिक 9 का अपग्रेड होगा। मार्च में लान्च हुए हानर मैजिक 9 प्रो में 200एमपी कैमरा मिलता है। चीनी टिप्स्टर स्मार्ट पिकाचू ने दावा किया है कि आनर के अपकमिंग फोन मैजिक 10 में 200एमपी का लोफिक यानी लेटरल ओव्हर फलो इंटेग्राशन केपेसिटर टेक्नोलाजी वाले कैमरा सेंसर का इस्तेमाल किया जाएगा।



पहले ये खबर सामने आई थी कि इसमें कंपनी ओमनी वीजन आवी52बी या ओवीबीओडी सेंसर यूज करने वाली है। आनर के इस फोन में कंपनी डुअल लेय ओलेड पैनल का भी इस्तेमाल कर सकती है।

स्मार्ट पिकाचू ने अपने पोस्ट में दावा किया है कि चीनी कंपनी के अपकमिंग स्मार्टफोन या टैबलेट में इस डिस्प्ले का इस्तेमाल किया जा सकता है। डुअल लेयर ओलेड डिस्प्ले पैनल का मतलब बै कि इसमें ओलेड पैनल के दो लेयर एक साथ मर्ज किए जाते हैं, जिसकी वजह से डिस्प्ले की ब्राइटनेस और लाइफस्पैन दोनों बढ़ जाती है हानर मैजिक 10 में कंपनी इसके अलावा बड़ी बैटरी भी दे सकती है। कंपनी के इस साल लान्च हुए ज्यादातर फोन बड़ी बैटरी के साथ लान्च किए गए हैं। कंपनी की विन 2 सीरीज के फोन में 12,000एमएएच की बैटरी दी गई है। इसके अलावा कंपनी एक ऐसे फोन पर काम कर रही है, जिसमें 15,000एमएएच की बैटरी मिल सकती है।

हानर एक ऐसे फोन पर काम कर रहा है जिसमें 14,000एमएएच से लेकर 15,000एमएएच की बैटरी दी जा सकती है। फोन की बैटरी कैपेसिटी के अलावा अन्य किसी फीचर की जानकारी फिलहाल शेयर नहीं की गई है। अपने पोस्ट में डीसीएस ने दावा किया है कि इस बैटरी को सिंगल चार्ज में करीब एक सप्ताह इस्तेमाल किया जा सकेगा। हानर विन 2 सीरीज के दोनों फोन क्वालकाम स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 चिपसेट पर काम करते हैं। इनमें 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज तक का सपोर्ट मिलता है। ये दोनों फोन आईपी68, आईपी69 और आईपी69के रेटिंग के साथ आते हैं।

टाटा संस के मेगा आईपीओ पर अगले हफ्ते होगी निर्णायक चर्चा

नई दिल्ली

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की अगले हफ्ते होने वाली बोर्ड बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो संभावित रूप से 26 नवंबर को हो सकती है। इस बैठक में कंपनी के बहुप्रतीक्षित और संभावित आईपीओ (प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश) पर निर्णायक चर्चा होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लिस्टिंग को अनिवार्य किए जाने के बाद यह बैठक और भी अहम हो गई है।

आरबीआई के सख्त निर्देश के बाद 26 नवंबर की बोर्ड बैठक पर सबकी नजर

क्योंकि यह आईपीओ देश का अब तक का सबसे बड़ा बन सकता है। यदि टाटा संस का आईपीओ आता है, तो इसका अनुमानित मूल्यांकन 15 लाख करोड़ से 18 लाख करोड़ रुपये के बीच आंका जा रहा है।

इस हिसाब से, आईपीओ का आकार कम से कम 37,500 करोड़ रुपये हो सकता है, जो रिलायंस समूह की जियो प्लेटफार्म्स के 30,180 करोड़ रुपये के आईपीओ के रिकार्ड को तोड़ देगा। आरबीआई ने इस हफ्ते एक बार फिर स्पष्ट किया है कि टाटा संस के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होना अनिवार्य है, जिससे 26 नवंबर की बोर्ड बैठक की गंभीरता और बढ़ गई है।

यह बैठक 17 सितंबर को बोर्ड में हुए विवाद के बाद पहली होगी, और इसमें लिस्टिंग के मुद्दे पर



दोबारा चर्चा होगी। जानकारों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और टाटा संस के बोर्ड में नामित निदेशक नोएल टाटा द्वारा दिया गया कंपनी के पुनर्गठन का प्रस्ताव भी चर्चा में आ सकता है। इस प्रस्ताव का मकसद कंपनी की संरचना में बदलाव करके उसकी लिस्टिंग से बचना है। हालांकि, कंपनी किस रास्ते पर आगे बढ़ेगी, यह बोर्ड की बैठक के बाद ही स्पष्ट होगा।

टाटा संस की लिस्टिंग से कंपनी के प्रबंधन और फैसले लेने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। वर्तमान में टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की 66 फीसदी हिस्सेदारी है, जिससे ट्रस्ट सबसे बड़ा शेयरधारक है।

विशेषज्ञों का मानना है कि लिस्टिंग के बाद टाटा ट्रस्ट्स के नामित निदेशकों के नियंत्रण में कमी आ सकती है। मौजूदा व्यवस्था में, इन नामित निदेशकों के पास कुछ महत्वपूर्ण फैसलों पर वीटो का अधिकार है, लेकिन शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद कंपनी को भारतीय कंपनी कानून और बाजार नियामक सेबी के नियमों के अनुसार काम करना होगा, जिससे नामित निदेशकों के विशेष अधिकारों में बदलाव संभव है। लिस्टिंग के बाद निदेशकों की नियुक्ति और उनकी अधिकतम उम्र से जुड़े नियम भी बदल जाएंगे, जिससे मौजूदा निदेशकों को 70 या 75 साल की उम्र के बाद पद पर बने रहने के लिए शेयरधारकों से विशेष मंजूरी लेनी होगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 21 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

'टिफिन पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में 'टिफिन पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुनि श्री दीप कुमार जी ठाणा-2 का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र एवं वैवाहिक संबंधों में बढ़ते तलाक के मामलों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर सार्थक एवं प्रेरणादायी चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुनि श्री दीप कुमार जी ने नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण से किया।

इस अवसर पर मुनि श्री ने विषय पर प्रेरणादायी उद्बोधन देते हुए फरमाया कि वर्तमान समय में वैवाहिक संबंधों में बढ़ती दूरियां एवं तलाक के मामले एक गंभीर सामाजिक समस्या बनते जा रहे हैं। कई बार सुदृढ़ वैवाहिक संबंध भी टूटने की स्थिति में पहुंच जाते हैं। इसका प्रमुख कारण आपसी तालमेल की कमी, सहनशीलता का अभाव तथा एक-दूसरे को समझने की भावना में कमी होना है।

मुनि श्री ने आचार्य महाप्रज्ञ जी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार दीक्षा से पूर्व प्रशिक्षण दिया जाता है, उसी प्रकार गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने से पहले भावी दंपतियों को भी वैवाहिक जीवन के दायित्वों एवं मूल्यों की समुचित समझ होनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान युवती विभाग की संयोजिका रिया दुगड़ एवं निष्ठा सेठिया ने अत्यंत रोचक एवं मनोरंजक अंदाज में विभिन्न खेलों का आयोजन कर सभी का उत्साहवर्धन किया।

अंजू जी बैद, नमिता सिंघी एवं सुनीता कठौतिया ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए निष्पक्ष निर्णय दिए।

इस कार्यक्रम में स्नेहा नाहर, खुशबू जैन, मीनाक्षी बोथरा, प्रज्ञा चौरडिया, दीक्षा जैन, सुनीता बंबोली, मनीषा सिंघी एवं मनीषा बंबोली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की प्रायोजक सुनीता जी कठौतिया रहीं।

कार्यक्रम में सभी बहनों ने अपने साथ लाए टिफिन से मुनि श्री को गोचरी की भावना से आहार अर्पित किया तथा व्रत का प्रत्याख्यान किया। तत्पश्चात उनोदरी के भाव से सभी ने एक-दूसरे के साथ अपने टिफिन का भोजन साझा किया।

अंत में श्रीमती सुनीता कठौतिया ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।



श्री जीण माता-श्याम बाबा मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कल से

खेमदास मठ में पांच दिवसीय आयोजन, गणमान्य व्यक्तियों एवं सामाजिक संस्थाओं को दिया आमंत्रण



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित खेमदास मठ में श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर का पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 22 से 26 नवंबर तक श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया जाएगा।

महोत्सव में शामिल होने के लिए ट्रस्ट की ओर से भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर, चारमीनार, नगर पुलिस आयुक्त महेश मुरलीधर भागवत, कैलाशचन्द्र डाकोतिया (कल्लु भाई), श्री सात युवा समिति के नितेश अग्रवाल, ओमप्रकाश जी (खेमदास मठ), श्री श्याम दीवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के अरुण डाकोतिया, कैलाश डालिया, राजेन्द्र अग्रवाल एवं राहुल सिंघल को आमंत्रित किया गया। इसके साथ ही दि हैदराबाद होलसेल कटपीस क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन, दि हैदराबाद आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन तथा लक्ष्मीनारायण राठी को भी महोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से विनय जैन, गिरीश गुप्ता, संदीप जैन, विजेन्दर गोयल, प्रदीप कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी की ओर से पुलिस आयुक्त महेश भागवत को दी बधाई



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी की ओर से महेश मुरलीधर भागवत को हैदराबाद के नगर पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर कमेटी के महासचिव (सभी जोन) श्रीकिशन शर्मा, मुख्य संरक्षक (सभी जोन) डॉ. हाफिज मुजफ्फर हुसैन, अतिरिक्त महासचिव (सभी जोन) एवं खैरताबाद जोन के अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, अतिरिक्त महासचिव-2 (सभी जोन) ख्वाजा गाजीउद्दीन, सिकंदराबाद जोन के अध्यक्ष नारायण रेड्डी, जुबली हिल्स जोन की अध्यक्ष तेजो विजयकुमारी, गोलकोंडा जोन के अध्यक्ष मोहम्मद मौजम अली, चारमीनार जोन के अध्यक्ष ख्वाजा अब्दुल मोइज तथा शमशाबाद जोन के अध्यक्ष हमीद पटेल सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कमेटी के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त पुलिस आयुक्त को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 175वां नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर कल

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल की ओर से हैदराबाद एंड सिकंदराबाद सैनिटरी डीलर्स एसोसिएशन के सहयोग से 175वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 22 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक हनुमान टेकड़ी स्थित प्रगति महाविद्यालय में आयोजित होगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट की ओर से हड्डी एवं हृदय रोगों की जांच के साथ ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, रैंडम ब्लड शुगर (आरबीएस), रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुड़ा की ओर से नि:शुल्क नेत्र जांच की जाएगी। पात्र मरीजों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे तथा जांच में मोतियाबिंद के लिए चयनित मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा।

डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी द्वारा सामान्य रोगों की जांच की जाएगी। बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान करेंगी।

एसएनआर डेंटल क्लिनिक के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा नि:शुल्क दंत जांच की जाएगी।

इसके अलावा श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, हैदराबाद की ओर से विशेष शिविर लगाया जाएगा। जांच के बाद पात्र दिव्यांगजनों को कैलिपर्स, कृत्रिम पैर, हैंड किट्स एवं कृत्रिम हाथ आदि वितरित किए जाएंगे।

शिविर में नि:शुल्क डायलिसिस की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके लिए मरीजों को अपनी पूर्व की चिकित्सा रिपोर्ट साथ लानी होगी, ताकि चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श दिया जा सके।शिविर में नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा, जबकि स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा सेवाएं दोपहर 2 बजे तक जारी रहेंगी।शिविर के संबंध में अधिक जानकारी के लिए संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, दीपक गुप्ता, अमरीश संघी एवं विजय अदातिया से संपर्क किया जा सकता है।

सावित्री देवी के निधन पर दत्तात्रेय ने जताया शोक

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूजनीय माता सावित्री देवी के निधन पर गहरा दुख एवं शोक व्यक्त किया। उन्होंने योगी आदित्यनाथ और शोकाकुल परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं प्रकट कीं।

दत्तात्रेय ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करने तथा इस अपूरणीय क्षति को सहन करने के लिए शोक संतप्त परिवार को शक्ति, साहस और धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

बाबा श्री रामदेव महाराज मंदिर में अन्नकूट आयोजित

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित फिलखाना में बाबा श्री रामदेव जी महाराज के मंदिर में भव्य अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रातः 8 बजे बाबा का अभिषेक एवं अलंकृत श्रृंगार किया गया। दिनभर मंदिर प्रांगण में भजन-कीर्तन का आयोजन होता रहा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

सायं 7 बजे मंदिर के पुजारी जितेन्द्र व्यास (जितु गुरु) द्वारा बाबा की आरती की गई। इसके पश्चात अन्नकूट प्रसादी का वितरण प्रारंभ हुआ, जो अर्धरात्रि तक जारी रहा। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस पावन अवसर पर मुख्य पुजारी स्व. श्री रामचन्द्र जी व्यास की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला व्यास, रामदेव नागला, श्यामसुन्दर उपाध्याय, मुरलीधर तिवारी, दीपक उपाध्याय, जयेश जोशी, राजू जोशी, पंकज शर्मा, हनुमान राठी, रामदेव राठी, जुगल किशोर उपाध्याय, नरेश नागला, लक्ष्मीनारायण व्यास, नीरज उपाध्याय एवं श्यामसुन्दर नागला तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

देवउठनी एकादशी पर केबीआर पार्क में हुआ अन्नदान



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार को केबीआर पार्क स्थित इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, उत्साह एवं सेवाभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अन्नसेवा में अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, भंवरलालजी गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, हरीश टोलाराम हिंदुजा एवं संजय गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। आज की अन्नसेवा का पुण्य लाभ कोलकाता निवासी प्रवीण धानधानिया ने लिया। उनके इस सेवा योगदान की उपस्थित सदस्यों ने सराहना की।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

कु. परमेश्वरी अग्रवाल
के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में
अग्रवाल परिवार
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीज़ों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे, आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते-फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित

आज का पंचांग

दिनांक : 21 नवंबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 04:58 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 06:51 तक
योग : सिद्धि रात्रि 02:30 तक
करण : विष्टि प्रातः 06:33 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 06:51 तक
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14 सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवोत्थिनी एकादशी व्रत वैष्णवानाम् , श्याम बाबा की वास्स , गण्डमूल प्रातः 06:51 से , पंचक चालू है , मन्वादि तिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com



हैदराबाद के नवनियुक्त नगर पुलिस आयुक्त महेश मुरलीधर भागवत को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं बैंक्वेट हॉल के चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल (सीएसके)।



हैदराबाद के ताज कृष्णा में 27 से 29 नवंबर तक भव्य आभूषण प्रदर्शनी एशिया ज्वेल्स शो-2026 का आयोजन किया जाएगा। प्रदर्शनी में 50 हजार से अधिक आकर्षक एवं विशेष आभूषण डिजाइनों का प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को बंजारा हिल्स में आयोजित कार्यक्रम में अभिनेत्री आशु रेड्डी और मिस इंडिया तेलंगाना-2023 उर्मिला चौहान सहित अन्य हस्तियों, आभूषण प्रेमियों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रदर्शनी की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की गई। आयोजन में देश-विदेश के आभूषण प्रेमियों को आकर्षक डिजाइनों और आभूषणों की विविध श्रृंखला देखने का अवसर मिलेगा।



नवनियुक्त हैदराबाद पुलिस आयुक्त महेश मुरलीधर भागवत को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के दक्षिणांचल उपसभापति अरुण भांगड़िया, तेलंगाना-आंध्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के सचिव गोपाल सोमानी, हैदराबाद-सिकंदराबाद जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मनोज सोमानी, सचिव भारत जाजू एवं उपाध्यक्ष मोहन मूंदड़ा।



बल्कमपेट स्थित श्री येल्लम्मा मंदिर में आज माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीआरएस के वरिष्ठ नेता एवं प्रभारी एच. कुमार तथा ए. रविकुमार ने मंदिर पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

पशुपालकों की 11 मांगें, तीन महीने का अल्टीमेटम



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय पशुपालक संघ की ओर से हैदराबाद में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में देशभर के पशुपालकों और चरवाहा समुदायों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को उठाया गया। पशुपालक नेताओं ने केंद्र सरकार के समक्ष 11 प्रमुख मांगें रखते हुए चेतावनी दी कि यदि तीन महीने के भीतर इन मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो दिल्ली में देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को राष्ट्रीय पशुपालक संघ के अध्यक्ष लालजी रायका, भारतीय धनगर समाज विकास परिषद के अध्यक्ष दीपक बोराडे, डीएनटी के प्रदेश उपाध्यक्ष बापू शिंदे तथा राष्ट्रीय पशुपालक संघ, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष केवल देवासी ने संबोधित किया।

इस दौरान पशुपालक नेताओं ने केंद्र सरकार के सामने निम्नलिखित 11 प्रमुख मांगें रखीं-

1. राष्ट्रीय नीति का गठन: एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने पशुओं को चराने के लिए जाने वाले पशुपालकों के लिए केंद्र सरकार राष्ट्रीय नीति बनाए।

2. जंगलों में चराई की अनुमति: पशुपालकों को जंगलों में पशु चराने की अनुमति दी जाए। यदि किसी क्षेत्र को अभयारण्य घोषित किया जाता है, तो वहां वन विकास में पशुपालकों की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए।

3. न्यूनतम समर्थन मूल्य: भेड़ के ऊन, ऊंटनी के दूध और पशुपालकों द्वारा उत्पादित अन्य वस्तुओं के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित किया जाए।

4. पशुपालक निधि योजना: प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की तर्ज पर पशुपालकों के लिए 'पशुपालक निधि' योजना शुरू की जाए।

5. राष्ट्रीय चराई परमिट: पशुपालकों को देशभर में अपने पशुओं को चराने के लिए राष्ट्रीय स्तर का परमिट दिया जाए।

6. शिक्षा, स्वास्थ्य और राशन की सुविधा: लगातार एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने वाले घुमंतू पशुपालक समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य और राशन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

7. अलग आरक्षण: घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू जनजातियों के अंतर्गत आने वाले समुदायों को शिक्षा, रोजगार और राजनीति में अलग आरक्षण दिया जाए।

8. सार्वभौमिक मतदान अधिकार: सभी पशुपालक समुदायों के लिए मतदान का अधिकार सुनिश्चित किया जाए।

9. भूमि पट्टे की सुविधा: जिन जमीनों पर पशुपालक वर्षों से अपने पशुओं को चराते आ रहे हैं, उन जमीनों के लिए उन्हें लीज या पट्टे की सुविधा दी जाए।

10. निःशुल्क बीमा: पशुपालकों और उनके पशुओं के लिए मुफ्त बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

11. पशुपालक संस्कृति का संरक्षण: देश की पारंपरिक पशुपालक संस्कृति और जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की जाएं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेताओं ने बताया कि हैदराबाद में हुई बैठक में इन सभी मांगों को सूचीबद्ध कर सरकार के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि तीन महीने के भीतर मांगें पूरी नहीं की गईं, तो दिल्ली में देशव्यापी विशाल आंदोलन किया जाएगा।

नेताओं के अनुसार, यह पशुपालक समुदाय का देश का सबसे बड़ा आंदोलन होगा, जिसमें पूरे भारत से पशुपालक और चरवाहा समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 202वां नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर कल

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच की ओर से 202वां नि:शुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 22 नवंबर 2026 को नारायणगुड़ा, हैदराबाद स्थित केशव मेमोरियल हाई स्कूल में आयोजित किया जाएगा। यह शिविर केशव मेमोरियल एजुकेशन सोसायटी के सहयोग से आयोजित होगा। शिविर के प्रायोजक सावित्री देवी आर.ए. अग्रवाल फाउंडेशन (ट्रस्ट), हैदराबाद हैं। मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शिविर में रिनोवा सेंचुरी हॉस्पिटल, बंजारा हिल्स, हैदराबाद के चिकित्सकों द्वारा रक्तचाप, शुगर, ईसीजी, 2डी इको एवं बीएमडी की जांच की जाएगी। इसके अलावा हृदय रोग, सामान्य रोग, हड्डियों के रोग, महिला एवं बाल रोगों से संबंधित मरीजों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। कैंसर की जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

सरोजिनी देवी आई हॉस्पिटल, मेहदीपट्टनम, हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञ आंखों से संबंधित रोगों की जांच एवं उपचार संबंधी सेवाएं प्रदान करेंगे। जांच के दौरान चिन्हित किए गए मोतियाबिंद के मरीजों का विस्तृत परीक्षण के बाद सरोजिनी देवी आई हॉस्पिटल में नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। दांतों से संबंधित रोगियों को सोजन्या हॉस्पिटल, हिमायतनगर की ओर से चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

एसएमएस ईएनटी एंड सर्जिकल हॉस्पिटल, हिमायतनगर, हैदराबाद के डॉ. स्वर्ण सिंह अपनी टीम के साथ कान, नाक एवं गले से संबंधित रोगों की जांच एवं उपचार करेंगे। डॉ. क्रांति जी द्वारा त्वचा रोगियों को चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा।

बाल गोविंद राय हेल्थ केयर सेंटर, अत्तापुर, हैदराबाद की ओर से प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से हड्डियों के दर्द से राहत के लिए एक्यूप्रेशर एवं एक्यूपंक्चर की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वासवी फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर, लकड़ी का पुल, हैदराबाद के डॉ. पी. रवि एवं उनकी टीम फिजियोथेरेपी के माध्यम से मरीजों को सेवाएं प्रदान करेगी। वहीं, श्री सत्यनारायण गोयल द्वारा स्पर्श विधि से चिकित्सा सेवा प्रदान की जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भाजपा...

में भी बड़ी सेंध लगाई है। कांग्रेस की इसी सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति ने उसे जबरदस्त जीत दिलाई है।

वहीं, पंचायत चुनावों के बीच निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विरोधी रैली का असर भी ग्रामीण क्षेत्रों के नतीजों में साफ तौर पर देखने को मिला है। इसके साथ ही हनुमान बेनीवाल और राजकुमार रोत के नेतृत्व वाले दलों ने भी ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में सीटें जीतकर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है।

मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों तक को झटका

राजस्थान पंचायत चुनाव के नतीजों का सबसे चौंकाने वाला पहलू भाजपा के बड़े नेताओं के क्षेत्रों में पार्टी की हार रही। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर की पंचायत समिति में आरएलपी ने जीत दर्ज की है, जबकि उनके गृह जिले भरतपुर के जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस ने बाजी मारी है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के संसदीय क्षेत्र जोधपुर, अर्जुन राम मेघवाल के बीकानेर और भूपेंद्र यादव के अलवर में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। इन तीनों क्षेत्रों में कांग्रेस ने जीत का परचम फहराया है।

राजस्थान के शहरी विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा का पूरा परिवार चुनाव हार गया है। उनकी पत्नी और दोनों बेटों को चुनाव में करारी हार मिली है। वहीं, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के विधानसभा क्षेत्र झोटवाड़ा की पंचायत समिति में भाजपा महज एक सीट पर सिमटकर रह गई।

मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को भी अपने क्षेत्र में झटका लगा है। लोहावट पंचायत समिति में भाजपा का खाता तक नहीं खुल सका। यहां कांग्रेस ने 12 सीटें जीतीं, जबकि आरएलपी ने दो सीटों पर जीत दर्ज की। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के प्रभाव वाले क्षेत्र की पंचायत समिति में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है।

डोटासरा-पायलट के गढ़ में कांग्रेस का दबदबा

जहां एक ओर भाजपा के दिग्गज नेता अपने गढ़ नहीं बचा पाए, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी को मजबूत जीत दिलाई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के गृह क्षेत्र सीकर और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के प्रभाव वाले टोंक जिले में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया है। इन क्षेत्रों में कांग्रेस ने विपक्षी खेमे को करारी शिकस्त देकर अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत होने का संकेत दिया है।

4 राफेल...

रखरखाव और तकनीकी कारणों से भी विमान अस्थायी रूप से परिचालन से बाहर हो सकते हैं।

दावे के पीछे पाकिस्तानी संबंध का आरोप

'द लेगेट आईएन' नाम के एक्स खाते ने आरोप लगाया है कि फ्लाइटग्लोबल की रिपोर्ट पर पाकिस्तान समर्थक विमानन पत्रकार एलन वार्न्स के दावों का प्रभाव है। इस खाते ने पहले आरोप लगाया था कि पाकिस्तान वायुसेना ने प्रचार संबंधी लेखों के लिए वार्न्स को 34 हजार पाउंड से अधिक का भुगतान किया था।

आत्मनिर्णय...

भाविका मंगलानंदन ने स्पष्ट किया कि संयुक्त राष्ट्र ने यह स्थापित किया है कि आत्मनिर्णय का सिद्धांत उपनिवेशवाद को समाप्त करने का माध्यम है, न कि किसी सदस्य देश से अलग होने या उसकी क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने का आधार।

हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका संकेत स्पष्ट रूप से उसी की ओर था। चर्चा के विषय से कोई संबंध नहीं होने के बावजूद पाकिस्तान अक्सर कश्मीर का मुद्दा उठाता है और उसे आत्मनिर्णय के अधिकार के रूप में पेश करता है।

मंगलानंदन ने कहा कि भारत एक बार फिर दो-हराना चाहता है कि जो देश अब स्वतंत्र हो चुके हैं, वहां आत्मनिर्णय के अधिकार को लोकतांत्रिक विकल्पों के नियमित प्रयोग के माध्यम से सबसे बेहतर तरीके से बनाए रखा जा सकता है।

गुड...

यह बदलाव ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी बाजार लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। नैस्डैक कंपोजिट में 2.25 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 2.02 प्रतिशत और डाउ जोंस में 2.19 प्रतिशत यानी 1,101.11 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोंस जून के बाद पहली बार 50,000 के नीचे बंद हुआ।

निफ्टी बैंक ने छुआ 64,008 का स्तर

घरेलू शेयर बाजार में भी बैंकिंग शेयरों की अगुवाई में जोरदार तेजी देखने को मिली। शुक्रवार को निफ्टी बैंक ने नया सर्वकालिक उच्च स्तर हासिल किया।

व्यापक बाजार में तेजी के बीच निफ्टी बैंक ने पिछले पांच कारोबारी सत्रों में चौथी बार रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ। गुरुवार को पहली बार 63,000 का आंकड़ा पार करने के बाद शुक्रवार के कारोबार में यह सूचकांक उछलकर 64,008 के नए ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया।

इससे पहले 16 और 17 नवंबर को भी इसने क्रमशः 61,712 और 62,442 के नए शिखर बनाए थे।

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि हालिया निचले स्तरों से करीब 15 प्रतिशत की रिकवरी के बाद अब घरेलू सूचकांकों के सामने वैश्विक बिकवाली के दबाव के बीच इस तेजी को बरकरार रखने की बड़ी चुनौती होगी।

गोल्डमैन सैक्स ने विकास दर पर जताई चिंता

दूसरी ओर, वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने अपनी ताजा रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 2026 के अनुमानित 7.9 प्रतिशत से घटकर 2027 में 7.2 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि, निजी क्षेत्र के निवेश और मजबूत घरेलू मांग से आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, अल नीनो से जुड़ी मौसम संबंधी बाधाओं और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण 2027 में खुदरा महंगाई दर 2026 के 4.6 प्रतिशत से बढ़कर 5.7 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। बढ़ती महंगाई के चलते भारतीय रिजर्व बैंक को मौद्रिक नीति सख्त करनी पड़ सकती है। वर्ष 2027 के अंत तक मानक रेपो दर 5.75 प्रतिशत से बढ़कर 6.25 प्रतिशत तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। इसके अलावा, गोल्डमैन सैक्स ने अगले 12 महीनों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के लगभग 96 के स्तर पर स्थिर होने का अनुमान लगाया है। वहीं, 2027 और 2028 में कंपनियों की आय में 15 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान भी जाहिर किया है।

आतंकी ...

मुताबिक, अदालत को ऐसी सजा देनी चाहिए, जो अपराध की गंभीरता को दर्शाए और यह स्पष्ट संदेश दे कि अमेरिका में किसी की आवाज को हिंसा के जरिए दबाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिकी सरकार ने अदालत में यह भी दावा किया कि निखिल गुप्ता और उसके अन्य कथित सहयोगियों ने पन्नू की हत्या की योजना बनाई थी। इनमें कम से कम एक भारतीय सरकारी कर्मचारी भी शामिल था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, कथित साजिश का मकसद पन्नू को उसके राजनीतिक विचारों और गतिविधियों के कारण निशाना बनाना था।

योगी को ...

उस समय उन्होंने अपनी मां सावित्री देवी से मुलाकात की थी और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया था। लंबे समय बाद मां-बेटे की हुई इस मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आई थीं।

इससे पहले जून 2024 में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड गए थे। उस समय उनकी मां ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती थीं। अस्पताल पहुंचकर उन्होंने मां का हालचाल जाना था और चिकित्सकों से उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली थी।

कुछ देर मां के पास रहने के बाद मुख्यमंत्री वहां से रवाना हो गए थे। इलाज के बाद सावित्री देवी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। हालांकि, आंखों की जांच के लिए उन्हें दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

91 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

सावित्री देवी का शुक्रवार को पंचूर गांव में निधन हुआ। वह 91 वर्ष की थीं और उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थीं। शनिवार को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बाबा श्याम कलियुग के अवतारी और हारे के सहारे, उनकी भक्ति से मिलता है जीवन में विश्वास और शक्ति का संबल : राम प्रकाश अग्रवाल



हैदराबाद।राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास कलियुग अवतारी एवं करोड़ों भक्तों की आस्था के प्रतीक बाबा श्री खाटू श्याम का जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर पूरा वातावरण बाबा श्याम के जयकारों और भक्ति भावना से गुंजायमान हो उठा। ग्रुप के सदस्यों ने एक-दूसरे को जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए बाबा श्याम के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और विश्वास प्रकट किया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने बाबा के चरणों में शीश नवाकर परिवार, समाज और देश में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि बाबा श्याम कलियुग के अवतारी हैं और हारे हुए लोगों के सच्चे सहारे हैं। जब व्यक्ति जीवन की कठिनाइयों से घिर जाता है और उसे कहीं कोई रास्ता दिखाई नहीं देता, तब बाबा श्याम का स्मरण उसे नई आशा, विश्वास और हिम्मत प्रदान करता है। बाबा के दरबार में आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता, क्योंकि बाबा अपने भक्तों की भावनाओं को समझते हैं और उन पर अपनी कृपा बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा श्याम की महिमा अपरंपार है। उनकी भक्ति में वह शक्ति है, जो निराश मन में भी आशा का संचार करती है और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि बाबा श्याम का जीवन और उनकी महिमा हमें त्याग, समर्पण, विश्वास और मानवता का संदेश देती है। सच्ची भक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसके साथ मन में दया, करुणा, प्रेम और सेवा का भाव भी होना चाहिए। जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, भूखे को भोजन कराते हैं और किसी दुखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं, तभी हमारी भक्ति सार्थक होती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद भी इसी सेवा भावना को अपना उद्देश्य मानकर निरंतर मानव सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, भगतराम गोयल, मनीष अग्रवाल एवं रोहित अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी सदस्यों ने बाबा श्याम के जन्मोत्सव पर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए समाज में सेवा, सहयोग और सद्भाव की भावना को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अंत में सभी ने एक स्वर में बाबा श्याम के जयकारे लगाते हुए बाबा से प्रार्थना की कि उनकी कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे तथा हर घर में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास हो। बाबा श्याम की भक्ति के साथ मानव सेवा और परोपकार का संदेश लेकर यह आयोजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

रामलीला मैदान में ऑटो चालकों के अधिकारों की गूंज



मंचेरियल, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देशभर के ऑटो चालकों एवं परिवहन श्रमिकों की समस्याओं को केंद्र सरकार के सामने उठाने के उद्देश्य से भारतीय प्राइवेट ट्रांसपोर्ट मजदूर महासंघ (बीपीटीएमएम), भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबद्ध संगठन के तत्वावधान में नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित 'चलो दिल्ली' कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में राज्य जेएसी ऑटो चेयरमैन गाजुला मुकेश गौड़ ने अतिथि के रूप में भाग लेते हुए देशभर के ऑटो चालकों की समस्याओं एवं उनके अधिकारों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया।

इस अवसर पर गाजुला मुकेश गौड़ ने कहा कि देशभर में लाखों परिवार ऑटो चालकों की मेहनत पर निर्भर हैं। ऑटो चालक दिन-रात, धूप और बारिश की परवाह किए बिना जनता को परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके बावजूद उन्हें उचित सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का पर्याप्त लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऑटो चालकों एवं परिवहन श्रमिकों के लिए विशेष कल्याण बोर्ड गठित किए जाएं। दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता, वृद्धावस्था पेंशन तथा दुर्घटना में मृत्यु होने पर परिवार को मुआवजा देने की व्यवस्था की जाए। ऑटो चालकों के लाइसेंस नवीनीकरण से जुड़ी समस्याओं का समाधान कर पात्र चालकों को जल्द लाइसेंस जारी किए जाएं।



भद्राचलम श्री सीतारामचंद्र स्वामी देवस्थानम की ओर से कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेय स्वामी देवस्थानम में चंदनोत्सव के अवसर पर श्री अंजनेय स्वामी को रेशम के वस्त्र अर्पित करते हुए। इस अवसर पर कोंडागट्टू देवस्थानम के अधिकारियों एवं मुख्य पुजारियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ वस्त्रों का स्वागत किया।



मुस्लिम जंग, बेगम बाजार स्थित जय संतोषी माता मंदिर में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर संतोषी माता मंदिर के प्रमुख नंदलाल यादव, प्रमुख पुजारी अनिल कुमार पाण्डेय, आचार्य सुनील पाण्डेय, गोशामहल के पूर्व पार्षद लाल सिंह, अभिषेक यादव, उदय भास्कर, विनोद पोरवाल, अर्जुन पोरवाल, आनंद, रमेश मोदानी, आशीष यादव, गिरिराज मिश्रा, रामकृष्णा, शिवाजी, नवनीत, स्वाती, हर्ष पाण्डेय एवं महेश अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।



सीतारामपेट, मंगलहाट स्थित बाल हनुमान मंदिर में अन्नकूट महोत्सव संगीतमय सुंदरकांड एवं भजन संध्या के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हुआ। इस अवसर पर जगन्नाथ मंदिर, सीतारामबाग के पीठाधीश्वर अच्युत अजय रामानुजाचार्यजी, आचार्य सुनील पाण्डेय, प्रमुख पुजारी ब्रजेश शुक्ला (लाला महाराज), भाजपा नेता आला पुरुषोत्तम, रामशिरोमणि तिवारी, शीतला प्रसाद त्रिपाठी, कृणाल सिंह, साईनाथ सिंह, डॉ. आलोक तिवारी, अनिल रंधावा, आनंद, ललन तिवारी एवं हर्ष पाण्डेय सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

तुलसी विवाह उत्सव धूमधाम से मनाया गया



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदरगुड़ा स्थित होटल साउथ ऑफ स्वाद में माथुर वैश्य समाज महिला मंडल एवं माथुर वैश्य इंटरनेशनल (एमवीआई) महिला मंडल की ओर से तुलसी विवाह पूजन एवं देवउठनी एकादशी के अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की सदस्यों ने विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ तुलसी पूजन एवं तुलसी विवाह उत्सव मनाया।

कार्यक्रम के दौरान माथुर वैश्य समाज महिला मंडल की मंत्राणी पिंकी गुप्ता तथा माथुर वैश्य इंटरनेशनल की मंत्राणी कंचन गुप्ता ने महिला मंडल की अध्यक्ष नीलम गुप्ता को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में पद प्राप्त होने पर भव्य रूप से सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने नीलम गुप्ता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तुलसी विवाह पूजन में महिला मंडल की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर पिंकी गुप्ता, कंचन गुप्ता, श्वेता गुप्ता, शालिनी गुप्ता, अंजलि गुप्ता, मीनू गुप्ता, खुशबू गुप्ता एवं वंदना गुप्ता सहित महिला मंडल की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने समाज में एकजुटता बनाए रखने तथा समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

एमवीआई क्लब का दीपावली मिलन समारोह संपन्न



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एमवीआई ग्रेटर हैदराबाद क्लब की ओर से हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ दीपावली मिलन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम क्लब की कोषाध्यक्ष कविता गुप्ता के निवास स्थान पर आयोजित किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत भजन, मनोरंजन के विभिन्न कार्यक्रम एवं क्लब की मासिक बैठक आयोजित हुई। इसके बाद जलपान एवं तंबोला के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष दिव्या गुप्ता, सचिव रश्मि गुप्ता एवं कार्यकारिणी सदस्य पूजा गुप्ता, भारती गुप्ता, ज्योति गुप्ता, अमिता गुप्ता, सोनिया, प्राची, पूनम एवं शेफाली सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की जनगांव और यादाद्रि-भुवनगिरि जिलों में संगठनात्मक बैठकें



जनगांव, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने राज्य पदाधिकारियों के साथ 20 नवंबर 2026 को जनगांव और यादाद्रि-भुवनगिरि जिलों का दौरा किया।

जनगांव जिले में नव नियुक्त जिला अध्यक्ष एवं जिला समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान नव नियुक्त टीम का स्वागत करते हुए उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संगठन की प्राथमिकताओं, जमीनी स्तर पर मोर्चे को मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

बैठक में सामूहिक नेतृत्व, आपसी समन्वय, टीम भावना एवं सक्रिय सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया गया।

नव नियुक्त पदाधिकारियों से आग्रह किया गया कि वे समर्पण, निष्ठा और सेवा भावना के साथ संगठन के विजन एवं कार्यक्रमों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं।

इसके बाद यादाद्रि-भुवनगिरि जिले में जिला अध्यक्ष एवं नवगठित जिला समिति के सदस्यों से भेंट कर उन्हें बधाई दी गई तथा संगठनात्मक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिले और बूथ स्तर पर मोर्चे को मजबूत करने की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

पदाधिकारियों से नियमित जनसंपर्क बनाए रखने, संगठन का विस्तार करने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया गया।

बैठक में यह भी कहा गया कि एक मजबूत संगठन का निर्माण नेतृत्व की प्रतिबद्धता और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा, सामूहिक प्रयासों और कार्यकर्ताओं के समर्पण से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पूरे तेलंगाना में और अधिक मजबूत होकर अपनी उपस्थिति बढ़ाएगा। आइए, हम एकता, समर्पण और सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ संगठन की नींव को मजबूत करें और तेलंगाना के कोने-कोने तक पहुंचें।

श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक अन्नसेवा कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरशुवाले ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना और समाज में सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर शिव भगवान अग्रवाल, नरेश बंसल, राजेश सर (योगा), नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल एवं मीना अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

समाज सेविका जतन कुंवर कांकरिया का निधन



सोलापुर। दांतराई, सिरोही निवासी सौ. जतन कुंवर कांकरिया (73), धर्मपत्नी श्री कांतीलालजी कांकरिया का 18 नवंबर 2026 को दुखद निधन हो गया। वे नानूबेन जवेरचंदजी कांकरिया की पुत्रवधू तथा भावना, सुमीत एवं रोहित कांकरिया की माताजी थीं। उनके परिवार में दो पौत्र एवं दो पौत्रियां हैं। वे अत्यंत धार्मिक, सरल स्वभाव एवं उच्च संस्कारों वाली महिला थीं। धर्म के प्रति उनकी गहरी आस्था, मिलनसार व्यक्तित्व एवं सद्गुणों के कारण वे सभी के बीच आदरणीय थीं। सिरोही निवासी रमेश पी. तातेड ने बताया कि उठावना संपन्न होने के बाद मंदिर में दिवंगत आत्मा की शांति एवं सद्गति के लिए बड़ी शांति का पाठ किया गया। बाहरगांव से आए सभी रिश्तेदारों एवं सोलापुर के सर्वसमाज के लोगों ने दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

जिला परिषद बालक विद्यालय में बाल दिवस पर स्वशासन दिवस मनाया



मदनूर, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र स्थित जिला परिषद बालक विद्यालय में बाल दिवस समारोह के अंतर्गत स्वशासन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अधिलिखित प्रधानाध्यापक राजेंद्र ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर राजेंद्र ने कहा कि आज के बच्चे कल के सर्वश्रेष्ठ नागरिक हैं और विद्यार्थी ही भविष्य में देश एवं समाज का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने स्वशासन दिवस के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान सर्वश्रेष्ठ शिक्षक की भूमिका निभाने वाले विद्यार्थियों दीपक, साईनाथ, कोमल एवं लक्ष्मण को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक नागनाथ, मंजीरा सहित विद्यालय के शिक्षण स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में इंदिरम्मा बीमा योजना शुरू



बांसवाड़ा, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सरकार के आदेशानुसार शुक्रवार को बांसवाड़ा नगर निगम कार्यालय में इंदिराम्मा फैमिली लाइफ इंश्योरेंस स्कीम (आईकेजेबीपी) का शुभारंभ किया गया। नगर निगम आयुक्त ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इसका उद्देश्य पात्र व्यक्तियों के परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त गोपू गंगाधर, उपाध्यक्ष रेशमा एजाज, पार्षद हकीम, गज्जला महेश, को-ऑप्शन सदस्य रोहित, नगर निगम प्रबंधक मल्लिकार्जुन रेड्डी, कार्यालय कर्मचारी एवं लाभार्थी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सरकारी डिग्री कॉलेज मदनूर की छात्रा ने लहराया परचम



मदनूर, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग के तत्वावधान में आयोजित निर्वाचन साक्षरता क्लब-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत सरकारी डिग्री कॉलेज (ए), कामारेड्डी में जिला स्तरीय निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें सरकारी डिग्री कॉलेज मदनूर (5086) के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सरकारी डिग्री कॉलेज मदनूर की छात्रा एम. राधिका (बी.एससी.-एमपीसी) ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर राधिका को कामारेड्डी जिला कलेक्टर के हाथों पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य के. अशोक ने कहा कि सरकारी डिग्री कॉलेज मदनूर शिक्षा, संस्कृति, खेलकूद एवं विभिन्न गतिविधियों का केंद्र है। कॉलेज दिन-प्रतिदिन प्रगति कर रहा है तथा विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कृति, खेलकूद और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कॉलेज का संकाय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने एवं उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सरपंच पार्वती बाई ने किया इंदिरम्मा जीवन बीमा योजना शुभारंभ



मदनूर, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार इंदिरम्मा जीवन बीमा योजना का शुक्रवार को मदनूर मंडल के अंतापुर गांव में शुभारंभ किया गया। स्थानीय सरपंच पार्वती बाई ने विधिवत रूप से योजना का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मदनूर मंडल विशेष अधिकारी मोहन रेड्डी, कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दरासवार सायलु, हनुमान मंदिर के पूर्व अध्यक्ष राम पाटिल, तहसीलदार एम.डी. मुजीप, मंडल विकास अधिकारी सायलु एवं मंडल विकास अधिकारी सत्यनारायण सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का जीवन बीमा कवरेज प्रदान कर आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार प्रत्येक परिवार को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से इस योजना को लागू कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान सरपंच ने एक बैठक में योजना की जानकारी देते हुए कुछ लाभार्थियों को बीमा दस्तावेज भी सौंपे।

65% चुनावी वादे पूरे : रेवंत रेड्डी

शेष 35 प्रतिशत वादे अगले दो वर्षों में होंगे पूरे, बीआरएस को बताया मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल के शुरुआती तीन वर्षों में चुनावी वादों में से लगभग 65 प्रतिशत पूरे कर दिए हैं। शेष 35 प्रतिशत वादों को अगले दो वर्षों में पूरा किया जाएगा।

शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने बीआरएस और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि तेलंगाना में भाजपा कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं है, बल्कि बीआरएस उनकी मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को अपना प्रमुख राजनीतिक मुकाबलेदार बताते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव की नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने रामाराव को 'मैनेजमेंट कोटे' से नेता बनने वाला बताते हुए कहा कि वे अपने पिता के सहारे राजनीति में आगे बढ़े हैं।

रेवंत रेड्डी ने भाजपा पर उन राज्यों में वोट चोरी में शामिल होने का आरोप लगाया, जहां उसका राजनीतिक प्रभाव है। उन्होंने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा अपनी जमानत तक नहीं बचा सकी।

बीआरएस नेताओं पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वे खुशफहमी में जी रहे हैं। उन्होंने चंद्रशेखर राव की तुलना अपनी राजनीतिक कहानी के रावणासुर से की। साथ ही कहा कि यदि विपक्ष जरूरी नहीं होता तो बीआरएस को बहुत पहले समाप्त कर दिया जाता।

मुख्यमंत्री ने फुटबॉल के संबंध में कहा कि सरकार पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को जल्द तेलंगाना लाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले वर्ष अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी को उनके 'जीओएटी इंडिया टूर' के तहत हैदराबाद लाया गया था। 13 दिसंबर 2025 को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में उन्होंने मेसी के साथ मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच भी खेला था। उन्होंने मेसी को अपना पसंदीदा खिलाड़ी बताते हुए डिएगो माराडोना का भी उल्लेख किया।

आगामी ग्लोबल समिट और तेलंगाना में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया गेम्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित भागीदारी पर उन्होंने कहा कि बड़े आयोजनों में प्रधानमंत्री को आमंत्रित करना उनकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में शामिल होना है या नहीं, इसका निर्णय प्रधानमंत्री को लेना है।

रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनमें साहस है तो वे हैदराबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़कर एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को हराकर दिखाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह राजनीतिक लाभ के लिए हिंदू मतों को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि ओवैसी मुस्लिम समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्टार्टअप से आगे बढ़कर वैश्विक उद्यम बनाने पर जोर

तेलंगाना को विश्वस्तरीय कंपनियों का केंद्र बनाने का लक्ष्य : श्रीधर बाबू



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना को केवल स्टार्टअप बनाने तक सीमित न रखते हुए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले सफल उद्यमों का केंद्र बनाना आवश्यक है। यह बात तेलंगाना के आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कही। उन्होंने कहा कि सरकार स्वयं उद्यम स्थापित नहीं कर सकती, बल्कि उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर सकती है।

गुरुवार को जिनेवा से वर्चुअल माध्यम से हैदराबाद उद्यमिता शिखर सम्मेलन (एचईएस-2026) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्टार्टअप की सफलता केवल उनकी संख्या से नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, टिकाऊ कारोबारी मॉडल और वैश्विक पहचान से आंकी जानी चाहिए। उन्होंने टीआईई हैदराबाद की टीआईई-50 तेलंगाना पहल की सराहना करते हुए चयनित 50 स्टार्टअप को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव संजय जाजू ने कारोबारियों और निवेशकों से हैदराबाद में निवेश करने की अपील करते हुए कहा कि आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, जीवन विज्ञान, विनिर्माण, रक्षा, एयरोस्पेस और अनुसंधान के क्षेत्र में शहर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने मूसी रिवरफ्रंट विकास, रीजनल रिंग रोड, दो रेडियल सड़कों और भारत फ्यूचर सिटी जैसी परियोजनाओं को शहर के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नौ औद्योगिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संस्थानों और उद्यमों को टीआईई डिस्टिंक्टिव अवॉर्ड भी प्रदान किए।

सम्मेलन में टीआईई-50 तेलंगाना 2026 रिपोर्ट का विमोचन किया गया। इसके तहत चयनित 50 स्टार्टअप को 12 महीने तक मार्गदर्शन, विशेषज्ञों से मेंटरशिप, टीआईई के वैश्विक नेटवर्क तक पहुंच और पांच लाख रुपये से अधिक मूल्य के सहयोगात्मक लाभ दिए जाएंगे। क्वालकॉम इस कार्यक्रम का प्रायोजक है।

स्टार्टअप को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टीआईई हैदराबाद और फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने संयुक्त रूप से 'नेक्स्टऑर्बिट' पहल शुरू की। टीआईई हैदराबाद के अध्यक्ष एवं सम्मेलन संयोजक मुरली काकरला ने कहा कि इसका उद्देश्य नए स्टार्टअप और स्थापित उद्योगों को जोड़कर व्यावसायिक अवसर बढ़ाना है।

टीआईई डिस्टिंक्टिव अवॉर्ड के तहत डीप टेक, रक्षा एवं एयरोस्पेस में आदित्य प्रिसिटेक; मानव संसाधन तकनीक में केका एचआर; जीवन विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवा में एक्लैट हेल्थ सॉल्यूशंस; क्लाइमेट टेक एवं स्वच्छ ऊर्जा में रीसायकल; एग्रीटेक, हार्डवेयर एवं रोबोटिक्स में परसेप्टाइन; खाद्य एवं पेय क्षेत्र में मनम चॉकलेट; मीडिया में वे2न्यूज तथा औद्योगिक एवं रसायन क्षेत्र में मिडवेस्ट लिमिटेड को सम्मानित किया गया। हैदराबाद विश्वविद्यालय और टी-वर्क सहित अन्य संस्थानों को भी सम्मान प्रदान किए गए।

एचआईसीसी, माधापुर में आयोजित इस दिवसीय सम्मेलन में 2,000 से अधिक उद्यमियों, 120 से अधिक निवेशकों, 80 से अधिक वक्ताओं और 30 से अधिक संस्थागत भागीदारों ने भाग लिया। सम्मेलन में विभिन्न परिचर्चाओं, पैनल चर्चाओं और तकनीकी प्रदर्शनी के माध्यम से उद्यमिता, निवेश, नवाचार और वैश्विक कारोबारी अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। यह सम्मेलन आगामी इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026 की तैयारियों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।

तेलंगाना में संगारेड्डी के सातार में पारा 9.6 डिग्री पर पहुंचा

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद सहित तेलंगाना के विभिन्न जिलों में सर्दी का असर तेज हो गया है। शुक्रवार तड़के संगारेड्डी जिले के सातार में न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का पहला एकल अंक तापमान है। पश्चिमी और उत्तरी तेलंगाना में शीतलहर जैसी स्थिति बनी हुई है।तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी (टीएसडीपीएस) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में संगारेड्डी राज्य का सबसे ठंडा जिला रहा। जिले के कोहिर में 9.7, न्यालकल और झरासंगम में 10 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। जहीराबाद के अल्गोल में 10.3, मालचेल्मा और मोगडमपल्ली में 11 डिग्री तापमान रहा। वहीं, कामारेड्डी जिले के डोंगली में 10.5 तथा रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद मंडल के रेड्डीपल्ली में 10.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

ग्रेटर हैदराबाद में भी बढ़ी ठिठुरन

ग्रेटर हैदराबाद के मुख्य शहरी इलाकों में अपेक्षाकृत कम ठंड रही, लेकिन बाहरी क्षेत्रों और आईटी कॉरिडोर में तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। तिरुमलगिरी में 15.2 और वेस्ट मारेडपल्ली में 15.8 डिग्री तापमान रहा। पटंचेरू और बीएचईएल क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि रामचंद्रपुरम के बीएचईएल फैक्टरी क्षेत्र में 12.5 डिग्री रहा। हैदराबाद विश्वविद्यालय (सेरिलिंगमपल्ली) में 12.6, अमीनपुर के किस्तारेड्डीपेट में 13 और सुल्तानपुर में 13.3 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। गाचीबोवली में 14 तथा एमएमटीएस लिंगमपल्ली में 15.1 डिग्री तापमान रहा।

|| श्री गणेशाय नमः || ॐ श्री जीण भगवते नमः || श्री श्याम देवाय नमः || श्री हनुमंते नमः ||

भाग्यनगर (हैदराबाद) के बेगम बाजार में
पाँच दिवसीय
प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

शुभस्थल :
खेमदास मठ (चूड़ी धाम)
चूड़ी बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद

रविवार 22 से गुरुवार 26 नवम्बर 2026

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर

पावन सान्निध्य
महंत श्री डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी
मठाधीश खेमदास मठ

श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य
पं. श्री भंवरलाल शर्मा
हैदराबाद

श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य
ज्योतिष गुरु वेद प्रकाश महर्षियाँ मुंबई

Food Partner
KAVITA CATERERS
Media Partner
CLICK MAGIK
Sound Partner
CAD CHAHAK AUDIO DIGITALS
Travel Partner
PADMAVATI TRAVELS

सभी भक्तों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में कलश-निशान शोभा यात्रा में भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

मंदिर संपर्क सूत्र
9704098987

कलश-निशान शोभा यात्रा
भव्य श्रृंगार
अद्भुत झांकियाँ
बैण्ड बाजा
रंगोली

रविवार दि.22-11-2026
प्रातः 7:31 बजे से

महाभिषेक : प्रातः 7 बजे से महादेव मंदिर चारमीनार से

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
26 नवंबर 2026

मुख्य अतिथि
श्री किरण खरे
डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस, साउथ जोन

सम्माननीय अतिथि
श्री मोहम्मद गौस
पूर्व पार्षद

सम्माननीय अतिथि
श्री रामशरण महाराज
मुख्य पुजारी श्याम मंदिर

निवेदक : श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट
आजीवन सदस्य बनने एवं अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें

गिरीश कुमार गुप्ता 9866433800
दिलीप कुमार जैन 9866991098
विनय जैन 9150000099
रमाकान्त गोयल 9391034050
दीपक गुप्ता 8008066000
प्रतीक कुमार नारसरिया 9247253655

शोभा यात्रा मार्ग
भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा महादेव मंदिर, चारमीनार से प्रारंभ होकर गुलजार हौज, मदन भवन, चारकमान, सूरज भवन, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, भूलक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार छतरी होते हुए श्री खेमदास मठ बेगम बाजार पहुंचेगी। सभी भक्तो से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ावे।

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा की भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा में भाग लेने वाली समस्त माताओं, बहनों एवं पुरुष श्रद्धालुओं से सादर निवेदन है कि वे प्रातः 7:00 बजे महाअभिषेक में सम्मिलित होने हेतु समय पर पधारें एवं इस पावन धार्मिक अनुष्ठान का लाभ प्राप्त करें।

सत्यनारायण राजेंद्र कुमार तुंदावाले
(सत्तू दादा)
A 201 Gvk Sky City Somajiguda, Hyderabad 500082

अमरनाथ दिलीप कुमार जैन
पुरणमल सुमेर चंद जैन
हैदराबाद

नागरमल ओमप्रकाश पंच बसईवाले
RK AGARWAL STORES (Wholesale Kirana Merchant)
Address : 2nd Gate Malakpet Gunj, Hyderabad 500036
Ramakanth Goel : 9391034050, Shashikanth Goel : 9440203004, Shyam Agarwal : 9866584420

AMRITSAR HAVELI
WORLD RECORD HOLDER RESTAURANT CHAIN
Kitty Party | Birthday Party | Corporate Meetings
THE KING OF AMRITSARI KULCHA
FOR RESERVATION - BANQUET & RESTAURANT CALL 9281411691
2ND FLOOR, LEGEND BLUE HOPE, TILAK ROAD, ABOVE MAX SHOWROOM ABIDS, HYDERABAD

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.